सं० २०२४ का

व्यापार भविष्य



मूल्य डाक व्यय सहित ४)२५ न.पै.

— लेखक एवं प्रकाशक —

पं० हीरालाल दीक्षितः

श्री व्यापार भविष्य कार्यालय-हाथरस (उ.प्र.)

व्यापार करने की रीति

हमेशा से सट्टे का व्यापार किसी न किसी आधार को लेकर होता चला आ रहा है कोई व्यापारी तो स्वप्न के आधार पर कोई खास शकुन के आधार पर कोई साधु महात्माओं की सिद्धई के आधार पर कोई ज्योतिष की ग्रह चाल के आधार पर व्यापार किया करते हैं। अक्सर बड़े २ तिजारती लोग बाजार की खपत को डिमांड को आबक और स्टाक को बिलायती बैंकों के लेन देन को इसके अलावा बैंक और बाजार में व्याज की घटती बढ़ती दर को नजर में रखते हुए राजद्वारी हलचलों को देखते हुए इन्हीं आधारों के आधार पर व्यापार किया करते हैं कहने का मतलब तो आपने समझ ही लिया होगा कि बिना कोई न कोई आधार बनाये बिना व्यापार करने की न इच्छा होगी न हिम्मत, आप यह जानना चाहेंगे कि इन आधारों में कौन से आधार सच्चे हैं। जिनके ऊपर पूर्ण विश्वास करके व्यापार किया जाय, हमारा तो ३६ साल का देखा हुआ यही पक्का अनुभव है कि सेन्ट परसेन्ट ठीक बैठने वाली बातें तो किसी आधार वालों को न मिली न मिलेगी ऊपर कहे हुए यही आधार बिल्कुल सत्य होते हुए भी व्यापारियों के भाग्यानुसार समय २ पर सत्य और असत्य रूप से परणित होते रहते हैं।

तब आप कहेंगे कि तो क्या ज्योतिष भी झूठी है। इसका उत्तर यही मिलेगा कि भाई ज्योतिष शास्त्र झूठा तो नहीं उससे गणित करने वाले प्रमदी तथा आलसी ज्योतिषी लोग झूठे कहला सकते हैं। उसका प्रधान कारण एक और भी है कि इस

समय भारत में करीब साठ सत्तर प्रकार के पंचाङ्ग प्रचलित हो रहे हैं।

कोई सूर्य सिद्धान्ती है तो कितने ही ग्रह लाघवीय कितने ही मकरन्दी कितने ही केतकीय गणित तथा सारणियों में बने हुएहै इन सभी पंचांगों के गणित में परस्पर हमेशा भारी अन्तर रहा करता है ऐसी हालत में कोई ज्योतिषी किसी पंचांग के आधार से तेजी मंदी बतलाते हैं तो कोई किसी से ऐसी हालत में कभी किसी की बात सत्य बैठती है तो कभी किसी की। तब ऐसी हालत में ज्योतिष का आधार मानकर कैसे व्यापार किया जाय इसके लिए तरीका यही ठीक रहेगा कि सबसे पहले अपने मन में किसी आधार को पक्का मानकर ज्योतिष की ग्रह चाल से निर्णय करलें कि यह समय इस वस्तु में मोटी तेजी आने का है या मोटी मन्दी का, ऐसी चाल की धारणा बांधकर फिर बाजार की हालत देखनी चाहिये यदि बाजार वक्र तेजी कारक चल रहा हो तो निस्सन्देह तेजी का व्यापार करके लाभ उठाना चाहिये। यदि ग्रह चाल भी मंदे की हो बाजार में मंदी का वक्र भी चल रहा हो ऐसी हालत में हर बड़े भाव में बेचान करते रहिए थोड़ा २ सौदा नफा से भी सुलटते रहिये व्यापार वक्र तेजी का या मंदी का यह जानने के लिए सब वस्तु के भावों को देखना चाहिए जिस वस्तु के भाव हर रोज या तीसरे या चौथे या आठवें दिन मन्दी के नये २ आते चले जाँय जैसे तीसरे दिन नया भाव मंदी का आये जान लो इस बाजार में मंदी का वक्र है। तेजी के उछाले में बेचना चाहिये।

यदि मंदी के भाव तो छूटते चले जांय और तेजी के भाव प्रतिदिन तीसरे या चौथे दिन नये २ बनते जांय बस समझलो कि तेजी का वक्र चल रहा है ऐसे समय जब २ तेजी का ग्रह आये तेजी का काम करने से घणा लाभ हो मंदी का वक्र हो

और मंदी की ग्रह चाल आये तब बेचकर काम करने से घणा लाभ होता है बाजार वक्र के विरुद्ध काम कभी न करें मान लो किसी ने तेजी का आधार बांधकर खरीदने का काम कर लिया सौदा करते ही बाजार मंदी के वक्र का हो गया तो किसी भी समय तेजी का उछाला आते ही सौदा खतम कर दो या डबल बेचो तभी उस नुकसान से बचने पाओगे, वरना बाजार वक्र के खिलाफ सौदा खड़ा करने से किसी न किसी दिन घबड़ा कर सौदा बराबर करना पड़ता है। बस इसी तरह भाग्य के कमजोर व्यापारी लोग थोक नुकसान उठा जाते हैं। हमेशा ग्रह चाल का आधार मानकर बाजार वक्र को ख्याल में रखते हुए अच्छी दिना दशा में व्यापार करने वाले व्यापार से अच्छा लाभ उठाया करते हैं, इसके विरुद्ध काम करने वाले खोटे सितारे वाले, बुरी दशा वालों को मोटा व्यापार भूलकर भी न करना चाहिए कभी लाभ उठा नहीं सकते क्योंकि सट्टा सितारे का साथी है। सितारा जोरदार हुए बिना लाभ हो ही नहीं सकता। जिन्होंने गुप्तदान दिये थे और अब भी दे रहे हैं, और देते रहेंगे। वे ही इससे द्रव्य लाभ उठा सकते हैं। कहावत है—

जिन दीया तिन पाइयां तुलसी या संसार।
बिना दिये पाओ नहीं, कोशिश करो हजार ॥
दीया है तो देख लो नहिं देख दिये की बाट।
पूंजी बिखरी रेत में निपट अंधेरी रात ॥

दिनांक १-१२-६६ लेखक

* श्रीगुरु गरोशाम्बिका चरण कमलेभ्योनमः *



संवत् २०२४ का व्यापार भविष्य

* मंगलाचरण *

श्लोक—शिवं भवानी सहितं गरोशं, गुरुं च माता पितरौ प्रणम्य। नव ग्रहान्देव द्विजाश्च नत्वा लिखामि व्यापार भविष्यमेतत् ॥१॥ या सा पद्मा सनस्था विपुल कटतटी पद्म पत्रायताक्षी, गम्भीरा बर्तनाभि स्तनभर नमिता शुभ्र वस्त्रोत्तरीया। या लक्ष्मी दिव्य रूपैः मणि गण खचितैः स्नापिता हेमकुम्भैः, सनित्यं पद्महस्ता वसतु मम गृहे सर्व माँगल्य युक्ता ॥२॥ आनन्द मानन्द करं प्रसन्नम् ज्ञान स्वरूपं निज भाव युक्तम्। योगीन्द्र मीड्यं भवरोग वैद्यं श्री मदगुरूं नित्य महंनमामि ॥३॥ मान्यैः द्विजै रर्चित पाद पद्मं मंत्रोपदेष्टा रमनन्त कीर्तिम्। विद्या प्रदातार मनाथ नाथं वन्दे गुरुं श्री मथुरा प्रसादम् ॥४॥ आशासुराशिर्भवदङ्ग वल्ली भाषै बदासी कृत दुग्ध सिन्धुम्। मन्द स्मितै र्निन्दित शारदे न्दुम् वन्दे रविन्दासन सुन्दरित्वाम् ॥५॥ नमः श्री वाल कृष्णाय ब्रह्मणे परमात्मने योगेश्वराय योगाय त्वामहं

शरणं गतः ॥६॥ ब्रह्मा मुरारि स्त्रिपुरांतकारी भानुः शशी भूमि सुतो बुधश्च गुरुश्च शुक्र शनि राहु केतवः सर्वे ग्रहाः शान्ति कराभवन्तु ॥७॥

॥ ॐशान्तिः शान्तिः शान्तिः सुशान्ति र्भवतु ॥

ॐ नमः परमात्मने ॥

(भैरव भवानी संवाद)

दोहा—श्री जगदम्बे अम्बिके तू जग की प्रतिपाल।
दोहजार चौबीस का मात कहो सब हाल ॥ १
वर्षा कैसी होयगी शाखा कैसी होय।
तेजी मन्दी क्या चले मात कहो सब मोय ॥ २
उत्तर—जगदम्बा कहने लगी सुन सुत भैरवलाल।
२—दोहजार चौबीस का पुत्र सुनो सब हाल ॥ ३
चन्द्रदेव राजा हुए मंत्री सुर गुरु जान।
इनका फल मन्दी प्रवल शाखा होय महान् ॥ ४
सूर्य देव शस्येश हैं शनि हुए धान्येश।
रसपति तो मंगल हुए प्रजा उठावे क्लेश ॥ ५
रोग, युद्ध, दुर्भिक्ष से धन, जन की हो हानि।
तेजी भी दो बार की निकलेगी बलवान् ॥ ६
रौद्र नाम संवत हुआ दस विश्वा बलवान।
रोहणि बसी समुद्र में वर्षा होय महान् ॥ ७

शुक्ल पक्ष वैसाख मैं संग्रह करिए माल ।
चार मास के बीच मैं लाभ होय तत्काल ॥ ८

अलशी सरसों खांड़ गुड़ लाहा अंडी तेल ।
जौ, मटरा, गेहूँ, चना खूब खिलावें खेल ॥ ९

बुध ऊगो आषाढ़ मैं श्रावण में भृगु लोप ।
संवत् रहे भयावना दैवी दैव प्रकोप ॥ १०

शुक्ल पक्ष बैसाख मैं मंगल मार्गी जान ।
तेजी की लाइन चलें रखना इस पर ध्यान ॥ ११

जेठ बदी प्रतिपद दिना बार पड़ा बुधवार ।
आठ मास के बीच मैं चहुँ दिशि हाहाकार ॥ १२

पौष मास के बीच में योग लगा विकराल ।
अलशी के आधे करें तिलहन के सबभाल ॥ १३

मीन राशि में पाप ग्रह शनि, कुज, राहू तीन ।
फागुन मैं उत्पात हों इसमैं मेष न मीन ॥ १४

ज्योतिष के आधार से लिखी ग्रहों की चाल ।
संवत् भला न जानिए भाषैं हीरालाल ॥ १५

—:o:—

रौद्र नाम संवत्सर फलम्

श्लोक—रौद्राब्दे नृप सम्भूत, क्षोभ क्लेश समन्विते ।
सततं त्वखिला लोका मध्य सस्यार्ध वृष्टयः ।।

भावार्थः—जिस वर्ष रौद्र नाम वाला संवत्सर हो तब राजाओं को क्षोभ हो और क्लेश वाले हों । सब प्राणियों को पीड़ा हो ।

अन्य मत से – रौद्र वर्ष का स्वामी चन्द्र, पृथ्वी में रोग अधिक, पशुओं का विनाश, छत्र भंग, थोड़ी वर्षा, चैत्रादि तीन मासों में तेजी आषाढ, श्रावण में अल्प वृष्टि, खंड वृष्टि भादों में अधिक वर्षा अनाजों के भाव सस्ते दूसरी वस्तु मजीठ, सुपारी लोंग, आदि सस्ती लोक सुखी पशु सस्ते और हाथियों को पीड़ा होगी ।

राजा चन्द्र फलम्

श्लोक–चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टि प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनाना मुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।।

भावार्थ—राजा चन्द्रमा हो तो, प्रजा में मांङ्गलिक कार्य अधिक हों उत्तम वर्षा और उत्तम धान्य की प्राप्ति से जनता को सुख हो, राजाओं में क्रोध की शान्ति रहे, प्रजा में रोगों की शान्ति रहे, अनुभव करने से पता चलता है कि इस वर्ष भी मीन का शनि कर्क का गुरू तथा तुला का मंगल होने से दो वार तेजी भयानक आयेगी, उसके उपरांत मंदी वालों को दो चांस उत्तम मिलेंगे, पहली तेजी सिंह संक्रान्ति में समाप्त होगी ।

मंत्री गुरू फलम्

श्लोक–विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुर तोय धना मुदिसा भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥

भावार्थ—जिस वर्ष गुरू मंत्री हो उस वर्ष सभी प्रकार के धान्यों से पृथ्वी परिपूर्ण हो । मेघ जल की वृष्टि उत्तम करें । राजा लोग प्रजा पालन में तत्पर हों । मंत्री का फ़ल उत्तम रहेगा । वर्ष के उत्तरार्द्ध में एक बार भयानक मंदी आये ।

सस्येश सूर्य फलम्

श्लोक–सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं वहवोऽपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं वहु भूरु हाश्च ॥

भावार्थ—जिस वर्ष सस्येश सूर्य हो उस वर्ष अनाज गल्ला धान्य की तेजी रहे, राजाओं में युद्ध की सम्भावना हो, अन्न, वर्षा, और तृण की न्यूनता बीमारी का प्रकोप, कार्तिक की फसल को अति वृष्टि एवं अनावृष्टि से हानि हो ।

धान्येश शनि फलम्

श्लोक–दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशाविग्रहम् ।
सौराष्ट्र देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनि ॥

भावार्थ—जिस वर्ष धान्येश शनि हो उस वर्ष दुर्भिक्ष का भय हो । जिससे धान्य भाव तेज रहें । परस्पर में कलह और देश में विग्रह की सम्भावना हो, सौराष्ट्र देश में उत्पात हों इसका फल अशुभ है ।

मेघेशो गुरू फलम्

श्लोक–गुरू रपि प्रिय दृष्टि करः सदा खिल विलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परा नर पालकाः रस समृद्धि युताः खिल मानवाः ॥

भावार्थ—मेघेश गुरू हो तो कई प्रान्तों में अच्छी वर्षा होने के कारण संवत् सुन्दर हो संसार में सुख हो राजा लोग धर्म परायण हों, शासन का रुख जनता के प्रति अब तक कटु रहा अब आगे नम्रता का होने लगेगा ।

रसेशो भौम फलम्

श्लोक–यदि धरा तनयो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभाः । नरपति विषमो जनता पदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ॥

भावार्थ–जिस वर्ष रसेश भौम हो उस वर्ष गन्ना, गुड़, शक्कर, खांड़, तेल तिलहन के व्यापारी लाभ उठायें, अर्थात् इनकी तेजी रहे, वर्षा की न्यूनता रहे, राजाओं का वर्ताव अच्छा न हो ।

नीर सेशो रवि फलम्

श्लोक–नीर साधि पती सूर्ये त्रपु चंदनयो रपि ।
रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ॥

भावार्थ—जिस वर्ष नीरसेश सूर्य हो उस वर्ष लाल चंदन किराने की लाल वस्तुएँ तांवा, रत्न, मूँगा, मोती माणिक्य, शीशा तेज रहे ।

फलेशो बुध फलम्

श्लोक–यदि बुधे फलप फलमुत्तमं जल धरा जल राशि
मुचस्तदा । वहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदाः
जन सौख्य मुदान्विताः ॥

भावार्थ—जिस वर्ष फलों का स्वामी बुध हो उस वर्ष फल-फूल अधिक हों, वर्षा मध्यम तृण, भूसा की न्यूनता रहे, इसका फल मध्यम जानना ।

धनेशो रवि फलम्

श्लोक–द्रविणप यदि वासरप तदा वणिजतो बहु द्रव्य
समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं
लभते क्रय विक्रयात् ॥

भावार्थ—जिस वर्ष धनेश सूर्य हो व्यापारियों को क्रय-विक्रय करने से उत्तम लाभ हो, हाथी, घोड़ा, ऊँट, गर्दभ, गाय, भैंस आदि चतुष्पदों में तेजी रहे ।

दुर्गेशो गुरू फलम्

श्लोक–सुमन सां च गुरूर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्ति पराः
सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमि रुहा सदा
विविध द्रव्य युता भुवि मानवाः ।

जिस वर्ष गढ़पति बृहस्पति हो, उस वर्ष उपद्रवों की शान्ति रहें, राजा लोग न्याय पूर्वक शासन करें । बन, ग्राम और नगरों में एक सी सुख समृद्धि हो ।

गुरुदय मानेन वर्ष नाम पौषस्त फलम्

श्लोक—ज्वर रोग क्षुधार्तश्च नाना जनपदाः सदा ।

महर्घं तु त्रयोमासा पौषेस्वास्थ्यं ततः परम् ॥

भावार्थ—पौष नाम वाले वर्ष में ज्वरादि रोगों की वृद्धि किसी किसी खंड में अन्न के अभाव से भुखमरी हो, तीन मास में विकराल तेजी हो जाय तो माल बेचने वालों को आगे उत्तम लाभ हो । अन्य मत से पौष नाम वाला वर्ष सुभिक्ष, सुखशान्ति कारक माना गया है ।

रोहिणी निवास फलम्

श्लोक—समुद्रे तु महावृष्टिः ।

भावार्थ—रोहिणी का निवास समुद्र में अति बृष्टि चाहता है । किसी किसी खंड में भारी वर्षा से कृषि को हानि होगी, चातुर्मास में से कोई भी एक मास प्रारम्भ का या अन्त का अति बृष्टि कारक रहेगा ।

समय निवास फलम्

श्लोक—मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।

भावार्थ—सम्वत का निवास माली के घर है जो कि किसी किसी प्रान्त में अति बृष्टि से भारी हानि करेगा ।

मेघ नाम द्रोणस्तत्फलम्

श्लोक—द्रोणो बर्षति सर्वदा ।

भावार्थ—द्रोण नाम वाला मेघ सर्वत्र अच्छी वर्षा चाहताहै ।

सवितुराद्र प्रवेश फलम्

संवत २०२४ जेठ शुक्ला १५ गुरुवार मूल नक्षत्र शुकल योग में दिन के ८ बजे कर्क लग्न में भगवान भास्कर का प्रविष्ट हुआ तिथी वार योग और लग्न का फल प्रवृष्टि शान्ति और सस्ताई चाहता है। केवल नक्षत्र का फल नेष्ट है। इन सम योगों को देखते हुए अधिक स्थानों में सुबृष्टि कई एक स्थानों में अनावृष्टि। किसी विरले प्रान्त में अति वृष्टि से नदियों में बाढ आने से कृषि को हानि रहेगी।

अथ आर्ष ज्ञानम्

गत पौष मास में कुहू अमावश के दिन मूल नक्षत्र नहीं था जिसका फल साख सम्वत् के लिए नेष्ट जानना। द्वितीय आर्ष बैसाख शुक्ला ३ के दिन रोहिणी का अभाव इसका फल भी साख सम्वत् के लिए नेष्ट जानना तृतीय आर्ष श्रावण शुक्ला १५ के दिन श्रवण का नक्षत्र का रुपये में पांच आने भर होना रक्षावन्धन के दिन श्रवण का नितान्त अभाव होना भी साख सम्वत् के लिए अच्छा नहीं जानना। चतुर्थ आर्ष कातिक सुदी १५ के दिन कृतिका नक्षत्र का चार आने भर होना भी संवत के लिए शुभ नहीं। अतः चारों आर्षो के देखने से साख सम्वत् रुपये में आठ दस आने से अधिक प्रतीत नहीं होता।

स्तम्भ चतुष्टय ज्ञानम्

चैत्र शुकला १ को रेवती नक्षत्र रुपये में चार आने भर कहीं कहीं अनावृष्टि से कृषि को हानि करेगा। बैसाख शुक्ला १ को भरणी नक्षत्र तृण का स्तम्भ रुपये में २ आने भर

जानना । पशुश्रों को तृरण भूसा की महार्घता के कारण कष्ट भोगना पड़ेगा । जेठ शुक्ला १ में मृगशिर नक्षत्र वायु का स्तम्भ परिपूर्ण पाया जाता है । इस वर्ष वायु की अधिकता रहेगी । आषाढ शुकला १ में पुनर्वसु नक्षत्र अन्न का स्तम्भ परिपूर्ण पाया जाता है । जिसका फल साख संवत् फल नेष्ट होते हुए भी वर्ष के उत्तरार्द्ध में अन्नादि पदार्थों में अच्छी मंदी आयेगी ।

संवत विश्वा साधनम्

संवत् विश्वा १० वाहन मृग वर्षा विश्वा १३ धान्य १५ तृरण ६ शीत ११ तेज ५ वायु १३ वृद्धि १५ क्षय १५ विग्रह ११ क्षुधा ६ तृरण ११ निद्रा ३ आलस्य ५ उद्यम १५ शान्ति ५ क्रोध ५ दम्भ ५ लोभ ३ मैथुन १५ रस ६ फल १३ उत्साह ११ चौर १७ चौर नाश ७ व्याधि १३ व्याधिनाश ३ आचार १३ अनाचार १३ में जन्म ६ मृत्यु ५ अग्नि १ अग्नि शान्त १ उद्भिज ७ जरायुज ३ अंडज १३ श्वेदज ६ टिड्डी ७ शुक १३ मूषक ७ स्वर्ण १५ रजत ११ तांवा १५ पुण्य $1\frac{1}{2}$ सत्य $\frac{1}{2}$ पाप १८ सोमवती अमावश २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी २ विजय दशमी १ समय महुर्ता ३६० समय दिनानी ३५५ तिथि क्षय १३ तिथि बृद्धि ८ अधिक मास कोई भी नहीं शनि दृष्टि उत्तरे उत्तर दिशा में अनावृष्टि से दुर्भिक्ष या युद्ध भय ।

ग्रहण निर्णय

चैत्र शुक्ल १५ सोमवार दिनांक २४ अप्रैल सन् १९६७ को ग्रस्तोदय खग्रास चन्द्र ग्रहण दिन के ३ बजकर ५४ मिनट पर

स्पर्श होगा। और इसका मोक्ष ७ बजकर १६ मिनट पर होगा और इसका सूतक प्रातः ६ बजकर ५३ मिनट पर लग जावेगा।

स्वस्थ नरनारियों को ग्रहण के सूतकों में भोजन करना निषेध है। बालक, वृद्ध, और रोगियों को त्यागकर सामर्थ्यवान् नरनारियों को दोष होता है।

स्वांति नक्षत्र और तुला राशि वाले देश, वस्तु मनुष्यों को हानि कारक रहेगा। इससे आगे आश्विन शु० १५ का ग्रहण भारत में कहीं नहीं दिखाई देगा।

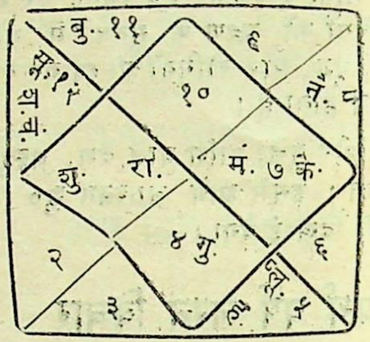
अर्थ वर्ष लग्न विचार

श्लोक—चैत्र शुक्ले पुनः प्राप्ते लोकानां हित हे तवे।
प्रति पल्लग्न वेलायां लग्नं शोध्यं शुभाशुभम् ॥ १
मकरे च महोत्पात उत्तरस्यां नृपक्षयः।
वर्ष मेकं सुनिष्यत्तिः पश्चिमायां महासुखम् ॥ २
मध्य देशेऽर्द्ध निष्यत्तिः किंचिद् धान्यमहर्घता।
अकाले मेघ बृष्टिः स्याल्लाभोधान्यस्यविक्रयात् ॥

भावार्थ—नूतन वर्ष का प्रवेश मकर लग्न में हुआ है। जिसका फल वर्ष में उत्पात और उपद्रव अधिक हों। उत्तर दिशा में राजाओं का क्षय हो पश्चिम दिशा की प्रजा को धान्य निष्पत्ति उत्पन्न होने के कारण मध्य देश में शाख संवत् की उत्पत्ति आधी हो। धान्य की तेजी रहें। समय पर वर्षा न होकर असमय पर वर्षा हो। कहीं २ भूकम्प से हानि विग्रह और प्रजा का नाश आदि खोटे फल हों।

———

अथ वर्ष लग्नम् ०६॥२७



भावार्थ—मकर लग्न में वर्ष का प्रवेश राजा, प्रजा दोनों के लिए चिंता कारी जानना। लग्न पर मंगल की पूर्ण दृष्टि है। और केन्द्र में राहु, केतु, मंगल का बैठना साख संवत् में कमी करेगा। अष्टम् में हर्षल, प्लूटो का बैठना कोई न कोई विग्रह सामने आता रहेगा। लग्न और लग्नेश को गुरू महाराज देखते हैं। अतः समय २ पर जनता की सुधि लेते रहेंगे।

अथ शनि चार फलम्

श्लोक—अर्क पुत्रो यदा मीने दुर्भिक्षं तत्र रौरवम्।
सागराः सर्व नद्यश्च विनश्यन्ति चतुष्पदाः ॥१॥

भावार्थ—जब मीन राशि पर शनि आवें। तब दुर्भिक्ष से प्रजा को कष्ट हों। वर्षा की कमी तथा अन्न की तेज़ी रहे। गत वर्ष वैसाख मास से मीन का शनि आया था। तभी से तिलहिन नन्नादि पदार्थों में तेज़ी होने लगी। और चातुर्मास में वर्षा की कमी से तेजी आयी।

मध्य प्रदेश में एवं दक्षिण दिशा के देशों में महगाई रहती है। सोना, चांदी, तांबा, जस्ता, स्टील, लोहा आदि धातुओं की तेजी रहे। गेहूँ, चना, ज्वार, बाजरा, उर्द, मूँग, मसूर, गुड़, खाँड़, नमक, वस्त्र, श्री फल, सोंठ, कपूर, जायफल, मेंथी इन वस्तुओं को चार मास रखने के पश्चात् लाभ की प्राप्ति हो।

उत्तरा भाद्रपदा और रेवती नक्षत्र पर घूमता हुआ शनि इस वर्ष को पूरा करेगा। स, द, थ, भ, च अक्षर की वस्तुओं में घटा बढ़ी से तेजी आयेगी। इन अक्षर वाले मनुष्यों और देश, ग्राम नगरों को भी क्षति उठानी पड़ेगी। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र का फल राजाओं के लिए चिंताकारी तथा प्रजा के लिए कष्टकारी जानना ता० २५ जून को रेवती नक्षत्र पर शनि आयेगा। तब से सोना चांदी आदि धातुओं में सरसों, अलशी अरंडा आदि तेल के पदार्थों में तेजी चलने लगेगी। ता० २५ जोलाई से मीन राशि पर शनि का वक्री होना अत्यन्त नेष्ट है। श्रावण कृष्ण पक्ष में शनि का वक्री होना महान उपद्रव एवं उत्पात कारक बतलाया है।

श्लोक--श्रावणे कृष्ण पक्षे च शनिर्वक्री यदा भवेत्।
उत्पातास्तु तदासैयो मास मध्ये न संशय ॥

भावार्थ—ऐसा योग सं० १९९६ तथा सम्वत् २०२३ में भी बना था तब फालेंड के ऊपर चढाई की थी अबकी बार पता चले कि शनि महाराज की चढाई किधर होगी। वक्री के समय जिन वस्तुओं में अधिक तेजी आ चुकी हो फसल के नीचे भावों से तथा वर्ष के नीचे भावों ड्यौढ़े दूने दाम हो चुके हों इन वस्तुओं को तुरन्त बेचकर लाभ उठाना चाहिए। किसी-किसी वस्तु के अन्दर ही दूने दाम हो सकेंगे। क्योंकि अपनी सरकार की इच्छा अधिक तेजी न होने देगी। अधिक तेजी से जनता में रोष फैलता है।

चैत्र शुक्ला ३ ता० १३ अप्रैल को शनि का उदय होगा। अस्त के विपरीत फल करेगा। जिन वस्तुओं में अस्त के समय तेजी आयी होगी, उनमें मंदी आने लगेगी, शनि उदय के पश्चात् श्रावण मास में शनि वक्री का फल खोटा लिख चुके हैं। शनि वक्री के उपरांत मार्गशिर शुक्ला ८ दिनांक ६ दिसम्मर से शनि महाराज मार्गी होंगे। २०-२५ दिन के अंदर जिन वस्तुओं में मंदी का धमाका आये। उनको खरीद लेना आगे लाभ होगा। मीन राशि का शनि सोना चांदी आदि समस्त धातुओं में विशेष घटाबढी किया करता है। दुर्भिक्ष एवं अनावृष्टि से जनता में कष्ट भय की विशेष आशङ्का बनी रहती है। मीन राशि का शनि सिंह एवं धनु राशि वालों के लिए ढय्या के रूप में जिसे लघु कल्याणी पुकारते हैं। चिंता, हानि, परेशानी करता रहेगा। कुंभ, मीन, मेष राशि वालों के लिए बृहत् कल्याणी अर्थात् साढ़े साती के रूप में चिंता हानि परेशानी, अरिष्ट, रोग, भय, शत्रुओं का प्रकोप, गृह कलह, एवं मुकद्दमा आदि खोटे फल करता रहेगा। जिन राशि वालों को शनि ग्रह का प्रकोप हो, उन्हें शान्ति के साथ थोड़ा व्यापार करते हुए समय को संतोष के साथ निकालना चाहिए। अधिक लोभ के कारण खोटी दशा में किया हुआ मोटा व्यापार मोटी हानिकारक हुआ करता है। इससे मनुष्य की प्रतिष्ठा भंग होने का भय रहता है। शनि प्रकोप शान्ति के लिए धनाड्य नर-नारियों को शनिवारी अमावस या शनिबारी संक्रान्ति के दिन अथवा सूर्य, चन्द्रमा के ग्रहण में तुलादान छायादान करना कल्याणकारी रहेगा। और शनि शान्ति के निमित्त, हनुमान-चालीसा, दुर्गा पाठ, धजरंग वाण के पाठ अथवा शमि काण्डी का बेदों का जाप २३००० हजार मन्त्र का जप करने से भी सुख शान्ति प्राप्त होगी, निर्धन और मध्य वर्ग वालों को शनि-

वार के दिन शनिदेव का व्रत छायादान या पीपल का पूजन श्रद्धा भक्ति से करना उत्तम रहेगा- विश्वास और प्रेम से किया हुआ छोटा कर्म भी अधिक कल्याणकारी हुआ करता है। श्रद्धा रहित बिना प्रेम से किये हुए बड़े से बड़े कर्म भी निष्फल हुआ करते हैं। शनि शांति का पुराणोक्त मन्त्र है—

ॐ शं शनैश्चराय नमः।

इस मन्त्र का श्रद्धा भक्ति पूर्वक जप करने से शनि का प्रकोप शान्ति होकर सुख शांति मिलेगी। ऐसा हमारा विश्वास है।

राहु केतु चार फलम्

चैत्र शुक्ला १ से पौष शुकला सं० २०२४ तक राहु मेष राशि पर केतु तुला राशि पर रहेगा जिसका फल यह है—

श्लोक—राहुश्वक्रूर संधेषु यदा मेषे भविष्यति।
दुर्भिक्षं जायते तत्र नात्र कार्या विचारणा॥

भावार्थ—जब राहु मेष राशि पर आये और किसी क्रूरग्रह के साथ बैठा हो तो दुर्भिक्ष खण्ड बृष्टि अनाज गल्ला तिलहन में तेजी रहे। (अन्यश्च)

श्लोक—मीन मेष गते राहौ सुर्भिक्षम् राज विग्रहम्।

भावार्थ—दूसरे आचार्यों के मत से मीन और मेष राशि का राहु दुर्भिक्ष और राज विग्रह कारक होता है अब आगे सं० २०२४ पौष शुकला १२ दिनाङ्क ११ जनवरी सन् १६६८ को रा मीन राशि पर आयेगा।

श्लोक—यस्मिन्न संवत्सरे राहु-मीन राशौ प्रजायते ।
तस्मिन मासे भय विद्यात् प्राग्पूर्णिक समागम: ॥
एवं ज्ञात्वा कर्तव्यो यवान्ना स्याति संग्रह: ।
संग्रह: सर्व धान्या नां लाभो द्विज चतुर्गुण ॥
वर्षमेकं चदुर्भिक्षं रौरवं परिकीर्तितम् ।
प्राप्ते त्रयोदये मासे सुभिक्षं मतुलं भवेत् ॥

भावार्थ--जिस वर्ष राहु मीन राषि का हो जिस मास में राशि पर आवे उस मास में कुछ नवीन भय हो । अथवा किसी उच्चकोटि के अतिथि का आगमन हो । जौ गेहूँ चना आदि सर्व धान्यों का संग्रह करने से उत्तम लाभ होवें एक वर्ष तक दुष्काल के कारण प्रजा को कष्ट हो । सर्वत्र तेजी व्यापे । तेरहवें मास में जाकर घोर सुभिक्ष हो । सर्वत्र मन्दी वालों के जय जय कार हों । या, ठा, रा, दा, था, झा, चा, छ म अक्षरों के ऊपर जिन नर नारी देश ग्राम नगर वस्तुओं का नाम हो उनकी क्षति हो इन वस्तुओं में तेजी रहें । इस वर्ष मेष राशि का राहु सं० २०२४ के पौष मास तक मेष बृष कन्या मकर राशि वालों को चिन्ता हानि से परेशान करता रहेगा । इसी प्रकार तुला राशि का केतु तुला वृश्चिक मीन कर्क राशि वालों को चिन्ता हानि परेशानी दिखाता रहेगा । जनवरी सन् १९६८ के उपरान्त मीन राशि का राहु मीन, मेष, सिंह धन राशि वालों को चिंता हानि से परेशान करता रहेगा । कन्या राशि का केतु कन्या, तुला, कुम्भ और मिथुन राशि वालों को चिता हानि परेशानी दिखायेगा । गत वर्ष मेष और

तुला राशि का फल विस्तार से लिख चुके हैं सन् १९६८ में आने वाली की राशि का सम्बन्ध जूट पाट हैसियन वारदान एवं काली मिर्च नकली रेशम और चांदी जौ चना से विशेष सम्बन्ध रखता है अतः इन वस्तुओं में जब कभी झटका से मंदी आया करें खरीद कर ही काम करना अच्छा रहेगा। राहु केतु की दशा से पीड़ित व्यापारियों को श्रद्धा भक्ति से राहु केतु की शांति के लिए कुछ न कुछ प्रयत्न करते रहना चाहिए सम्पन्न मनुष्यों को शनिश्चर व बुधवार के दिन राहु केतु का दान या तुलादान कर देना चाहिए। राहु केतु के वेदोक्त मन्त्रों का जप कराने से सुख शाँति प्राप्त होगी। निर्धन और मध्य वर्ग के पुरुषों को शनिवार व बुधवार के दिन अर्ध रात्रि के समय चावल और काले उर्दों का मीठा भात बनाकर कुत्ते को खिला देना चाहिए और बुधवार या शनि के दिन मध्याह्न के १२ बजे या रात्रि के १२ बजे गुड़ में थोड़े काले तिल मिलाकर मौन होकर श्यामा गऊ को खिला देना चाहिये। राहु की शांति के लिए (ॐ रं राहवे नमः) और केतु की शांति के लिए (ॐ कें केतवे नमः) इन पुराणोक्त मन्त्रों का श्रद्धा भक्ति से जितना भी अधिक हो सके प्रतिदिन जप करने से अशुभ फल दूर होकर सुख शांति प्राप्त होगी ऐसा हमारा विश्वास है।

गुरु चार फलम्

प्रारम्भ वर्ष से ही गुरु महाराज कर्क राशि में चल रहे हैं जिसका फल इस प्रकार है—

कर्क राशौ गुरु फलम

श्लोक--कर्के गुरु स्तदऽऽषाढे वासरस्तत्रजायते ।
पूर्वं दक्षिणोमेघः मध्यमः कवला मिवः ॥
महर्घं सर्व धान्यानां कार्तिके फाल्गुने तथा ।
पश्चिमायां सिन्धु देशे वायव्ये चोतरादिशि ।
क्षयश्च तुष्पदानां स्याद दुर्भिक्षं मृगसैन्यकम् ।
हेमरुप्यं तथा ताम्रं पट्ट सूत प्रवालकम् ॥
मौक्तिकं द्रव्यमन्नादि लोकोत्म्या लोक विक्रय ।
मंजिष्ठाश्वेत वस्त्राणां समर्घं सुभटक्षयः ॥
गोधूम शालि तलाज्यं लवणांशर्करा पुनः ।
मादा महर्घा जायन्ते पापकर्मरताोजनः ॥
कात्तिकं द्वितये धान्य घृततैल महर्घता ।
पट्टसूत्रं च वस्त्राणि जातिफल लवंगकम् ॥
भरिवं शीत कोलेऽथ संग्राहाणि वणिगूजनैः ।
वैशाख ज्येष्ठयो लाभो द्विगुणस्तस्य विक्रयात् ॥
वर्षा काले महावर्षा सर्वधान्यसमंगता ।
सुभिक्षं तिलकपसि चवकानां गुडस्य च ॥
गोधूम मासतूवरी युगन्धरी मुग्द कोद्रवादीनाम् ।
आषाढे संग्रहतो लाभः पुनरुष्ठागोद्विगुणः ॥

भावार्थ—जब कर्क राशि का गुरु हो उस वर्ष कार्तिक और फाल्गुन में धान्य की तेजी हो पश्चिम सिन्ध वायव्य उत्तर

दिशा के देशों में पशुओं का विनाश हो दुर्भिक्ष का भय हो तेजी व्यापे सोना चांदी वस्त्र सूत मूंग मोती चतुराई से बिकें। मजीठ श्वेत वस्त्र सस्ते हों गेहूँ चावल तैल घी लवण गुड़ खाँड शक्कर उर्दों में तेजी रहें। मनुष्य पापा चरण में लीन हो। कार्तिक मार्गशीर्ष में धान्य घी तेल की तेजी। रेशम वस्त्र जायफल लोंग मिर्च शीतकाल में संग्रह करके बैशाख ज्येष्ठ में बेचने से लाभ हो। चातुर मास के किसी एक मास में वर्षा उत्तम होने से सर्व धान्यों में मन्दी व्यापे। तिल कपास चना गुड़ गेहूँ उर्द मूंग अरहर आदि आषाढ़ में संग्रह करने से दस मास में उत्तम लाभ हो।

श्रावण वदी ५ दिनाँक २६ जौलाई सन १९६७ को गुरु कर्क राशि में अस्त होगा यहां से भी एक मास के अन्दर श्वेत वस्तुओं में अरहर मटरा चना अलसी अरंडा सरसों और चांदी सोना में विशेष घटा वढ़ी निकलेगी इन्हीं वस्तुओं में से किन्हीं तीन वस्तुओं में तेजी भी अच्छी आजावेगी श्रावण सुदी १५ दिनांक २० अगस्त कर्क राशि में गुरु का पूरव में उदय होगा अस्त के विपरीत फल होगा। चलती हुई लाइन वदल जायेगी भाद्रपद शुक्ला ११ ता० १४ सितम्बर को मघा नक्षत्र और सिंह राशि पर गुरु आवेगा। जिसका फल यह है—

श्लोक—सिंहेजीवे श्रावणा ख्यवत्सरे वासुकिर्धनः।
बहु क्षीर भृतागावो जलपूर्णाच मेदिनी ॥
देव ब्राह्मण पूजा स्यान्नराणां मान्यता सताम्।
रोगा विवादाश्चान्योऽन्यं चतुष्पदमहर्घता ॥

म्लेच्छदेशे महायुद्ध छत्रभंगश्च विडवरम् ।
उद्वस: क्रियतेलोका: पश्चिमोतरवायुषु ॥
गोधूमतिलाषा ज्यशालीनां च महर्घता ।
सुवर्ण रूप्य ताम्रादे: प्रवालानां समर्घता ॥
सुभिक्षं सर्पवर्शश्च मेघोऽष्याषाढ़ भाद्रयो ।
श्रावणे वृष्टि रल्पैव सुकाल: कातिक स्मृत: ॥
सोपारीटोपरा डोडा मजीठ सुंठि खारिका ।
पट्टकूले जातिफलं कपूरं सुमहर्घम् ॥
उष्णकाले गुड: खण्डाहिंगुमाश्री च शर्करा ।
महर्घमेतद् वस्तु स्याद् धान्य स्वाति समर्घता ॥
स्कन्दकैर्दशभिर्लभ्या गोधूमा मरा संमिता ।
धान्यकर्पासतैलादि रस संग्रहणं शुभम् ॥
फाल्गुनेऽन्न ततो ज्येष्ठाद् लाभोद्विगुणत: परम् ।
गुरौ सूर्य गृहेप्राप्ते सर्वत्र धार्मिकोदयं ॥

भावार्थ—जिस वर्ष सिंह राशि में गुरु आवे उस वर्ष वासुकी नाम मेघ वर्षता है। जल की पुष्टि उत्तम हो। गऊयें दूध अधिक दें। धर्म का उदय। रोग की वृद्धि। परस्पर में कलह। पशुओं की तेजी। म्लेच्छ देशों में भयंकर युद्ध छत्र भंग और विपल्व हो। गेहूं तिल उर्द घी चावलों में तेजी हो।

सोना चाँदी तांवा मूंग आदि सस्ते हों। तेजी कम मन्दी विशेष व्यापे। आषाढ़ और भाद्रपद में वर्षा, श्रावण में स्वल्प वृष्टि। कार्तिक में सुकाल। सुपारी खोपरा, मक्का, मजीठ, सौंठ पोस्त रेशमी वस्त्र जायफल कपूर में मन्दी आवें। ग्रीष्म ऋतु में गुड़ खांड शक्कर मिसरी हींग आदि वस्तु तेज हों। और धान्य में सस्ताई रहें धान्य तिलहन कपास तेल आदि रसादि पदार्थों का फाल्गुन में संग्रह करने से ज्येष्ठ मास तक उत्तम लाभ हो। पौष कृष्ण दिनाक २३ दिसम्बर को सिंह राशि पर गुरु वक्री होगा।

सिंह राशौ गुरु वक्र फलम्

श्लोक—सिंह राशिगतोजीवो विकारं कुमते यदा।
सुभिक्षं क्षेम मारोग्यं सर्वलोका प्रहर्षिता॥
सर्वधान्यानि संग्रह्य तुला भाण्डानि यानिच।
गतेषु नव मासेषु पश्वाद विक्रय मादिशेत॥

भावार्थ—सिंह राशि पर गुरु वक्री होवे तो सुभिक्ष क्षेम आरोग्य लोग प्रसन्न हों। सब धान्य तिलहन आदि पदार्थ और धातुओं के वर्तनों का संग्रह करने से उत्तम लाभ हो। गुरु वक्री के समय भी एक मोटी लाइन निकला करती है व्यापार में मोटा परिवर्तन हुए बिना नहीं रहता। गुरु मार्गी आगे सं० २०२५ के वैशाख मास से होगा। कर्क राशि का गुरु तुला कुम्भ मिथुन राशि वालों के लिए और सिंह राशि का गुरु कन्या मकर वृष राषि वालों के लिए द्रव्य हानि रोग पीड़ा

शत्रु भय आदि अशुभ फल करता रहेगा। अशुभ राशि वालों को गुरु ग्रह की शांति के लिए गुरुवार के दिन व्रत करना चाहिए। और केला के वृक्ष का पूजन हल्दी और चना की दाल से करना चाहिए। चना बेसन के लड्डू मिष्ठान भोजन दही बूरा चीनी और फल का सेवन श्रेष्ठ होगा। गुरु के व्रत में लवण युक्त पदार्थ का भोजन करना वर्जित है। धनी पुरुषों को गुरुवार के दिन केले के वृक्ष के समीप बैठार कर बेसन के लड्डू अथवा पीले रंग का मिष्ठान और दही बूरा से ब्राह्मण को तृप्त भोजन कराकर पीले वस्त्र में यथा शक्ति स्वर्ण की दक्षिणा बांधकर देने से गुरु दशा का अशुभ फल दूर होकर सुख शांति प्राप्त होती है। गुरु ग्रह शाँत करने के लिए सभी व्यक्तियों के पुराणोक्त गुरु मन्त्र (ॐ वृं वृहस्पतयेनमः) का श्रद्धा भक्ति पूर्वक यथा शक्ति जप करते रहना चाहिए।

हर्षल (वरुण) विचार

प्रारम्भ वर्ष से ही हर्षल पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र और सिंह राशि पर वक्री था। गत वर्ष ता० ३० दिसम्बर सन् १९६६ को वक्री हुआ। इस अवसर पर गुड़ खांड तेल तिलहन पदार्थों में अथवा सोना चांदी अरहर मसूर के अन्दर मन्दी का अच्छा धमाका आजाय तो खरीदने वाले एक मास के अन्दर अच्छा लाभ उठायेगे। हर्षल का प्रभाव लाल रंग के पदार्थों पर और अलसी आदि तिलहन पदार्थों पर हर्षल के नक्षत्र के चरणों का परिवर्तन भी व्यापार में मोटी लाइन निकालता है। ज्येष्ठ बदी ६ ता० २९ मई सन् १९६७ को हर्षल सिंह राशि पर मार्गी

होगा यहां से भी तीन चार दिन के अन्दर मन्दी तेजी धमाके की निकलेगी। सावधानी के साथ व्यापार करना आई हुई मन्दी साहस के साथ खरीदने वाले आगे अच्छा लाभ उठायेंगे। आगे भाद्रपद कृष्णा ६ दिनांक २६ अगस्त को हर्षल कन्या राशि में पधारेंगे। यहां से भी व्यापार के अन्दर मोटी लाइन निकलेगी। हर्षल और शनि का प्रतियोग समसप्तम् बनना प्रारम्भ होगा। जिससे युद्ध आदि भय प्रजा में आतंक और उपद्रव सुनायी देंगे यह समय व्यापार में बड़ी सावधानी का है। राशि परिवर्तन से एक दिन पहले साप्ताहिक पाक्षिक मासिक गली फर्क नजराना लगाने वाले उत्तम लाभ उठायेंगे। रसादि पदार्थ धान्य आदि पदार्थ और तिलहन आदि पदार्थों में मोटी तेजी निकलेगी। अरहर चना मटर मसूर और दाल वाने में एक मास के अन्दर अच्छी तेजी लायेगा। हर्षल ग्रह की तेजी मन्दी जोरदार निकला करती है। अतः व्यापारियों को हर्षल की राशि परिवर्तन और नक्षत्र के चरण परिवर्तन और वक्री मार्गी के समय मोटी घटा बढ़ी निकलेगी ऐसा विचार कर अपने व्यापार को सुधारते रहना चाहिए। हर्षल ग्रह को पाप ग्रहों में माना गया है। मकर कुम्भ शनि की दोनों राशियां इसकी राशि मानी जाती हैं। और हर्षल एक राशि पर सात वर्ष रहता है। तीन वर्ष में एक नक्षत्र का भोग करता है।

नैपचून (इन्द्र) विचार

सं० २०२३ फाल्गुन वदी १ दिनांक २५ फरवरी सन १९६७ को बिशाखा नक्षत्र वृश्चिक राशि में नैप्चून वक्री होगा। एक मास के अन्दर सभी वस्तुओं में भारी घटा बढ़ी निकलेगी। बैशाख वदी ५ सं० २०२४ ता० २६ अप्रैल

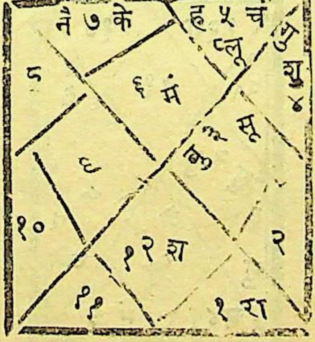
सन १९६६ का वक्री होते हुए तुला राशि पर आया यहां से भी गुड़ खांड रसादि पदार्थों में स्वर्ण आदि धातुओं में एवं तिलहन पदार्थ और लाल रंग के पदार्थों में मन्दी का जोरदार धमाका आकर फिर आगे भयानक तेजी आयेगी। दिनांक ३ अगस्त सन १९६७ श्रावण वदी १२ को नैपच्यून तुला राशि पर मार्गी होगा। यहाँ से भी व्यापार में मोटी लाइन निकलेगी। १ सप्ताह के अन्दर जिन वस्तुओं में मन्दी का धमाका आजाय उनको खरीद लेना दो मास के अन्दर ही लाभ हो जायगा। कातिक वदी १२ सं० २०२४ ता० ३० अक्टूबर को पुनः वृश्चिक राशि पर आजायेगा। यहां से भी भारी परिवर्तन होना पाया जाता है। नैपच्यून ग्रह के वक्री मार्गी नक्षत्र के चरण परिवर्तन और राशि के परिवर्तन में जोरदार तेजी मन्दी हुआ करती है इस समय व्यापारियों को अपना व्यापार सावधानी से सुधारना चाहिए। ज्योतिर्विज्ञान वेत्ताओं ने गुरु ग्रह की धनु और मीन राशि को इस ग्रह की राशि मानी है। इस ग्रह को सुख ग्रह मानते हैं। यह ग्रह एक राशि पर ११ वर्ष ३ माह तक रहता है। और ५ वर्ष में एक नक्षत्र का भोग करता है।

प्लूटो (यम) विचार

प्लूटो ग्रह सम्पूर्ण वर्ष पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चरण पर सिंह राशि में घूमता रहेगा। पू० फा० नक्षत्र अन्नादि पदार्थ तिलहन वाना और दाल वाना से विशेष सम्बन्ध रखता है। और सिंह राशि गुड़ खाँड शक्कर अलसी अरहर मसूर मटरा से विशेष सम्बन्ध रखती है। अतः इन वस्तुओं में जब जब मन्दी के धमाके आवें तब तब खरीद कर काम करने वाले व्यापारी अच्छा लाभ उठायेंगे। सं० २०२३ मार्गशीर्ष शुक्ला

९ दिनांक २१ दिसम्बर सन १९६६ को सिंह राशि पर प्लूटो वक्री होगा। यहां से चार पांच दिन के अन्दर व्यापार में भारी घट बढ़ निकलेगा गुड़ खांड़ शक्कर सोना चांदी अरहर मटरा मसूर के अन्दर मन्दी का धमाका आने पर खरीदना अच्छा है। सं० २०२४ ज्येष्ठ वदी ७ दिनांक २३ मई सन १९६७ को इसी राशि पर प्लूटो मार्गी होगा। यहां से भी व्यापार में एक मोटी लाइन निकलेगी व्यापारियों को सोच समझ कर व्यापार करना चाहिए। इस ग्रह का वक्री मार्गी राशि परिवर्तन और नक्षत्र का चरण परिवर्तन भी व्यापार में भारी उथल पुथल किया करता है। यह ग्रह मन्दी से तेजी तेजी से मन्दी लाया करता है इसके मन की बात कोई जान नहीं सकता। हर्षल नैपचून प्लूटो इन तीनों ग्रहों की तेजी मन्दी जब ग्रहों की अपेक्षा जोरदार आया करती है। तभी हमको अपनी पुस्तक में इन ग्रहों की आवश्यकता प्रतीत हुई इनका ध्यान रखते हुए व्यापारी लोग अपना व्यापार सुधारते रहें। और तीनों ग्रहों के फला देश से अपना अनुभव बढ़ाते हुए भारी हानि की लपेट से अपनी रक्षा कर सकें। प्लूटो ग्रह एक राशि पर २१ वर्ष रहता है। ९ वर्ष में एक नक्षत्र का भोग करता है। इस ग्रह की गणना ज्योतिर्विज्ञान वेत्ताओं ने पाप ग्रहों में मानी है।

बर्षा की जन्म कुण्डली ०५।।१३



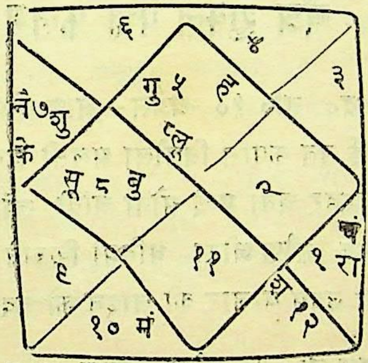
वर्षा की कुण्डली के ग्रह योगों को देखते हुए लाभ स्थान में बैठे हुए दोनों ग्रह शुक्र और गुरु पूरव, उत्तर के प्रान्तों में अति वृष्टि से कृषि को हानि पहुँचायेंगे। लग्नेश बुध, सूर्य के हाथ केन्द्र में बैठा हुआ है। इससे वर्षा सर्वत्र होगी। परन्तु सप्तम स्थान में शनि और व्यय स्थान में हर्षल, प्लूटो का बैठना अंतिम अनावृष्टि के कारण पश्चिम, दक्षिण के कई प्रान्तों में वर्षा का अभाव कर देगा। जिससे कि साख संवत ठाक पार न पड़ेगा। ता० २२ जून से पूर्वीय और दक्षिणीय एवं मध्य प्रदेश में वर्षा होना प्रारम्भ हो जायगा। ता० ६ जौलाई से पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश पूर्वीय उत्तर प्रदेश में वर्षा अच्छी होगी। अगस्त मास में खंड वृष्टि का योग है। सितम्बर मास में ता० ८ सितम्बर तक अच्छी वर्षा होना पाया जाता है।

शारदीय धान्य पत्रिका १०।२७



शरद ऋतु में उत्पन्न होने वाले धान्यों की कुण्डली के ग्रह योग अच्छे नहीं पाये जाते है। धन स्थान में शनि सप्तम् में हर्षल प्लूटो अष्टम में मंगल ये चारों ही पापग्रह अतिवृष्टि के कारण कृषि को हानि पहुँचाते हुए उपज को कम करेंगे। कर्क का गुरु लग्नेश शनि को पूर्ण पूर्ण दृष्टि से देख रहा है। अतः कार्तिक फसल बिगड़ते हुए भी रुपए में नौ आने भर हो जायगी। पंजाब में फसल कुछ अच्छी आने की आशा है। ज्वार, बाजरा, मक्का, ग्वार को उपज साधारण होगी। सनबीज, कपास, मूंग, मौठ, उरद अच्छे होंगे।

ग्रीष्पिक धान्य पत्रिका ०४।।२५



ग्रीष्म ऋतु में आने वाले ग्रह दोनों को देखते हुए जौ, चना, गेहूँ, मटर, लाहा, सरसों, मसूर की उपज साधारण होना पाया जाता है। अलसी और अरहर की उपज कहीं अधिक

तथा कहीं बहुत कम होगी। सन १९६८ के अन्दर अलसी की उपज एक दम इतनी बढ़ जायगी कि अलसी के अन्दर ४०) ५०) कुन्टल की मोटी मन्दी आना पाया जाता है। जीरा, सोंफ, धनिया और हल्दी की उपज गत वर्ष की भांति सामान्य रहेगी। अष्टम में शनि ओले पाले से हानि करेगा।

श्लोक—श्री गणेशं नमस्कृत्य गुरुदेवं च शारदाम्।
ज्योतिष शास्त्रा नुसारेण वक्ष्यामि वार्षिकं फलम्॥

दोहा—गुरु गणेश जगदम्बिका शारद कूँ शिरनाय।
संवत्सरका शुभाशुभ फल अब लिखूँ बनाय।१।

संबत २०२४ का मासिक फला देश प्रा०

चैत्र शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १ चन्द्र० ता० १० अप्रैल—आज दोपहर को पंचक समाप्त होंगे रुई सूत कपास बिनौला अलसी अरण्डा तेज गल्ला जौ चना गेहूं अरहर चना मन्दे सोना चांदी खांड गुड़ शक्कर चावल हल्दी तेज सौफ जीरा धनियां किराने की सफेद वस्तु मन्दे। शनि का उदय बाजार की लाइन को बदलेगा।

सुदी २ मंगल ता० ११ अप्रेल —आज चन्द्र दर्शन मुहूर्त १५ दक्षिण श्रृंगी अग्नि मंडल में होगा जिसका फल १ मास के अन्दर अलसी अरण्डा सरसों लाहा तिल तैल तोरीया बेजोटेविल गुड़ खांड शक्कर चावल अरहर चना मसूर तेज होंगे शेष वस्तुओं में सामान्यतया मन्दी रहेगी।

सुदी २ बुधवार ता० १२ अप्रैल—तिथि वृद्धि तीन दिन के अन्दर सभी वस्तुओं में घटा बढ़ी अच्छी करेगी तेजी के उछालों में बेचकर खरीदना अच्छा है। आज १ बजे की मन्दी में माल लेकर २४ घंटे में बेच देना।

सुदी ३ गुरु ता० १३ अप्रैल—आज मेष की संक्राति ४५ मुहूर्ता रात्रि के ५ बजे भू मंडल में लगेगी संक्रांति के १ मास में लाल पीली वस्तुओं में मन्दी का धमाका आकर तेजी आयेगी धान्य भाव मन्दे होंगे तिल तेल सरसों अलसी घी वेजीटेविल रुई सूत कपास में तेजी आयेगी यहां से यह देखना है कि पहले १५ दिन में जिन वस्तुओं में मन्दी आजाय खरीद लेना। घटा बड़ी दोतरफा चलेगी।

सुदी ४ सुक्र ता० १४ अप्रैल—आज का दिन घटा बढ़ी का रहेगा मन्दी से तेजी और तेजी से मन्दी आयेगी मन्दी के झटका में खांड गुड़ शक्कर चावल रुई रेशम कालीमिर्च पाट वारदाना अलसी अरंडा सरसों खरीदना अच्छा रहेगा।

सुदी ५ शनि ता० १५ अप्रैल—आज शनिवार का होना अनाज गल्ला तिलहन तिल तेल वेजीटेविल अरहर मटरा में ७ दिन के अन्दर घटा बढी के साथ तेजी लायेगा अलसी अरंडा सरसों के भाव भी बढेंगे।

सुदी ६ रविवार ता० १६ अप्रैल—आज अवकाश का दिन है।

सुदी ७ चंद्र ता० १७ अप्रैल—रोहिणी पर शुक्र आया रुई बस्त्र कपास बिनौला में साधारण मन्दी आकर तेजी

आयेगी। अलसी, अरंडा, सरसों, लाहा, तिल, तोरीया, अरहर मटरा, गुड़, खांड़, शक्कर तेज होंगे। आज का दिन तेजी कारक रहेगा।

सुदी ८ मंगल ता० १८ अप्रैल—आज का दिन दोतरफा घटा बढ़ी कारक रहेगा। ११-१२ बजे की तेजी में माल बेचने से लाभ होगा। शाम को खरीद लेना। बिका न छोड़ना।

सुदी ९-१० बुधवार ता० १९ अप्रैल—तिथि का क्षय यहां से १५ दिन में अच्छी घटा बढी निकलेगी। जिन वस्तुओं में मन्दी आयी हो उनका खरीदना अच्छा है। आज घटा वढी से शाम तक तेजी आयेगी कन्या पर भौम

सुदी ११ गुरुवार ता० २० अप्रैल—मंगल जी लौट कर फिर कन्या राशि पर आये गुड़ खांड शक्कर सोना चांदी अलसी में कोई मोटी लाइन निकलेगी। बाजार की चाल देखकर अपना व्यापार सुधारना चाहिये। चलती हुई चाल में परिवर्तन होगा।

सुदी १२ शुक्र ता० २१ अप्रैल-रेवती पर बुध आया चांदी सोना में मंदी का झटका आकर मंदी आयेगी। आज का दिन घटा बढी से मंदी कारक रहेगा।

सुदी १३ शनि ता २२ अप्रैल-आज का दिन घटाबढी से तेजी कारक रहेगा। २-२½ बजे तक जिन वस्तुओं में मंदी आवे उन्हें खरीदना। अलसी अरंडा लाहा सरसों अरहर मटरा तेज होंगे। शेष वस्तुओं में साधारण मंदी।

सुदी १४ रवि० ता० २३ अप्रैल-आज अवकाश है !

सुदी १५ चंद्र० ता० २४ अप्रैल-आज चित्रा नक्षत्र का होना अनाज गल्ला में मंदी का झटका लायेगा। मंदी में १ बजे के करीब माल खरीदना ही चांस है।

चैत्र शुक्ल पक्ष का सारांश

इस पक्ष में मंगलवार का चंद्र दर्शन रुई अलसी लाहा सरसों खांड़ गुड़ शक्कर में तेजी अवश्य लायेगा। ता ११ अप्रैल से व्यापार की चाल में परिवर्तन होने लगेगा। ता० १२ की शाम से अलसी अरंडा सरसों लाहा की तेजी आने लगेगी ता० १६ अप्रैल तक जिन वस्तुओं में तेजी आ जाय उनको थोड़ी नफा के लिए बेचना अच्छा है। ता० ११, १२, १५, १७, १६, २०, २४ अप्रैल को तेजी मंदी नजराना लगाना अच्छा रहेगा। इस पक्ष में घटाबढी से मोटी लाइन निकलेगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १० से १२ अप्रैल तक मंदी। ता० १३ से १५ तक तेज ता० १७ से २० तक मंदी। ता० २१ से २४ अप्रैल तक तेज।

नोट—इस पक्ष में धातुवाने में घटाबढी से तेजी आने का ग्रहयोग है। ता० १२, २० अप्रैल खरीदने का अच्छा दिन है।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १० से १३ अप्रैल तक मंदी। ता० १४ से २० तक घटाबढी से तेजी। ता० २१ से २४ तक साधारण मंदी रुई मजबूत रहेगा।

नोट—इस पक्ष में रुई वायदा तथा हाजिर में घटाबढो से तेजी रहेगी। ता० १३, १८ में खरीदना अच्छा है।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० १० से १३ अप्रैल तक तेज। ता० १४ से १७ तक मंदो। ता० १८ से २० तक तेज। ता० २१ से २४ तक रुख मजबूत बना रहेगा।

नोट—ता० १२, १८, २२ अप्रैल खरीदने का अच्छा दिन है। इस पक्ष में गुड़ में २) खांड़ में ३) की तेजी का योग है।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० १० से १२ को दोपहर तक मंदी में खरीदना। ता० १२ की शाम से १७ तक घटाबढी के साथ तेजी आयेगी। ता० १८ की मंदी में शाम को खरीदना। ता० २० की तेजी में बेचकर ता० २२ के २ बजे तक खरीदना २४ तक लाभ होगा।

नोट—ता० १२, १८, १२ अप्रैल खरीदने का अच्छा दिन है।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १० से १२ अप्रैल तक मंदे। ता० १३ से १४ तक तेज। ता० १५ से १७ तक घटाबढो से मंदा। ता० १८, १९ में तेज। ता० २०, २१ में मंदे होकर २२ से २४ तक साधारण तेजी।

नोट—इस पक्ष में तेजी के उछालों में बेचकर काम करना।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १० से १२ तक मंदी में खरीदना। ता० १२ की शाम से १३ की शाम तक तेजी में बेचना ता० १४, १५ की मंदी में खरीदो। ता० १७ से १९ तक तेजी। ता० २० से २१ मंदी। ता० २२ से २४ तक तेज।

नोट- मंदी के लिए २) कुन्टल तेजी के लिए ४) ५) मान लेना।

पाट बारदाना हैसियन

ता० १० से १३ तक तेज। ता० १४ से १७ तक मंदी। ता० १८ से २० तक तेज। ता० २१ से २४ तक बाजार सामान्य।

नोट—१२, १८, २४ में खरीदना अच्छा है।

घृत तैल वेजीटेबिल किराना

ता० १० से १२ तक मंदे। १३ से १५ तक तेज। ता० १६ से १९ तक भाव मजबूत रहेंगे ता० २० से २४ तक घटाबढी से मंदी।

नोट—तेल, अलसी, तेल मूँगफली खरीदने के लिए ता० १५ १७, २२ अप्रैल अच्छे हैं। ता० १९ से जीरा धनियां मिर्च हल्दी तेज।

चैत्र शुक्ल पक्ष की शकुनावली

(१) ता० १४ अप्रैल में रोहिणी नक्षत्र का होना धान्य चावल में तेजी लायेगा।

(२) ता० १६ अप्रैल में आर्द्रा नक्षत्र का होना धान्य की उत्पत्ति कम करेगा। और श्रावण में वर्षा होगी।

(३) चैत्र शुक्ल पक्ष में तिथि वृद्धि होना और तिथि का क्षय होना यह दोनों योग इस संवत् के अन्दर धान्य तिलहन और तेलों के भावों में दो तरफा घटाबढी करते रहेंगे। दो बार अच्छी मंदी आयेगी तो दो बार अच्छी तेजी भी आयेगी।

गृहों की युक्तियां

(१) ता० १०-४-६६ को चन्द्र सूर्य की युति रात्रि के ४ बजे लगेगी इसका फल सभी वस्तुओं में तेजी कारक जानना।

(२) ११-४-६७ शाम के ६ बजे चन्द्र राहु युति तिल तेल तिलहन काली वस्तु तेज।

(३) १३-४-६७ दिन के ११ बजे चन्द्र शुक्ल की युति धान्य गल्ला तिलहन तेल घृत मंदे।

(४) १७-४-६७ रात्रि के ११॥ बजे चन्द्र गुरु युदि मंदी कारक।

(५) १८-४-६७ दिन के १० बजे बुध शनि युति तेजीकारक।

(६) २१-४-६७ रात्रि के ६॥ बजे चन्द्र हर्षल युति मन्दी से तेजी।

(७) २३-४-६७ रात्रि के ११ बजे २४ घंटे में तिल तेल तिलहन किराना अलसी सोना चांदी में तेजी लायेगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष का विशेष योग

(१) ता० ११ का मंगलवार चन्द्र दर्शन १ मास में तिल तेल तिलहन अरहर मसुर अलसी सोना चांदी तेज।

(२) ता० १९ अप्रैल मंगल और शनि का प्रतियोग सभी वस्तुओं में मोटी लाइन निकालने वाला है। व्यापार का रुख देखिए बाजार किधर जाता है।

चैत्र शुक्ल पक्ष का मौसम

ता० १२, १९, २० अप्रैल में बादल वायु वर्षा का योग है। पूरब उत्तर दिशा में कहीं कहीं ओला के साथ वृष्टि होगी। छोटे बालकों के लिए मौसम रोग कारक रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष का राशि फल

मेष राशि वालों को पहला सप्ताह लाभकारी दूसरा चिन्ताकारी रोगकारी रहेगा।

बृष राशि वालों को पहला सप्ताह साधारण लाभकारी दूसरा सप्ताह स्वल्प लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशि वालों को ता० १८ अप्रैल तक नफा मिलती हो तो पक्की करना। ता० १९ से चिन्ता लाभ कम।

कर्क राशि वालों को ता० १९ अप्रैल तक चिन्ता हानि ता० २० से लाभ प्रारम्भ चिन्ता घटेगी।

सिंह राशि वालों को ता० १९ तक अच्छा लाभ ता० २० से लाभ कम चिन्ता अधिक रहेगी।

कन्या राशि वालों को इस पक्ष में लाभ कम चिन्ता विशेष रहेगी।

तुला राशि वालों को इस पक्ष में लाभ कम चिन्ता हानि विशेष किसी से कलह होगा।

बृश्चिक राशि वालों को ता० २० तक चिन्ता हानि परे- शानी रहेगी। ता० २१ से समय लाभकारी आयेगा।

धनू राशि वालों को लाल काली सफेद वस्तु से लाभ चित्त को किसी प्रकार से प्रसंन्नता होगी ।

मकर राशि वालों को पहला सप्ताह स्वल्प लाभकारी रहेगा दूसरे सप्ताह में उत्तम लाभ होने की आशा है ।

कुम्भ राशि वालों को ता० १८ तक समय साधारण लाभकारी रहेगा ता० १६ से चिन्ता हानि कष्ट ।

मीन राशि वालों को ता० १९ अप्रैल तक चिन्ता हानि परेशानी । ता० २० से चिन्ता घटेगी लाभ होने लगेगा ।

चैत्र शुक्ल पक्ष बृतादि निर्णय

सुदी १ चन्द्र० १० अप्रैल-नूतन संवत सरारंभ नव रात्रारंभ
सुदी ३ गुरु ता० १३ अप्रैल-गन गौरी तृतीया बृतम्
आज ही मेष संक्रान्ति पुण्य दिनम्
सुदी ८ मंगल १८ अप्रैल-दुर्गाष्टमी दुर्गा ९ बृतम्
सुदी ९ बुध १९ अप्रैल-श्री राम बृतम् वैष्णवानाम्
सुदी ११ गुरु २० अप्रैल-कामदा ११ बृ० स्मार्तानाम्
सुदी १२ शुक्र २१ अप्रैल-कामदा ११ वृ० वैष्णवानाम्
सुदी १३ शनि २२ अप्रैल-शनि प्रदोष बृ०
सुदी १५ चंद्र २४ अप्रैल-सत्यबृत १५ बैसाख स्नान प्रा०

बैसाख कृष्ण पक्ष फलम्

बदी १ मंगल ता० २५ अप्रैल-खुलते बाजार अलसी अरंडा लाहा, सरसों, गुड़, खांड़, सोना, चांदी, किराना खरीदने से शाम तक लाभ हो जायगा । इस मास में लाल वस्तुओं में अधिक घटाबढ़ी होते हुए सोना, तांवा अलसी, अरंडा, लाहा. सरसों के भाव तेज होंगे ।

बदी २बुध ता० १६ अप्रैल-आज का दिन मंगल से विपरीत रहेगा। बाजार तेज खुलेंगे और मंदे बंद होंगे। लाहा, अलसी, सरसों तेल, बिनौला, सोना, चांदी तेज होकर मंदे होंगे।

बदी ३ गुरु ता० २७ अप्रैल-भरणी का सूर्य और उ० भा० ४ शनि सभी वस्तुओं में घटाबढी अच्छी करेगा जिन वस्तुओं में १॥ बजे तक मन्दी आजाय उनको खरीदना, शाम तक लाभ हो जायगा। यहाँ से ७ दिन में घी तेल बेजीतेविल तेज होंगे।

बदी ४ शुक्र ता० २८ अप्रैल-मृगे शुक्र मेषे बुध योग का क्षय घी तेल में तेजी लायेगा। सोना, चांदी. मोती, मूंगा माणिक्य और इमीटेशिनों में तेजी आयेगी, धान्य, गल्ला, तिल-हन धनियां, जोरा, सौंफ, रुई मन्दे।

बदी ५ शनि ता० २६ अप्रैल-यहां से एक सप्ताह में घटबढ होते हुए अनाज, गल्ला, लाहा, सरसों, तिल, तोरिया, अलसी अरंडा, वेजोटेविल सोना, चाँदी तेज होंगे, मन्दी के झटका जब भी आयें माल खरीदने वाले लाभ उठायेंगे।

बदी ६ रवि ता० ३० अप्रैल-आज अवकाश है।

बदी ७ चंद्र ता० १ मई-पुण्ये १ गुरु अनाज, गल्ला, मटरा, अरहर, लाहा, सरसों, अलशी, अरंडा, तिल, तेल बेजीटेविल, रूई, पाट, वारदाना, काली मिर्च, रेशम, वस्त्र, बिनौला तेज होंगे आज का दिन घटाबढी का रहेगा।

बदी ८ मंगल ता० २ मई-यहां से १० दिन में १ मोटी लाइन निकलेगी। सप्ताह की तेजी मन्दी लगाना लाभकारी रहेगा। रुई, पाटवारदाना, चांदी, शेयर मन्दे होंगे। अन्य वस्तुओं में घटाबढी रहेगी। शाम के ७ बजे पंचक प्रारम्भ होंगे।

बदी ९ बुध ता० ३ मई-घी, तेल, बेजीटेविल, लाहा, सरसों अलसी, अरंडा, अरहर, मटरा, तेज गेहूं, जौ, चना, धनियाँ,

सौफ, काली मिर्च मन्दे यहां से घृत और बेजीटेविल में अधिक घटाबढी चलने लगेगी।

बदी १० गुरु ता० ४ मई-मिथुने शुक्रः रुई, सूत, कपास, चांदी, खांड़, गुड़ मन्दे। अलसी, अरंडा, सीगदाना, बिनौला, लाहा, सरसों, अरहर, मटरा, चना, गेहूं मन्दे। अन्य वस्तुओं में तेजी रहेगी।

बदी ११ शुक्र ता० ५ मई-भरणी पर बुध अलसी, लाहा, सरसों में मन्दी का झटका लाकर तेजी लायेगा। अनाज गल्ला अरहर, चना. मटरा मन्दे। गुड़, खांड़, शक्कर, सोना, चादी तेज।

बदी १२ शनि ता० ६ मई-आज का दिन दो तरफा घटाबढ़ी का रहेगा। शुक्रवार के विपरीत आज शनिवार का बाजार चलेगा।

बदी १३ रवि ता० ७ मई-आज अवकाश है। पंचक समाप्त।

बदी १४ चन्द्र ता० ८ मई-आज से ३। दिन में सभी वस्तुओं में घटाबढी के साथ तेजी आयेगी। मन्दी के झटका में खरीद कर बेचना अच्छा है।

बदी ३० मङ्गल ता० ९ मई-मङ्गलवारी अमावश कोई न कोई नया दंगल उठायेगी। प्रजा में बीमारी का प्रकोप। दक्षिण दिशा में क्रान्ति कलह कान्ड। लाहा, सरसों, अलसी, घी, तेल बेजीटेविल, चना, मौठ, मसूर, अरहर, मटरा, उर्द, मूंग, जीरा सौंफ तेज होंगे।

बैसाख शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १ बुध ता० १० मई-हस्त पर मङ्गल आर्द्रा पर शुक्र सोना, चांदी लाल पीले रंग के पदार्थ गुड़ खांड़ शक्कर उर्द

मूँग, मिर्च काली, लाल, पीली अरहर मटरा अलसी सरसों रुई वस्त्र कपास पाट वारदाना शेयर्स तेज होंगे। अन्य वस्तुओं में मन्दी।

सुदी २ गुरु ता० ११ मई-कृतिका पर सूर्य बुध अगस्त जी का तारा अस्त आज ही चन्द्र दर्शन मुहूर्त ४५ दक्षिण श्रृंगी भूमण्डल में होगा। जिसका फल दो दिन के अन्दर वायदे की वस्तुओं में मन्दी का धमाका आकर फिर आगे तेजी आयेगी। तेजी के उछालों में वेचकर खरीद लेना।

सुदी ३ शुक्र ता० १२ मई-आज अक्षय तृतीया में मृगषिर नक्षत्र का होना दुर्भिक्ष तेजी कारक माना गया है। कई प्रान्तों में धान्य की कमी के कारण तेजी का ताण्डव नृत्य होगा। मन्दी का धमाका आया हो तो माल संग्रह करना आगे लाभदायक रहेगा!

सुदी ४ शनि ता० १३ मई-बृष पर बुध आया आज का दिन घटाबढी से तेजी कारक रहेगा। चांदी, सोना, गुड़ खाँड़ शक्कर, चावल अरहर चना मटरा अलसी सरसों में तेजी आयेगी।

सुदी ५ रवि ता० १४ मई-आज बृष की संक्रान्ति मु० ४५ वायु मण्डल में रात्रि के ४ बजे लगेगी। १ मास के अन्दर गुड़ खांड़ शक्कर किराने की लाल वस्तुओं में अलसी सरसों अरहर में तेजी लायेगी। सोना चांदा तांबा पाट वारदाना के भाव भी तेज होंगे। इस संक्रान्ति के पहले आठ दिन साधारण मन्दी कारक रहेंगे। पिछले २२ दिन में सभी वस्तुओं में तेजी लायेगी। कहीं कहीं पूर्वोत्तरीय देशों में अथवा सीमा के सन्निकट युद्ध भय होने की आशंका है। गर्मी प्रचंड पड़ेगी जिससे प्रजा में रोगा बृद्धि हो।

सुदी ६ चंद्र ता० १५ मई-रुई पाट वारदाना मटरा जौ गेहूँ मन्दे । अलसी सरसों अरंडा तेल मूँगफली उर्द मूँग मसूर अरहर घी तेल बेजीटेबिल बिनौला तेज ।

सुदी ७ मंगल ता० १६ मई-रुई पाट वारदाना काली मिर्च रेशम तेज । अलसी अरंडा सीगदाना बिनौला लाहा सरसों घी तेल किराना तेज होंगे अन्य वस्तुओं में साधारण मन्दी ।

सुदी ८ बुध ता० १७ मई-रोहिणी पर बुध रुई वस्त्र कपास सोना चांदी में कुछ मन्दी आयेगी । गेहूँ चना ज्वार बाजरा मक्का मन्दी । लाहा सरसों अलसी अरंडा तिल तेल तेज ।

सुदी ९ गुरु ता० १८ मई-आज का दिन बुधवार के विपरीत रहेगा । बाजार तेज खुलें तो माल बेचकर शाम के ४ बजे खरीदना अच्छा है ।

सुदी १० शुक्र ता० १९ मई-आज का दिन अच्छी घटाबढी का रहेगा । मन्दी का झटका आवे तो माल खरीदना शनिवार में लाभ हो जायेगा । श्वेत और काली वस्तुओं में तेजी आयेगी ।

सुदी ११ शनि ता० २०मई-आज का दिन घटाबढी से तेजी कारक रहेगा । मन्दी के झटका में माल खरीद कर शाम को बेचना चाहिए । सोना चांदी धातुवाना में कुछ मन्दी आयेगी ।

सुदी १२ रवि ता० ११ मई-आज अवकाश है ।

सुदी १३-१४ चन्द्र ता० २२ मई तिथि क्षय सभी वस्तुओं में तेजी लायेगा । गुड़ खांड शक्कर चावल गेहूँ जौ चना उर्द मूँग मसूर अरहर मटरा अलसी अरंडा सींगदाना सरसों लाहा तेज । रुई पाट बिनौला सौफ जीरा मन्दे । पुनः शुक्रः

सुदी १५ मंगल ता० २३ मई—पश्चिम में बुध का उदय रुई पाट बारदाना रेशम काली मिर्च में तेजी का उछाला। अलसी सरसों लाहा तेल वेजीटेबिल कुछ तेज होकर मन्दे होंगे। चांदीं सोना में दोतरफा घटा बढी चलेगी।

बैशाख मास का सारांश

इस मास में पाँच मंगलवार पड़े हुए हैं। मौसम गर्म रहेगा गर्मी प्रचंड पड़ेगी। वदी पक्ष में हवा और आंधी तूफान से कई स्थानों में हानि होगी। सोना चांदी ताँबा अलसी अरंडा सरसों अरहर चना मसूर गुड़ खांड शक्कर चावल के भावों में काफी उलट फेर होगा। अन्तिम परिणाम तेजी कारक रहेगा। घटे भावों में खरीदकर तेजी में बेचकर नफा खाते रहें। ता० २८ अप्रैल से लाहा सरसों अलसी अरंडा तेज होने लगेंगे ता० २ मई से जूट पाट बारदाना रुई सोना चांदी में मन्दी का झटका आयेगा। ता० ६, १३ मई माल खरीदने का अच्छा दिन है यहाँ से अनाज गल्ला तिलहन घी तेल वेजीटेबिल अलसी सरसों लाहा अरहर मटरा तेज होने लगेंगे। ता० २८-३० अप्रैल ७, ६ १२, १३, १५, २०, २२, २३ मई के दिन घटा बढी अच्छी होगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० २५ से २७ तक मन्दे। ता० २८ से २६ तक तेज। ता० १ से ३ मई तक मन्दे। ता० ४ से ८ तक तेज। ता० ६ से ११ तक मन्दे। ता० १२ से १६ तक तेज। ता० १७ से १६ तक मन्दे। ता० २० से २३ तक तेज।

नोट—इस मास चांदी में ६) ७) सोना में ८) ९) की तेजी आने का योग बनता है। ता० ३, ११ मई खरीदने का अच्छा दिन है।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० २५ अप्रैल से २९ अप्रैल तक १ मोटी लाइन निकलेगी। वायदा रुई में २०) घट जाय तो खरीदना ता० १ मई से ३ तक तेज। ता० ४ से ६ तक मन्दी। ता० ७ से १० तक तेज। ता० ११ से १४ तक मन्दी।

ता० १५ से १७ तक तेज। ता० १८ से २२ तक मन्दी। ता० २३ मई से तेजी आयेगी। (नोट) रुई वायदे में २०) की मन्दी और ३०) की तेजी। सूत कपड़ा की तेजी १ बार २० मई पर समाप्त हो जायगी।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० २५ से २८ अप्रैल तक मन्दी में खरीदना ता० २९ से ४ मई तक तेजी। ता० ५ से ८ तक मन्दी ता० ९ से ११ मई तक मन्दी में खरीदना ता० १३ से १८ तक तक तेज। ता० १९ से २१ तक मन्दे। ता० २२ से तेज

नोट—इस मास में ६) ७) कुण्टल की घटा बढ़ी निकलेगी। जब भी २) की मन्दी का झटका आवे खरीदलें। ता० २९ अप्रैल १२ मई में खरीदो

अरहर चना मटरा मसूर

ता० २५ से २८ तक मन्दे। ता० २९ अप्रैल से ३ मई तक तेज। ता० ४ से ६ तक मन्दे। ता० ८ से ९ तक तेज ता० ०

११ की मन्दी में खरीदना ता० १२ से १७ तक तेज। ता० १८ से २० तक मन्दे। ता० २२ से २३ तक तेज।

नोट—गल्ले की मन्दी ता० २८ अप्रैल या १३ मई पर समाप्त हो जायगी। यहां से खरीददारों को आगे ५) ७) की तेजी मिलेगी।

अलसी अरंडा सींगदाना

ता० २५ अप्रैल से २६ तक तेज। ता० २७ से २८ तक मन्दी। ता० २९ से ३ मई तक तेज। ता० ४ से ६ तक मन्दी। ता० ८ से ९ तक तेज। ता० १० से १२ तक मन्दी। ता० १२ से १६ तक तेज। ता० १७ से १९ तक घटा बढी तेज होकर मन्दी। ता० २० से २२ तक मन्दी। ता० २३ की शाम को बेचना।

नोट—आगे मन्दी अवश्य आयेगी।

घृत तल वेजीटेबिल किराना

ता० २६ अप्रैल में खरीदकर ता० ३ मई को बेचना। ता० १२ मई को खरीदकर ता० २० मई में बेच देना।

नोट—वदी पक्ष में तेजी में बेचना सुदी की मन्दी में खरीदना अच्छा है।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० २५ अप्रैल से ३० तक तेज। ता० १ से ४ मई तक मन्दे। ता० ५ से १० तक तेज। ता० ११-१२ मन्दे। ता० १३ से २९ मई तक तेज।

नोट—इस मास गुड़ में ४) कुन्टल खाँड में ७) की तेजी का योग बनता है।

बैशाख मास की शकुनावली

(१) बैशाख में ५ मंगल रोग युद्ध भय वर्षा कम तेजी कारक है।

(२) ता० २९ अप्रैल को शनिवार आठ दिन में तेजी लायेगा।

(३) ता० ७ मई में रविवार गल्ला तिलहन गुड़ खांड सोने की तेजी कारक

(४) अमावस में मंगल और भरणी नक्षत्र वर्षा कम रोग बृद्धि हो।

(५) अक्षय तृतीया में मृगशिर नक्षत्र का होना स्वल्प वृष्टि धान्य तिलहन खांड गुड घृत में तेजी कारक। किसी खण्ड में दुर्भिक्ष हो।

बैशाख मास में ग्रहों की युतियां

ता० २६–४–६७ दिन के १॥ बजे चन्द्र केतु की युति मन्दी से तेजी लावे।

ता० २८–४–६७ प्रातः ८ बजे सूर्य राहु की रुई पाट रेशम मन्दे।

ता० ५–५-६७ दिन के १॥ बजे बुध राहु युति लाहा सरसों अनाज मन्दे।

ता० ६–५–६७ दिन के १॥ बजे चन्द्र शनि युति गल्ला तिलहन खाँड तेज।

ता० ८-५-६४ रात्रि के ९ बजे चन्द्र राहु युति घटा बढी से तेजो लायेगी।

ता० ९-५-६७ दिन के २।। बजे चन्द्र बुध युति इसी दिन रात्रि के ८।। बजे चन्द्र सूर्य की युति गुड़ खांड सोना चांदी अलसी अरंडा तेज करेगी।

ता० १३-५-६७ दिन के १२।। बजे चन्द्र गुरु युति रुई चांदी मन्दी तिलहन तेल

ता० १५-५-६७ दिन के ११।। बजे चन्द्र गुरु युति गल्ला मन्दा सोना चाँदी तेज।

ता० १९-५-६७ रात्रि के ५ बजे चन्द्र हर्षल युति सभी वस्तु तेज।

ता० २०-५-६७ दिन के ११ बजे चन्द्र केतु युति दोतरफा घटा बढ़ी तेजी लाकर मन्दी लायेगी।

वैशाख मास का विशेष योग

(१) ता० २९ अप्रैल में नैप्चून तुला में आया तीन दिन में मोटी घट बढ़

(२) ता० ८ मई में मंगलवार १५ दिन में गुड़ खांड स्वर्ण तेज होंगे।

(३) ता० ११ मई कृतिका में सूय गर्मी अधिक कहीं वर्षा हो। तेल वाना तेज।

वैशाख मास का राशिफल

मेष राशि वालों को अशान्ति अधिक रहेगी। थोड़ा काम करने से लाभ अधिक काम करने से हानि। मास का पहला

तीसरा चौथा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी दूसरा कुछ लाभ कारी।

वृष राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह चिन्ता कारी हानिकारी दूसरा तीसरा लाभ कारी चौथा सन्तान पक्ष से चिन्ता कारी रहेगा।

मिथुन राशि वालों को इस मास ईश्वर कृपा से लाभ हो जाय तो लाभ को लेकर सतोष करना। लेना आपका मुश्किल से पड़ेगा। चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी

कर्क राशि वालों को इस मास का पहिला तीसरा चौथा सप्ताह लाल सफेद और काली वस्तु से लाभ कारक रहेगा। दूसरा सप्ताह चिन्ता कारी हानि कारी है संतोष से निकालें

सिंह राशि वालों को आर्थिक चिंता विशेष बनी रहेगी शांति और संतोष के साथ थोड़ा काम करने से थोड़ा लाभ हो सकता है। अधिक काम से अधिक हानि हो।

कन्या राशि वालों को शारीरिक एवं स्त्री पक्ष में चिंता रहेगी मास का पहिला चौथा सप्ताह लाभकारी। दूसरा तीसरा चिंता युक्त व्यतीत होगा।

तुला राशि वालो को शांति संतोष से वायदे का काम थोड़ा ही करना अच्छा है। मोटा व्यापार करने से मोटी हानि और परेशानी पड़ेगी।

वृश्चिक राशि वालों को इस मास लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ रहेगा। मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभ कारी। पहिला चौथा साधारण चिन्ता कारी रहेगा।

धनु राशि वालों को इस मास पीली काली वस्तु से हानि

लाल सफेद वस्तु से काम चिन्ता युक्त स्वल्प लाभ का योग है। तीसरा चौथा सप्ताह लाभ कारी रहेगा।

मकर राशि वालों को इस मास काली पीली हरी वस्तु से लाभ लाल वस्तु से हानि का योग है। दूसरा तीसरा सप्ताह लाभ कारी। पहिला चौथा हानि कारी।

कुम्भ राशि वालों को अशान्ति अधिक रहेगी। कहीं से अशुभ समाचार सुनने में आयेंगे लाभ स्वल्प खर्चा हानि विशेष समय को संतोष से निकालिये।

मीन राशि वालों को शारीरिक चिन्ता स्त्री को कष्ट काली वस्तु से हानि लाल पीली सफेद वस्तु से लाभ तीसरा चौथा सप्ताह लाभ देकर जायेगा।

वैशाख मास का वृतादि निर्णय

वदी ३ गुरु २७ अप्रैल—श्री गणेश ४ वृतम्

वदी ११ शुक्र ५ मई—वरुथनी ११ वृतम् सर्वेषाम्

वदी १२ शनि ६ मई—शनि प्रदोष वृतम्

वदी ३० मंगल ९ मई—अमावस्या पुण्य दिनम्

सुदी ३ शुक्र १२ मई—अक्षय ३ श्री परशुराम जयन्ती

सुदी ६ चन्द्र १५ मई—वृष संक्रांति पुण्य दिनम्

सुदी ७ मंगल १६ मई—श्री गंगा सप्तमी

सुदी ११ शनि २० मई—मोहिनी ११ वृतम् सर्वेषाम्

सुदी १२ रवि. २१ मई—प्रदोष वृतम्

सुदी १३ चन्द्र २२ मई—नृसिंह १४ वृतम्

सुदी १५ मंगल २३ मई—सात्य व्रत पूर्णिमा

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ बुध० ता० २४ मई—मृगे बुधः मन्दी का धमाका लाकर तेजी करेगा। रुई चांदी गल्ला तिलहन अरहर मटरा चना पाट वारदाना मन्दे होंगे। यहां से सभी वस्तुओं में घटा बढी जोरदार निकलेगी। आलू कंदमूल साक सब्जी प्याज तेज होंगे।

वदी २ गुरु ता० २५ मई—रोहिणी में सूर्य दिन १४ में स्वच्छ धूप पड़े तो चौमासा अच्छा हो। बादल वर्षा का होना वर्षा की कमी करता है। जोरदार मन्दी का धमाका आजाय तो शाम को माल खरीदना अच्छा है।

वदी ३ शुक्र ता० २६ मई—मंगल मार्गी वक्री के समय जिन वस्तुओं में मन्दी आयी थी वे आगे तेज होने लगेंगी दो मास के अन्दर सभी वस्तु माल में तेजी आजायगी। आज भी माल खरीदने का अच्छा मुहूर्त है।

वदी ४ शनि ता० २७ मई—मिथुन में बुध रुई चांदी में मन्दी लायेगा। अनाज गल्ला तिलहन अलसी अरंडा लाहा सरसों घी तेल वेजीटेबिल तेज होंगे। किसी विख्यात मनुष्य का निधन होगा। शनिवारी ४ वर्षा की कमी दुर्भिक्षभय रोग शोक संताप की वृद्धि।

वदी ५ रवि० ता० २८ मई—आज अवकाश है।

वदी ६ चन्द्र ता० २९ मई—हर्षल मार्गी ३-४ दिन के अन्दर मोटी घटा बढी निकलेगी। जिन वस्तुओं में मन्दी का धमाका आजाय तीन दिन में खरीद लेना। गुड़ खांड शक्कर लाहा

सरसों अरहर मटरा तेज होंगे। रात्रि को पंचक प्रारम्भ। फल मन्दी से तेजी।

वदी ७ मंगल ता० ३० मई—रुई पाट वारदाना रेशम काली मिर्च दाल चीनी १ बजे से मन्दे होंगे। सरसों लाहा अनाज गल्ला अलसी अरंडा तेल वेजीटेविल तेज।

वदी ८ बुध ता० ३१ मई—रुई चांदी सोना धातुवाना मन्दे अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला तेज तिलहन तेज। जूट पाट हैसियत गुड़ खांड शक्कर में शाम के ३ बजे से तेजी आयेगी। कर्क में शुक्र रेवती से शनि

वदी ६ गुरु ता० १ जून—आर्द्रा में बुध अरहर चना मटरा अनाज गल्ला धान चावल मसूर लाहा सरसों तिल तेल अरंडा अलसी गुड़ खांड शक्कर तेज होंगे शेष वस्तुओं में साधारण मन्दी।

वदी ११ शुक्र ता० २ जून—आज अच्छी तेजी आयेगी। खुलते बाजार माल खरीदने से शाम के ४ बजे तक लाभ हो जायेगा। अलसी अरंडा लाहा सरसों विनौला घी तेल वेजी-टेविल मूंगफली तेज होंगे।

वदी ११ शनि ता० ३ जून—शाम की मन्दी में माल खरी-दना प्रातः बाजार तेज खुलकर फिर मन्दी आयेगी तेजा में वेचकर मन्दी में खरीद लेना।

वदी १२ रवि० ४ जून—आज अवकाश है। पंचक समाप्त

वदी १२ चन्द्र ५ जून—तिथि वृद्धि सभी चीजों में तेजी लायेगी खुलते बाजार माल खरीदकर शाम को बेच देना। रुई

अलसी अरंडा मूंगफली अरहर मटरा चना मसूर सरसों लाहा धान चावल गुड़ खांड शक्कर तेज होंगे ।

वदी १३ मगल ता० ६ जून—गुड खांड शक्कर धान चावल अलसी सरसों में अच्छी तेजी आयेगी शेष वस्तुओं में साधारण तेजी होगी। आज का दिन घटा बढी से तेजी कारक रहेगा ।

वदी १४ बुध ता० ७ जून—रुई पाट वारदाना स्वर्ण तेजी से मन्दे होंगे। चांदी पीतल तांवा अनाज गल्ला तिलहन में साधारण मन्दी आयेगी। अलसी अरंडा सरसों काली वस्तुओं में तेजी होगी।

वदी ३० गुरु ता० ८ जून—अमावश गुरुवार की सस्ताई चाहती है। किन्तु गुरु शुक्र को युति होने वाली है। यह २० दिन के अन्दर पूरव उत्तर दिशा में उपद्रव एवं दुर्घटनाओं से जनता में चिन्ता पैदा करेगी। हवा आंधी तूफान के साथ असमय की वर्षा तेजी को प्रोत्साहन देगी।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १ शुक्र ता० ९ जून-आज चन्द्र दर्शन मु० १५ दक्षिण श्रृङ्गी वारुण मंडल में होगा जिसका फल १ मास के अन्दर रुई सूत कपास सोड़ा लवण घृत बेजीटेविल चाँदी गुड़ खांड़ शक्कर चावल आदि श्वेत वस्तुओं में तेजी कारक रहेगा।

सुदी २ शनि ता० १० जून-पुनर्वसु में बुध अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला सरसों लाहा तिल तोरिया तेज अरहर चना मटरा चावल गुड़ खांड़ तेज। शेष वस्तुओं में साधारण मंदी रहेगी।

सुदी ३ रवि ता० ११ जून-आज अवकाश है।

सुदी ४ चन्द्र ता० १२ जून-पुष्य में गुरु अनाज गल्ला अरहर मटरा सरसों लाहा अलसी अरंडा गुड़ खांड़ शक्कर में मन्दी का धमाका लायेगा ३० घंटे में जिन वस्तुओं में मन्दी आये उनको खरीदना।

सुदी ५-६ मंगल ता० १३ जून-तिथि का क्षय सभी वस्तुओं में तेजी अच्छी लायेगा। चित्रा में मंगल दिन के १२ वजे के बाद सभी वस्तुओं में तेजी लायेगा। विशेष कर तिल तेल वाना और दालवाना सभी प्रकार के धान्यों में तेजी आयेगी।

सुदी ७ बुध ता० १४ जून-प्रातः बाजार मन्दे रहें तो माल खरीदकर शाम को बेचना ४ बजे तक लाभ हो जायेगा। बन्द घंटी पर पुनः मन्दी आयेगी।

सुदी ८ गुरु ता० १५ जून-आज मिथुन की संक्रान्ति वा० ५ न० ६ मु० ३० वायु मंडल में दिन के ६॥ बजे लगेगी। १ मास के अन्दर बाजार दोतरफा घटाबढी से चलता रहेगा। इस संक्रान्ति के १० दिन मन्दी कारक और २० दिन तेजी कारक रहेंगे लाल पीली वस्तुओं में तेजी आयेगी। सोना चांदी जस्ता पीतल मन्दी का झटका आयेगा। अरहर चना ग्वार मटरा मसूर अलसी अरंडा मूँगफली लाहा सरसों में घटाबढी से तेजी आयेगी। गुड़ खांड शक्कर के भावों में २) मन की मन्दी का झटका आकर फिर तेज होंगे। दालवाना में अच्छी तेजी रहेगी। वायु मंडल का फल भावों को डमाडोल करता रहेगा।

सुदी ९ शुक्र ता० १६ जून-अलसी अरंडा बिनौला मूँगफली अरहर चना मटरा सरसों लाहा गुड़ खांड़ चावल शाम तक तेज। सोना चांदी रुई काली मिर्च मन्दे।

सुदी १० शनि ता० १७ जून-आज का दिन घटाबढी से मंदी कारक रहेगा। दिन के २ बजे से शाम के ५ बजे तक मन्दी आने पर माल खरीदना।

सुदी ११ रवि ता० १८ जून-आज अवकाश है।

सुदी १२ चंद्र ता० १९ जून-आज अच्छी तेजी आयेगी थोड़ी नफा के लिए तेजी में माल बेचना अच्छा है जूट पाट हैसियन बारदाना चांदी सोना तेज होंगे।

सुदी १३ मंगल ता० २० जून-गुड़ खांड़ शक्कर धान चावल अनाज गल्ला दालवाना तिलहन तेज होकर शाम को मन्दे।

सुदी १४ बुध ता० २१ जून-आज का दिन अच्छी घटाबढी का रहेगा। पहले तेजी आकर शाम को फिर माल खरीदना।

सुदी १५ गुरु ता० २२ जून-आर्द्रा पर सूर्य स-स्त्री पु०७ चं० सू० वाहन चातक १३ दिन के अन्दर वर्षा पूर्वोत्तरीय प्रदेश पंजाब राजस्थान और मध्य प्रदेश में होना पाया जाता है। कहीं-कहीं भारी वर्षा से बीज बौमिनी के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। धान्य तिलहन गुड़ खांड़ सोना चांदी तेज होकर मन्दे होंगे।

ज्येष्ठ मास का सारांश

इस मास में पांच बुधवार और पांच गुरुवार पड़े हैं। बुधवारों का फल तेजी कारक गुरुवारों का फल मन्दी कारक अतः मासफल घटाबढी कारक रहेगा। ता० २७, २९ मई में अनाज गल्ला सरसों लाहा अरहर मटरा चना गेहूँ अलसी अरंडा मूँगफली के खरीदने वालों को इसी मास में लाभ हो जायेगा। ता० ९ और १२ जून के खरीददारों को भी अवश्य लाभ होगा

गुड़ खांड शक्कर चावल में भी तेजी आयेगी सोना चांदी रुई पाट में दोतरफा घटाबढी चलती रहेगी मन्दी में खरीदकर तेजी में बेचते रहना ता० २४, २६, २७ मई और ता० २, ३, ६, ९, १०, १२, १५, १७, १९ जून के दिन घटाबढी अच्छी निकलेगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० २४-२५ की मन्दी में खरीद कर ता० १-२ जून में बेचना। ता० ८ जून में खरीद कर ता० १२ में बेचना। ता० १३ से १७ जून तक मन्दी आकर १८ से २२ जून तक तेजी आयेगी।

नोट—इस मास ता० २६, ३१ मई में खरीदने से १४ जून तक लाभ अवश्य हो जायेगा।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० २४ से २६ मई तक मन्दे। ता० २७ से ३१ मई तक तेज। ता० १ से ७ जून तक मन्दे। ता० ८ जून से १३ जून तक तेज। ता० १५ से २२ जून तक दोतरफा घटाबढी होकर रुख मन्दी का रहेगा।

नोट—इस मास रुई वायदे में १५) की मन्दी आकर २०) की तेजी आना पाया जाता है। कपड़े के भावों में कुछ मुलायमी रहेगी। ता० २८ मई या ६ जून से हाजिर रुई में भी तेजी आने का योग बनता है।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० २४ से २६ तक मन्दी के झटका में खरीदना। ता० २७ से २ जून तक अवश्य तेजी आयेगी। ता० ३ से ८ जून तक घटाबढी के साथ बाजार मजबूत बना रहेगा। ता० ९ से १४

जून तक अच्छी तेजी। ता० १५-१६ में घटाबढी से मन्दी। ता० १७ से १६ तक तेज। ता० २०-२१ की मन्दी में फिर से खरीदना।

नोट—इस मास सरसों लाहा में कम से कम ५) ६) कुन्टल की तेजी आ जायेगी। इससे अधिक तेजी भी आ सकती है। ता० २७ मई और १२ जून में खरीदो।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० २४ से २७ मई तक मन्दी में खरीदना। ता० २८ से २ जून तक तेजी। ता० ३ से ५ जून तक मन्दी। ता० ६ से ६ जून तक तेज। ता० १० से १२ तक मन्दी। ता० १३ से १८ तक तेज। ता० १६ से २३ तक मन्दी का रुख रहेगा।

नोट—इस मास में भी मन्दी के झटका आते हुए गुड में २) मन खांड में ४) ५) मन की तेजी होना पाया जाता है। ता० २७ मई और ८ जून खरीदने का अच्छा रहेगा।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० २४ से २७ तक अथवा २६ मई तक मन्दी के झटका में माल संग्रह कर लेना। यहां से फिर तेजी उठेगी वह तेजी ता० १५ जून तक ४) ५) कुन्टल की आ सकती है इसके पश्चात ता० १५ से १७ जून तक मन्दी का झटका आयेगा। इसमें फिर खरीदना। ता० १६ से २१ तक घटबढ होते हुए बाजार का रुख मजबूत बना रहेगा।

नोट—इस मास की २७ और २६ मई और ता० ३, ६, १२ जून खरीदने के लिए अच्छी रहेगी।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता २४ मई से २७ मई तक वायदा बाजार में मन्दी का झटका आते ही अलसी अरंडा खरीद लेना । ता० २ जून ३) ४) कुन्टल की तेजी । ता० ३ से ५ तक साधारण मन्दी । ता० ६ से ७ तक तेजी में बेचना ता० ८ से ११ तक मन्दी । ता० १२ की शाम को खरीदो । घटाबढी के साथ १५ तक तेज । ता० १६ से १९ तक बाजार का रुख मजबूत । ता० २० से २२ तक एक दिन तेज मन्दे ऐसे चलेगा ।

नोट—अलसी और मूँगफली में अच्छी तेजी इससे कम अरंडा में जानना । बिनौला में साधारण तेजी आयेगी ।

पाट बारदाना हैसियन

ता० २५ मई से २ जून तक तेज । ता० ३ से ८ जून तक मन्दे होकर तेज । ता० ९ से १५ जून तक तेज । ता० १६ से २२ जून तक दोतरफा घटाबढी चलती रहेगी । ता० २७ मई और ९ जून के खरीददारों को लाभ होगा ।

घृत तैल वेजीटेबिल किराना

ता० २६ मई से २ जून तक तेज । ता० ३ से ५ तक मंदे । ता० ६ से ९ जून तक तेज । ता० १० से १२ तक मंदे । ता० १३ से १७ जून तक तेज । ता० १८ से २२ जून तक मंदा होकर तेज ।

नोट—तेल अलसी में इस मास घटाबढी के साथ २) की तेजी । तेल मूँगफली ५) मन की तेजी । वेजीटेविल में २॥)

३) टीन की तेजी का अनुमान है । किराने में जीरा सोंफ धनियां हल्दी ता० २७ मई से तेज होने लगेंगे । लाल पीली श्वेत वस्तुओं में तेजी होना पाया जाता हैं ।

ज्येष्ठ मास की शकुनावली

ता० २४ मई में बुधवार का होना रोग शोक सन्ताप की वृद्धि किसी खंड में दुर्भिक्ष का भय । अल्प बृष्टि । अनाज तिल-हन तेज ।

ता० ३ जून में रेवती नक्षत्र का होना । अल्प वृष्टि धान्य की तेजी लायेगा ।

ता० ९-१० जून में वर्षा हो तो आगे वर्षा स्वल्प अनाज तिलहन तेज ।

ता० १७ जून में शनिवार का होना प्रजा को कष्ट व्याकु-लता अलसी अरंडा अनाज गल्ला सरसों लाहा तेज होंगे ।

ता० २२ जून में यदि वर्षा हो तो चातुर मास में वर्षा कम होगी अनाज गल्ला तिलहन गुड़ खांड़ शक्कर तेज रहेंगे ।

ज्येष्ठ मास में गृहों की युतियां

ता० २-६-६७ रात्रि के १॥ बजे चन्द्र शनि युति अरहर मटरा चना लाहा सरसों अलसी अरंडा तेल दालवाना तेज करेगी ।

ता० ५-६-६७ रात्रि के १ बजे चन्द्र राहु युति मंदा लाकर तेजी ।

ता० ८-६-६७ दिन के ११ बजे चन्द्र सूर्य की युति तेजी लायेगी ।

ता० ६-६-६७ शाम के ७। बजे गुरु शुक्र की युति २३ दिन के अन्दर युद्ध कान्ड कलह काण्ड असमय वर्षा से तेजी लायेगी।

श्वेत और पीली वस्तुओं में अधिक फेरफ़ार होगा।

ता० १०-६-६७ दिन के ११॥ बजे चन्द्र बुध युति मंदी में माल खरीदने को कह रही है। फालतू बेचान न करना।

ता० १२-६-६७ रात्रि के १ बजे चन्द्र गुरु युति ता० १२ में मंदी लाकर उसी दिन तेजी प्रारम्भ कर देगी।

ता० १५-६-६७ दिन के ११ बजे चन्द्र हर्षल युति तेजी से मंदा लायेगी।

ता० १७-६-६७ दिन के १० बजे चन्द्र भौम युति दो दिन में तेजी लायेगी।

ता० १९-६-६७ शाम के ४ बजे चन्द्र युति अलसी अरंडा तेज होंगे।

ज्येष्ठ मास का विशेष योग

ता० २४ मई को बुधवार का होना निश्चय ही तेजी लाता है। शीतकाल में अच्छी तेजी आती है। वस्तु मात्र में।

ता० २८ मई को हर्षल मार्गी होगा तेजी मंदी दो तरफा गली लगा दें मोटी घटाबढी निकलेगी। मंदी में खरीदना।

ता० ३१ मई कर्क का शुक्र १ मास के अन्दर रुई चांदी में विशेष घटाबढी करेगा। तेजी में रुई बेचना और मन्दी में चांदी खरीदना।

ता० ९ जून में शुक्रवार का चन्द्र दर्शन गुड़ खांड़ शक्कर चावल तिलहन दालदाना में तेजी लायेगा।

ज्येष्ठ मास का मौसम

इस मास का मौसम भयानक रहेगा। हवा आंधी तूफान से हानि के समाचार मिलेंगे। छोटे बच्चों में बीमारी का प्रकोप होगा। ता० २९ मई ता० ४, १२, १५, १८, २० जून में वायु बादल के साथ कई स्थानों में वर्षा होना पाया जाता है।

ज्येष्ठ मास का राशि फल

मेष राशि वालों को इस मास काली पीली वस्तु से हानि लाल और सफेद वस्तु से लाभ। मास का पहिला दूसरा सप्ताह लाभकारी। तीसरा चौथा चिन्ताकारी हानिकारी रहेगा।

बृष राशि वालों को इस मास काली वस्तु से हानि होगी। लाल वस्तु से थोड़ा लाभ होगा। कठिन परिश्रम करने पर भी मोटा लाभ होना नहीं पाया जाता। मास का दूसरा तीसरा सप्ताह श्रेष्ठ।

मिथुन राशि वालों को इम मास लाल वस्तु से हानि होगी चित्त को अशान्ति रहेगी। किसी से कलह होगी मास का पहिला दूसरा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी रहेगा।

कर्क राशि वालों को सफेद लाल पीली वस्तु से लाभ होगा मास का पहिला दूसरा तीसरा सप्ताह लाभकारी रहेगा।

सिंह राशि वालों को इस मास पैसे की चिन्ता अधिक रहेगी। शारीरिक चिन्ता और स्त्री पक्ष से चिन्ता रहेगी मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभकारी। पहिला चौथा नेष्ट।

कन्या राशि वालों को इस मास रोग शान्ति की चिन्ता बनी रहेगी। मास का दूसरा तीसरा सप्ताह साधारण लाभकारी पहिला चौथा व्ययकारी हानिकारी रहेगा!

तुला राशि वालों को अधिक परिश्रम करने पर भी मोटा लाभ हो नहीं सकता थोड़ा व्यापार करने से थोड़ा लाभ हो सकता है। मासका दूसरा तीसरा सप्ताह अति नेष्ट।

बृश्चिक राशि वालों को लाल काली पीली वस्तु से लाभ कोई प्रसन्नता की बात सुनायी देगी। मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभकारी रहेगा।

धनु राशि वालों को इस मास राजद्वार से भय किसी काले मनुष्य से भय। लाभ साधारण होगा। मास का पहिला तीसरा सप्ताह लाभकारी। दूसरा चौथा नेष्ट।

मकर राशि वालों को इस मास यात्रा से लाभ होगा काली वस्तु से हानि। लाल पीली वस्तु से लाभ। मास का पहिला चौथा सप्ताह श्रेष्ठ दूसरा तीसरा सप्ताह नेष्ट।

कुंभ राशि वालों को अधिक परिश्रम होते हुए भी मोटा लाभ होना नहीं पाया जाता। मास का पहिला दूसरा तीसरा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी चौथा लाभकारी।

मीन राशि वालों को सन्तान पक्ष से प्रसन्नता रहेगी शारीरिक चिन्ता बनी रहेगी। मास का पहिला तीसरा सप्ताह लाभकारी। दूसरा चौथा साधारण।

ज्येष्ठ मास का वृतादि निर्णय

बदी ३ शुक्र २६ मई-श्री गनेश ४ बृतम्

बदी ११ शनि ३ जून-अपरा ११ बृतम् स्मार्तानाम्

बदी १२ रवि ४ जून-अपरा ११ बृतम् वैष्णवा नाम्

बदी १२ चन्द्र ५ जून-सोम प्रदोष बृतम्

बदी १४ बुध ७ जून-पितृ कर्मणि अमावश
बदी ३० गुरु ८ जून-देव कर्मणि ३० बट पूजनम्
सुदी ८ गुरु १५ जून-मिथुन संक्रान्ति पुण्य दिनम्
सुदी १० शनि १७ जून-गंगा दशहरा
सुदी ११ रवि १८ जून-निर्जला ११ वृतम् सर्वेषाम्
सुदी १२ चंद्र १९ जून-सोम प्रदोष वृतम्
सुदी १४ बुध २१ जून-चंद्र बृ० १५ सत्य बृत १५
सुदी १५ गुरु २२ जून-स्नान की १५

आषाढ़ कृष्ण पक्ष फलम्

बदी १ शुक्र ता० २३ जून-रुई सूत कपास अलसी अरंडा तेज। अरहर मटरा चना मसूर घी तेल बेजीटेविल सोना चांदी मंदे। धातुवाने में इस मास अधिक उलट फेर होगा शेयर मार्केट में तेजी आयेगी। गुड़ खांड चावल तेज।

बदी २ शनि ता० २४ जून-आज का दिन शुक्रवार के विपरीत रहेगा। दिन के ३ बजे पश्चात् वायदा मार्केट में मन्दी का झटका आयेगा।

बदी ३ रवि ता० २५ जून-अवकाश है।

बदी ४ चंद्र ता० २६ जून-पंचक प्रारंभ बुध वक्री रुई गुड खांड शक्कर चावल चांदी सोना जस्ता शेयर मार्केट में तेजी रहेगी। घी तेल बेजीटेविल अलसी अरंडा मूँगफली सरसों लाहा तिल तोरिया अरहर मटरा मसूर में अच्छी घटाबढी निकलेगी : मंदी का झटका आकर तेजी आयेगी। रुई चांदी जस्ता गुड खांड शक्कर आयरन शेयर तेज।

बदी ६ बुध ता० २८ जून- आज का दिन अच्छी घटाबढी का रहेगा। कई वस्तुओं में अच्छी तेजी आयेगी। अनाज गल्ला

में मन्दी का झटका आयेगा। पुष्य ४ में गुरु पीली वस्तुओं में घटावढी से मंदी लायेगा।

वदो ७ गुरू ता० २९ जून– आज बाजार तेज खुलेंगे शाम को मंदे बन्द होंगे। तेजी में बेचकर शाम की मंदी में खरीदने वाले लाभ उठाऐंगे।

वदी ८ शुक्र ता० ३० जून—बुध पश्चिम में अस्त। सिंह में शुक्र। रूई चांदी सोना जस्ता घी तैल तिलहन दालवाने में मंदी का झटका आकर तेजी होगी। बादल अधिक होंगे किन्तु प्रचंड वायु के वेग से छिन्न भिन्न होते रहेंगे।

वदी ९ शनि ता० १ जुलाई—प्रातः ८ बजे पंचक समाप्त होंगे। फल २० दिन के अन्दर मोटी घटाबढी निकलेगी। तैल तिलहन दालवाना गुड़ खाड़ शक्कर चावल गेहूँ चना घृत वेजीटेविल में तेजी की गति बढने लगेगी।

वदी १० रवि ता० २ जुलाई—आज अवकाश है।

बदी ११ चंन्द्र ता० ३ जुलाई -आज का दिन भी अच्छी घटाबढी का रहेगा आयी हुई मंदी में माल संग्रह करने वाले आगे लाभ उठाऐंगे। रूई चांदी कपड़ा मिल शेयरों में १॥ मास के अन्दर काफी घटावढी होकर मंदो पायी जाती है।

वदी १२ मंगल ता० ४ जुलाई—तुला में मंगल दो मास तक रहेगा। भारी उथल पुथल के साथ गुड़ खांड़ शक्कर गेहूँ गल्ला घृत तैल वेजीटेविल में तेजी होना पाया जाता है। और भी कोई विचित्र घटना घटने वाली है सावधानी से चलिये।

वदी १३ बुध ता० ५ जुलाई—यहां से १० दिन में एक मोटी लाइन निकलेगी सप्ताह की तेजी मंदी गली नजरां लगाने वाले सात दिन में लाभ उठाऐंगे । यहां तक जिन वस्तुओं में मंदी का धमाका आया हो । उनका संग्रह करना लाभदायक रहेगा । लायन बदलेगी ।

वदी १४ गुरु ता० ३ जुलाई—पुर्नवसु में सूर्य सं० स्त्री पु० चं० शु० वा० ख० वर्षा कहीं अधिक कहीं कम अच्छी वर्षा हुई तो अनाज गल्ला तिलहन में कुछ मंदी आसकती है । बाजार का रुख और वर्षा पानी का हाल देखकर चलिए ।

वदी ३० शुक्र ता० ७ जुलाई - शुभवार की अमावश कहीं कहीं अच्छी वर्षा करेगी । किन्तु सिंह का शुक्र वर्षा को हटाता रहेगा मंदी के झटका में माल खरीदने से लाभ । अगर यहां से मंदी भी आयी तो पीछे जल्दी समाप्त हो जायेगी ।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १ शनि ता० ८ जुलाई—चाँदी सोना रुई सूत वस्त्र पाट वारदाना मंदे अरहर चना मटरा गेहूं लाहा सरसों अलसी अरंडा मूँगफली तिलतेल वेजीटेबिल घृत दालवाना तेज धनियां जीरा किराने की काली लाल वस्तु तेज

सुदी २ रवि ता० ९ जुलाई—आज अवकाश है । आज चन्द्र दर्शन मुहुर्त ४५ उत्तरश्रृङ्गी अग्नि मण्डल में होगा । फल पहले मंदी लाकर तेजी होगी ।

सुदी ३ चन्द्र ता० १० जुलाई सभी वस्तुओं में पहले मंदी आयेगी शाम के मंदे में माल खरीदना अच्छा है।

सुदी ४ मंगल ता० ११ जुलाई—आज तेजी मंदी अच्छी निकलेगी। दो पहर के १२ बजे तक मंदी आजाय तो माल खरीदना शामतक तेजी आयेगी। १२ बजे तक तेजी रहे तो शामतक मंदी आने पर माल खरीदना अच्छा है। दो तरफा घटा बढ़ी का दिन है।

सुदी ५ बुध ता० १२ जुलाई—आज बाजार मंदे खुलेंगे शाम को फिर तेजी आयेगी। अलसी अण्रडा मूंगफली सरसों लाहा बिनौला तेज। गुड़ खांड़ शक्कर धान चावल तेज।

सुदी ६ गुरु ता० १३ जुलाई—आजका दिन सुभिक्षकारी है आज भी माल खरीदने का अच्छा मुहूर्त है। यहां के खरीदने वालों को भी २० दिन के अन्दर उत्तम लाभ होगा

सुदी ७ शुक्र ता० १४ जुलाई—तिलहन दाल अनाज गल्ला अलसी अरंडा में अच्छी तेजी। श्लेषा १ में गुरू। घी तैल वेजीटेविल बिनौला तेज। गुड़ खांड़ शक्कर चावल पाट वारदाना तेज। शेष वस्तुओं में सामान्य मंदी रहेगी।

सुदी ८-९ शनि ता० १५ जुलाई—तिथि का क्षय ३ दिन के अन्दर सभी वस्तुओं में घटाबढ़ी अच्छी लायेगा। यहां तक बराबर तेजी आयी हो तो थोड़ी नफा के लिए माल बेचना। नहीं तो मन्दी की प्रतीक्षा करना।

सुदी १० रवि ता० १६ जुलाई आज कर्क संक्रान्ति वा० ४ न० ५ मु. ४५ अग्नि मंडल में रात्रि के ८ बजे लगेगी। संक्रान्ति के एक मास में बाजार में दोतरफा घटबढ़ निकलेगी। जिन बस्तुओं में पहिले १५ दिन में तेजी रहें बेच देना। पिछले १५ दिन में जिन वस्तुओं में मंदो रहें उनको खरीद लेना आगे लाभ हो जायगा। वार का फल अलसी अरहर मसूर स्वर्ण तांबा हल्दी लाल मिर्च एव लाल वस्तुओं में तेजी अवश्य आयेगी। अग्नि मंडल का फल भी पन्द्रह दिन में तेजी अवश्य लायेगा। रबिवार की संक्रान्त बर्षा की कमी चाहती है। लेकिन पैंतालीस मुहूर्ता का फल कहीं २ भारी वृष्टि से नदियों में बाढ़ आ जायेगी।

सुदी ११ चंन्द्र ता० १७ जुलाई—आज भी अच्छी तेजी का योग है। उस तेजी में माल बेचने से तुरन्त लाभ होगा क्यों कि देवशयनी ११ में सोमवार का होना वर्षा अच्छी चाहता है। जिससे खेतीयों में सुधार होगा।

सुदी १२ मंगल ता० १८ जुलाई—पू. फा. में शुक्र बुध का पूरव में उदय यह दोनों ग्रह अच्छी बर्षा चाहते हैं। जिससे धान्य गल्ला अरहर चना मटर लाहा सरसों विनौला जूट पाट बारदाना में मन्दी आयेगी।

सुदी १३ बुध ता० १९ जुलाई—स्वाति पर मंगल २० दिन के अन्दर रूई कपास में तेजी लायेगा। तैल तिलहन अलसी अरंडा तिल के भाव बढे.गे। अनाज गल्ला गुड़ खांड़ में कुछ नर्मी रहेगी।

सुदी १४ गुरु ता० २० जुलाई— पुष्य में सूर्य मार्गी । सं. स्त्री पु. चं चं. वा. मेष वर्षा साधारण चाहता है । पूरब उत्तर दिशा में वर्षा अच्छी हो जायेगी । पश्चिम दक्षिण में वर्षा साधारण अनाज तिलहन अलसी तेज ।

सुदी १५ शुक्र ता० २१ जुलाई—यहाँ से रूई वारदाने में १० दिन के अन्दर मोटी मंदी तेजी निकलेगी । पहिले मंदी की प्रतीक्षा कीजिए । सात दिन में मंदी आने पर रूई खरीदना । सायंकाल ६. ५० पर वायु परीक्षा करना वायु पूरब पश्चिम उत्तर ईशान का हो तो शुभ अग्नि कोण नैरित्य दक्षिण का वर्षा के लिए अशुभ जानना ।

आषाढ़ मास का सारांश

इस मास में ५ शुक्रवार पड़े हैं जिनका फल सुवृष्टि और सस्ताई का रुख जानना । ४५ मुहुर्ता चन्द्र दर्शन और ४५ मुहुर्त कर्क संक्रान्ति के कारण अनाज गल्ला तिलहन में मंदी का झटका आयेगा । उस समय साहस के साथ खरीदना अच्छा रहेगा क्योंकि चन्द्र दर्शन अग्नि मंडल में होगा कर्क संक्रान्ति भी अग्नि मंडल में बैठेगी । तुला का मंगल कर्क का गुरु मीन का शनि यह भी अपना तेजी का प्रभाव लाये बिना नहीं रहेगा मंदी टिकाऊ मालुम नहीं देती । ता०-२६ जून पर गुड़ खाँड़ शक्कर चावल रूई चांदी जस्ता खरीदना । ता०-४-५ जुलाई पर उर्द मूँग बिनौला वेजीटेबिल तेल घृत गुड़ खरीदना अच्छा है ता० २० जुलाई तक जिन वस्तुओं में

जितना लाभ हो उसे लेकर माल बेच देना। बाजार की चाल देखना कि १६ जुलाई तक किन २ वस्तुओं में अच्छी मंदी आयी है उनका इस समय खरीदना। ता० २४,२८ जून ता० १,५,८,१०,११,१४.१६,१८,२१ में अच्छी घटबढ़ होगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० २३ से २६ तक मंदे आने पर खरीदना। ता० २७ से ३० जून तक घटाबढी से तेजी प्रधान रहेगी। ता० १ से ४ जुलाई तक दोतरफा घटाबढी से बाजार मजबूत। ता० ५ से १३ जुलाई तक अच्छी मंदी ता० १४ से १७ जुलाई तक तेजी का उछाला। ता० १८ से २१ जुलाई तक घटाबढी से मंदी आयेगी।

नोट—इस मास स्वर्ण में ४) ५) और चांदी में ८) १०) की मंदी होना पाया जाता है! ता० ४ जुलाई तक बाजार तेज बने रहें तो बेच लेना २० दिन में लाभ हो जायेगा।

रूई सूत वस्त्र कपास

ता० २३ जून से २८ जून तक रूई वायदा में २०-२२ टके की तेजी ता० २६ से ३ जुलाई तक घटाबढी से साधारण मंदी आयेगी। ता० ४ जुलाई की शाम को ता० १८ जुलाई तक घटाबढी के साथ २५-३० टका की मंदी। ता० १६ जुलाई से १०) १५) की मंदी का उछाला आयेगा।

नोट—इसमास रूई वायदा बम्बई २०) को तेजी आकर ता० १८ जुलाई तक ३०) की मंदी आने का योग बनता है। इसलिए तेजी के उजाले में रूई बेचकर धन्धा करना चाहिए। ता० ४, ८, १० जुलाई बेचने के लिए अच्छी है।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० २३ से २६ जून तक बेचना। ता० २७ से ३० जून तक मंदी में खरीदना। ता० २ से १ तक साधारण तेजी आयेगी। ता० ११ से १५ जुलाई तक मंदी। ता० १६ से २१ तक तेज।

नोट—इस मास में घटाबढी अच्छी होगी ५) ६) की इक तरफा लाइन निकलेगी। मंदी का अच्छा झटका में माल खरीदना ही लाभदायक रहेगा। इस मास में ऐसा ही ग्रह योग है।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० २३ से २६ तक मंदी में खरीदना। ता० २७ से ३० तक तेजी। ता० १ से ४ जुलाई तक मंदे। ता० ५ से १० जुलाई तक तेज। ता० ११ से ३१ तक मंदे। ता० १४ से १७ तक तेज ता० १८ से २१ तक मंदी आयेगी।

नोट—इस मास में खांड़ गुड़ में घटाबढी अच्छी निकलेगी। घटने के लिए २) बढने के लिए ३) ४) की तेजी होना पाया जाता है। ता० २६ जून और ४ जुलाई खरीदने के लिए अच्छा दिन है।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० २३ से २६ तक तेज। ता० २७ से २६ तक मंदे। ता० २६ की शाम से १ जुलाई तक तेज। ता० ३-४ की मंदी में खरीदना। ता० ५ से १० जुलाई तक तेज। ता० ११ से १३ तक मंदे। ता० १४ से १६ तक तेज। ता० १७ की दोपहर से १६ की शाम तक मंदे। ता० १६ से २१ तक तेज।

नोट—इस मास में घटने के लिए २) ३) कुन्टल और तेजी के लिए ५) ६) कुन्टल जान लेना। ता० २३ जून और १, १० जुलाई के खरीददारों को लाभ रहेगा।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० २३ की शाम को खरीदना। ता० २६ के दोपहर तक तेज। ता० २६ से १ जुलाई तक अच्छी मंदी। ता० १ जुलाई की शाम से ७ जुलाई तक तेज। ता० ८ से ११ जुलाई तक घटाबढी से बाजार मजबूत रहेगा। ता० ८ से १५ तक मंदे। ता० १५ की शाम से १८ तक तेज। ता० १६ से २१ तक तेज।

नोट—इस मास १०) कुन्टल की घटा बढी निकलेगी ३)४) की मंदी के झटका में माल खरीदना अच्छा है। ता० १ जुलाई और १५ जुलाई में खरीदनेसे लाभ रहेगा।

पाट बारदाना हैसियन

ता० २३ से २७ जून तक तेज। ता० २८ से २ जुलाई तक मंदे।

ता० ३ से ६ जुलाई तक तेज। ता० ७ से ११ जुलाई तक मंदे। ता १२ से १६ जुलाई तक तेज। ता० १७ से २१ तक घटाबढी से मंदे रहेंगे।

नोट— इस मास दोनों पक्षों में घटावढी अच्छी होगी। ता० १ जुलाई के आसरे तेजी में माल बेचना अच्छा है। ता० १७ जुलाई के आस पास मंदी आजाने पर माल खरीदना अच्छा रहेगा।

घृत तैल वेजीटेविल किराना

ता० २३ से २७ जून तक तेज ता० २८ से १ जुलाई तक मंदे। ता० २ जुलाई से ७ जुलाई तक तेज। ता० ८ से ११ तक मंदे। ता० २ १२ से १५ जुलाई तक तेज। ता० १६ जुलाई की शाम से १९ जुलाई तक मंदे। ता० २०-२१ में तेजी रहेगी।

नोट—इस मास घी तैल वेजीटेविल में घटाबढ़ी से परिणाम तेजी का ही रहेगा। ता० २६ और ४ जुलाई खरीदने का अच्छा दिन है। इन्हीं तारीखों से धनीयां जीरा सौंफ में भी तेजी आ जायेगा। किराने की सफेद लाल वस्तुओं में भी तेजी आने का योग बनता है।

आषाढ मास की शकुनावली

ता० २५-२६ जून में वर्षा होना श्रेष्ठ मंदी कारक जानना। ता० २० जून को यदि वर्षा न हो तो आगे वर्षा की कमी और तेजी जानना।

ता० ५ जुलाई को रोहिणी नक्षत्र का होना वायु अधिक वर्षा कम चाहता है।

ता० ८ जुलाई को पुनर्वसु नक्षत्र का होना शाक शम्बत् के के लिए शुभ जानना। आज के दिन वर्षा होना अशुभ

ता० १०-११ जुलाई में वर्षा होना शुभ और सस्ताई कारक

ता० १७ जुलाई कों चंन्द्रवार का होना शाक सम्बत् के लिए शुभ।

ता० २० जुलाई की रात को चन्द्रमा बादलों में ढका रहे तो शुभ

आषाढ़ मास में ग्रहों की युतियां

ता० ३०-६-६७ दिन के १० बजे चन्द्र शनि युति तेजी कारक।

ता० २-७-६७ रात्रि के ५॥ बजे चंन्द्र शनि युति २४ घंटे में तेजो।

ता० ८-७-६७ रात्रि के ४ बजे चन्द्र बुध युति मंदो लायेगो।

ता० ६-७-६७ शाम के ५॥ बजे चन्द्र शुकयुति दूसरे दिन मंदा लायेगी इसी दिन शाम के ५॥ बजे सूर्य बुध युति मंदा करेगी

ता० ११-७-६७ प्रात: ८॥ बजे चन्द्र शुक्र युति रुई चांदी मंदी

ता० १२-७-६७ शाम के ५ बजे चन्द्र हर्षल युति दोतरफा घटाबढी

ता० १५-७-६७ प्रात: ८ बजे चन्द्र मंगल युति अलसी लाल वस्तु सोना तांबा तेज।

ता० १७-७-६७ रात्रि के १ बजे चन्द्र नेप्चून युति सभी वस्तुओं में उलट फेर करेगी तेजी से मंदी, मंदी से तेजी करेगी।

आषाढ़ मास का विशेष योग

(१) ता० २६ जून को मिथुन राशि पर बुध वक्री होगा २४ दिन के अन्दर अरहर चना मटरा अलसी में ७) ८) कुन्टल की इकतरफा लाइन निकलेगी। रुई चांदी गुड़ खाँड़ शक्कर में तेजी रहेगी।

(२) ता० १३ जुलाई को तुला राशि पर मंगल आया दो मास के अन्दर उर्द मूँग मसूर अरहर दालवाना घी तैल तिलहन गुड़ खांड़ शक्कर में तेजी लायेगा। रूई चांदी में घटाबढ़ी से मंदी लायेगा।

(३) ता० १८ जुलाई को मिथुन राशि पर बुध का पूर्व में उदय होना किसी खड में दुर्भिक्ष से हाहाकार मचायेगा। आगे चल कर धान्य गल्ला तिलहन गुड के भावों में अच्छी तेजी करेगा।

आषाढ मास का मौसम

इस मास का मौसम अच्छा रहेगा। वदी, सुदी दोनों पक्षों में वर्षा होना पाया जाता है। ता० २६ से ३० जून तक ता० ५ से ७ जुलाई तक, ता० १२ से १३ जुलाई तक, ता० १६ से १७ तक, ता० २० से २१ जुलाई तक वर्षा होने का योग है। वदी पक्ष की अपेक्षा सुदी पक्ष में वर्षा अच्छी होगी। पूरब दक्षिण दिशा के प्रान्तों में सुवृष्टि का योग है।

आषाढ़ मास का राशिफल

मेष राशि वालों को स्त्री पक्ष से चिन्ता रहेगी । लाभ कम व्यय की अधिकता रहेगी । मास का पहिला चौथा सप्ताह श्रेष्ट दूसरे तीसरे में चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी ।

बृष राशि वालों को शत्रु पक्ष से भय शरीर को कष्ट सफेद और लाल वस्तु से लाभ नीली और काली बस्तु से हानि मास का पहिला चौथा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी। तीसरा श्रेष्ठ ।

मिथुन राशि वालों को ता० ४ जुलाई तक समय चिन्तकारी रहेगा इसके उपरान्त चिन्ता घटने लगेगी । थोड़ा २ लाभ भी होने लगेगा । मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभकारी

कर्क राशि वालों के लिए ता० ३ जुलाई तक समय अच्छा इसके उपरान्त समय नेष्ट चिन्ता हानि परेशानी कारक रहेगा । मास पहिला दूसरा सप्ताह साधारण लाभकारी । तीसरा कलहकारी

सिंह राशि वालों को लाल काली पीली बस्तु के व्यापार से लाभ । मास का पहिला दूसरा सप्ताह मध्यम चौथा तीसरा लाभकारी रहेगा ।

कन्या राशि वालों कों आर्थिक चिन्ता बिशेष रहेगी । शरीर में व्याधि बनी रहेगी । मास का दूसरा तीसरा सप्ताह साधारण लाभकारी रहेगा । पहिला चौथा चिन्ताकारी रोगकारी ।

तुला राशि वालों को ता० ५ जुलाई तक समय चिन्ता कारी हानिकारी इसके उपरान्त चिन्ता घटेगी शनैः शनैः लाभ होने लगेगा। मास का चौथा सप्ताह लाभ देकर जायेगा।

बृश्चिक राशि वालों को ता० ३ जुलाई ,तक साधारण लाभ होकर ता० २१ जुलाई तक मोटी हानि अनावश्यकीय व्यय की अधिकता रहेगी। लाभ होने में बाधा पड़ेगी।

धनु राशि वालों को लाल पीली सफेद वस्तु के व्यापार से लाभ होगा। किसी कार्य की सिद्धि होगी। मास का पहिला दूसरा सप्ताह साधारण लाभ कारी। तीसरा चौथा श्रेष्ठ।

मकर राशि वालों को राज दरबार से भय चिन्ता। परिणाम शुभ मास दूसरा तीसरा सत्ताह लाभ कारी पहिला चौथा हानिकारी।

कुंभ राशि वालों को बदी पक्ष चिन्ताकारी हानिकारी रहेगा। सुदी पक्ष में साधारण लाभ होगा या यात्रा से लाभ या किसी कार्य की सिद्धि होगी।

मीन राशि वालों को बदी पक्ष में साधारण लाभ होकर सुदी पक्ष में मोटी हानि होगी। कहीं से अशुभ समाचार सुनने को मिलेगे

आषाढ़ मास का बृतादि निर्णय

बदी ३ रवि ता० २५ जून—श्री गणेश चतुर्थी बृतम्

बदी ११ चंन्द्र ता० ३ जुलाई-योगिनी ११ बृतम् सर्वेषाम

बदी १३ बुध५ जुलाई–शिव प्रदोष बृतम्

बदी ३० शुक्र ७ जुलाई - अमावस्या पुण्य दिनम्

सुदी २ रवि० ९ जुलाई –श्री जगदीश रथ यात्रा दिनम्

सुदी ८ शनि १५ जुलाई—भड्डुल नवमी

सुदी १० रवि १६ जुलाई—कर्क संक्रान्ति पुण्य दिनम्

सुदी ११ चन्द्र १७ जुलाई—देव शयनी ११ वृतम् स्मार्त बैष्णाम नाम्

सुदी १२ मंगल १८ जुलाई-देव शयनी ११ वृ० निम्बार्कनाम्

सुदी १३ बुध १९ जुलाई – शिव प्रदोष वृतम्

सुदी १५ शुक्र २१ जुलाई - गुरु पूर्णिमा १५ वायु परीक्षा दिनम्

श्रावण कृष्ण पक्ष फलम्

बदी १ शनि ता० २२ जुलाई—इस मास अति वृष्टि अनावृष्टि से खेती को हानि होगी । चीन जापान अमरीका में संकट बढ़ेगा अथवा कहीं से युद्ध के समाचार आयेंगे । आज का दिन दालवाना तिलहनवाना अनाज गल्ला चावल में तेजी लायेगा ।

बदी २ रवि ता० २३ जुलाई - आज अवकाश है । पंचक प्रा०

बदी ३ चंन्द्र ता० २४ जुलाई – आज अच्छी तेजी आयेगी अरहर चना मटर ग्वार मसूर अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला तेल मूँगफली बेजीटेबिल ११ बजे खरीदकर ४ बजे बेचना

अच्छा है। गुड़ खांड़ चावल तेज । चांदी सोना जस्ता मंदे

बदी ४ मंगल ता० २५ जुलाई—शनि वक्री वस्तुओं के भावों में एक मास के अन्दर भारी परिवर्तन करेगा। गल्ला में ५) ७) कुन्टल अलसी अरंडा में ११) १२) कुन्टल की कोई मोटी लाइन निकलेगी। समय की प्रतीक्षा कीजिए इतनी मंदी आने पर खरीदने वाले और तेजी पर बेचने वाले लाभ उठाऐंगे ।

बदी ५ बुध २६ जुलाई—गुरू अस्त पश्चिम में। एक मास के अन्दर लाल पीली श्वेत वस्तुओं के भावों में मंदी आयेगी। गुड़ खांड़ चावल अलसी तैल बिनौला तेज होंगे।

बदी ६ गुरु २७ जुलाई—आज का दिन सुभिक्ष कारी है। घटा बढी अच्छी निकलेगी। तेजी मंदी नजराने फलेंगे। अलसी सरसों लाहा गुड़ खांड चावल मंदी में खरीदना अच्छा रहेगा ।

बदी ७ शुक्र २८ जुलाई—शाम को पंचक समाप्ति होगी चांदी सोना धातुवाना मंदे अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला लाहा सरसों अरहर मटरा १ बजे से तेज होंगे। कहीं २ उत्तम वृष्टि होगी।

बदी ८ शनि २९ जुलाई—अलसी अरंडा सरसों लाहा घी तैल वेजीटेविल सूँगफली तैल अलसी और तैल सूँगफली में तेजी आयेगी । रुई पाट बारदाना तेज होकर मंदे होंगे।

बदी ९ रवि ३० जुलाई—आज अवकाश है।

वदी ९ चन्द्र ३१ जुलाई—आज तेजी आजाय तो माल बेचना अच्छा है तिथि की वृद्धि तेजी लाकर मंदी लायेगी। रुई पाट वारदाना सोना चांदी अलसी अरण्डा खांड़ गुड़ शक्कर में मँदी आयेगी।

वदी १० मंगल १ अगस्त—आज का दिन भी अच्छी घटा बढ़ी का रहेगा। १२ बजे तक जिन वस्तुओं में मँदी आजाय उनको खरीद लेना। अनाज गल्ला तिलहन दालवाना अलसी घी तैलों में तेजी आयेगी।

वदी ११ बुध २ अगस्त—आज प्रातः सूर्य का उदय बादलों में हो उस जगह चातुर मास में वर्षा अच्छी होगी और बादलों से रहित निर्मल सूर्य का उदय होना वर्षा की कमी से तेजी लायेगा। आज मृगशिर नक्षत्र का होना भी दुर्भिक्ष तेजी कारक है।

वदी १२ गुरु ३ अगस्त—श्लेषा में सूर्य सं० स्त्री स्त्री चं० चं० वा० अश्व वर्षा खंड। नेप चून मार्गी। यहां से ४ दिन के अन्दर जिन वस्तुओं में मंदी का जोरदार झटका आजाय उनको खरीद लेना आगे लाभ होगा।

वदी १३ शुक्र ४ अगस्त—कर्क में बुध यहां से ७ दिन के अन्दर कई स्थानों में वर्षा पानी अच्छा हो जायेगा। वायदा की वस्तुओं में शाम को तेजी का उछाल। आयेगा उसमें माल बेचना अच्छा है।

वदी १४ शनि ५ अगस्त—अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला लाहा सरसों तिल तोरिया घृत तैल बेजीटेबिल तेज होकर

मंदे होंगे। सोना चांदी धातुवाना तेज । गुड़ खांड़ शक्कर चावल तेज।

बदी ३० रवि ६ अगस्त—आज अवकाश है।

श्रावण शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १-२ चंन्द्र ७ अगस्त—तिथि क्षय होना। युद्ध भय दुर्भिक्ष भय और राजाओं के पतन का कारण बनेगा। गुड़ खाँड़ शक्कर चावल सोना चांदी अलसी अरंडा में तेजी आयेगी आज का चन्द्र दर्शन मु० ३० उत्तर श्र० दोतरफा घटा बढ़ी करेगा।

सुद्री ३ मंगल ता० ८ अगस्त—शुक्र वक्री रुई सूत वस्त्र चांदी गुड़ खांड़ शक्कर तेज। अलसो अरंडा सींगदाना बिनौला लाहा सरसों तिल तौल वेजीटेबिल मंदे। किराने की लाल वस्तुओं में लाल मिर्चों में तेजी आयेगी।

सुदी ४ बुध ता० ९ अगस्त—अलसी अरण्डा लाहा सरसों तिल तोरिया अरहर चना मटर सोना चांदी में गुड़ खांड़शक्कर में तेजी आयेगी। मंदी के झटका में खरीद कर पाट बार-दाना हैसियन शेयर मंदे।

सुदी ५ गुरु ता० १० अगस्त—आज प्रात; भाव तेज खुलेंगे और शाम को मंदे बंद होंगे। तेती के उछाले में बेचकर शाम की मंदी में खरीदना अच्छा रहेगा।

सुदी ६ शुक्र ता० ११ अगस्त—रुई सूत वस्त्र कपास जूटपाट वारदाना में १५ दिन के अन्दर मन्दी आयेगी। आज का दिन गुरुवार के विपरीत रहेगा।

सुदी ७ शनि ता० १२ अगस्त—आज का दिन दोतरफा घटा बढी का रहेगा। तेजी मंदी लगाने वाले लाभ उठायेंगे। मंदी में खरीद कर तेजी में फिर बेचना। और तेजी में बेचकर मंदी में फिर खरीदना। बुधास्त

सुदी ८ रवि ता० १३ अगस्त—आज अवकाश है।

सुदी ९ चन्द्र ता० १४ अगस्त—विशाखा में मँगल श्लेषा में बुध तिल तैल तोरिया तिलहन वाना घृत वेजीटेविल तेज हों। पूरब दिशा में वर्षा अच्छी होगी। अनाज गल्ला गुड़ खांड शक्कर में कुछ मंदी। चांदी सोना तेज।

सुदी १० मंगल ता० १५ अगस्त—अलसी अरण्डा सींगदाना बिनौला अरहर चना मटरा अनाज गल्ला गुड खाँड में मन्दी का झटका आकर शाम को तेजी आयेगी।

सुदी ११ बुध ता० १६ अगस्त—आज सरसों लाहा तिलहन वाना अलसी अरण्डा गुड खांड चावल में मन्दी का झटका आकर शाम को तेजी आयेगी।

सुदी १२ गुरु ता० १७ अगस्त—आज सिंह की संक्राति मु० ३० भूमण्डल में दिन के २ बजे लगेगी। सूर्य के साथ शुक्र बुध भी चलेंगे। अतः इस संक्राति के १५ दिन तेजी कारक और १० दिन मन्दी कारक ५ दिन दोतरफा घटाबढी के रहेंगे। वार का फल स्वर्ण चांदी धातुवाना तेज। किराने की पीली वस्तुओं में तेजी रहेगी। भूमण्डल का फल अनाज गल्ला में १० दिन मन्दी कारक रहेंगे। रुई घी तिल तैल वेजीटेविल चांदी सोना में तेजी आयेगी। वर्षा पानी

अच्छा होगा जिससे सुख सन्तोष होगा,

सुदी १३ शु० ता० १८ अगस्त—पश्चिम में शुक्र का अस्त। देवगण में हुआ। जिसका फल दो मास के अन्दर भारी घटा बढी के साथ तेजी होना पाया जाता है। आगे चलकर इसका प्रभाव घोर तेजी का हो जायेगा। इस योग से पहिले कुछ मन्दी आया करता है उस मन्दी में माल खरीदने वाले अनाज गल्ला तिलहन से अच्छा लाभ उठाते हैं। रुई पाट शेयर मन्दे। घी तैल सोना तेज।

सुदी १४ शनि ता० १९अगस्त—सिंह में बुध, गुरुका उदय। आज का दिन मन्दी लाकर तेजी लायेगा। मन्दी में माल खरीदकर तेजी में बेच दें। सोना चांदी तेज। अलसी अरंडा लाल सरसों अनाज तेज।

सुदी ५ रवि ता० २० अगस्त—आज का अवकाश है।

श्रावण मास का सारांश

इस मास में ५ शनिवार और ५ इतवार पडे हैं जिससे व्यापार में उलट फेर अधिक होगा। कई चीजों में अच्छी मन्दी और कई चीजों में अच्छी तेजी आ जायेगी। जिन वस्तुओं में अच्छी मन्दी का झटका आजाय उन वस्तुओं को १७ अगस्त के आसरे खरीदना अच्छा होगा। २५ जूलाई को शनि वक्री अलसी तिलहन गुड़ खांड शक्कर में तेजी लाने का विचार कर रहा है। ता० ३ अगस्त को नैपचून मार्गी जिन वस्तुओं में ४ दिन के अन्दर मन्दी का धमाका आजाय उनको खरीद लेना। चांदी सोना तेज रहेंगे। ता० ८ अगस्त को शुक्र

वक्री गुड खांड चावल में अच्छी तेजी लायेगा । ता० १४ अगस्त में बिशाखा का मंगल और १८ अगस्त को शुक्र का अस्त तैल तिलहन अलसी अरण्डा सरसों लाहा अरहर चना मटरा गेहूं में अच्छी तेजी आने का योग बन रहा है। यह तेजी घटबढ होते हुए कई मास तक रहेगी। श्रावणी रक्षा बन्धन के दिन रविवार और धनिष्टा नक्षत्र का होना भी तेजी वालों को प्रोत्साहन देगा। ता० २२. २४, २६, ३१ जुलाई और ५, ६, ७, १२, १८, १९ अगस्त में अच्छी घटाबढी निकलेगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० २२ से २५ जुलाई तक मन्दे। ता० २६ से २९ जुलाई तक तेज। ता० ३१ से ३ अगस्त तक मन्दे। ता० ४ से ८ अगस्त तक तेज। ता० ९ से १२ तक मन्दे। ता० १४ से १७ तक तेज। ता० १८ से २० तक मन्दे।

नोट—इस मास सोने में ४) ५) और चांदी में ७) ८) की लाइन निकलेगी। ता० ३ अगस्त से और १६ अगस्त खरीदने का अच्छा दिन है।

रुई वस्त्र सूत कपास

ता० २२ से २४ तक तेज। ता० २५ से २८ जुलाई तक मन्दे ता० २९ से ३१ तक तेज। ता० १ से ३ अगस्त तक मन्दे। ता० ४ से ९ अगस्त तक तेज ता० १० से १४ तक मन्दे। ता० १५ से १९ अस्त तक तेज होंगे।

नोट—इस मास रुई वायदा में २५) ३०) की लाइन निकलेगी। हाजिर रुई सुदी पक्ष में तेज होगी। ता० ३ खरीदने का अच्छा दिन है।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० २२ से २७ जुलाई तक तेज । ता० २८ से ३१ तक मंदे ता० १ से ३ अगस्त तक तेज । ता० ४ से ७ अगस्त तक मंदे ता० ८ से १२ अगस्त तकतेज । ता० १३ से ता० १६ तक मंदे ता० १७से २० तक तेज

नोट—इस मास गुड़ में २) ३) खांड में ४) ५ की तेजी होना पाया जाता है। ता० २५ जुलाई पर खरीद कर ता० २ अगस्त पर बेच देना । ता० ८ अगस्त के खरीदने से भी लाभ होगा ।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० २२ से २५ तक मंदे में खरीदो । ता० २६ से २९ तकतेज ता० ३१ से ३ अगस्त तक मंदे । ता० ४ से ७ तक तेज । ता० ८ से १२ तक मंदे । ता० १४ से १६ तक तेज । ता० १७ से १९ तक बाजार की चाल देखिये । बाजार किधर जाता है । फालतू बेचान अभी ठीक नहीं मंदी के झटका में खरीद कर ही काम कीजिये ।

सरसों लाहा तिल तोरीया

ता० २२ से २५ तक मंदी । ता० २६ से २९ जुलाई तक तेज । ता० ३१ से ३ अगस्त तक मंदे । ता० ४ से ७ अगस्त तक तेज । ता० ८ से १० तक घटा बढ़ी से बाजार मजबूत । ता० ११ से १४ तक मदे । ता० १५ से १९ तक अच्छी तेजी ।

नोट— इस मास की ता१ २५ जुलाई और १४ अगस्त के खरीदने से लाभ होगा । ४ ५) कुन्टल की तेजी आ सकती है

अलसी अरंडा सींगदाना विनौला

ता० २२ से २५ तक मंदे । ता० २६ से २६ तक तेज । ता० ३१ से ३ अगस्त तक मंदे । ता० ४ से ८ अगस्त तक तेज। ता० ६ से ११ तक घटा बढ़ी से बाजार मजबूत । ता० १२ से १४ तक मंदे में खरीदना । ता० १५ से १६ तक तेज

नोट-इस मास अलसी अरण्डा में ८)१०] की इकतरफालायन किनलेगी । इतनी तेजी आने पर माल बेंचना इतनी मंदी आने पर माल खरीदने वाले लाभ उठायेंगे ता० २६ जुलाई और १३, १७ अगस्त खरीदने के अच्छे दिन हैं।

पाट वारदाना हैसियन

ता० २२ से २८ जुलाई तक घटा बडी में मंदे । ता० २६ से २ अगस्त तेज। ता० ३ से ५ तक मंदे । ता० ७ से ६ तक तेज ता० १० से १५ तक मंदे । ता० १५ से १७ तक तेज। १८ से २० तक मंदे ।

नोट—इसमास घटाबढ़ी अच्छी है। ध्यान मंदी का है। तेजी के उछाले में बेचना अच्छा है। ता० २६ जुलाई और १८ अगस्त के बेचने वाले लाभ उठाऐंगे।

घृत तैल वेजीटेविल किराना

ता० २२ से २५ जुलाई तक तेज ता० २६ से २६ तक बाजार मजबूत । ता० ३१ से ४ अगस्त तक मंदे । ता० ५ से ८ अगस्त तक तेज । ता० ६ से १२ तक मंदे । ता० १४ से १७ तक तेज। ता० १८ से २० तक मंदे ।

नोट—इस मास तैलों में तेजी अवश्य आएगी । साथ में वेजीटेविल भी तेज रहेगा जीरा धनिया हल्दी किराने की हरी पीली काली वस्तुओं में तेजी आएगी।

श्रावण मास की शकुनावली

ता० २ अगस्त को मृगषिर नक्षत्र का होना दुर्भिक्ष और तेजीकारक है।

ता० ३ अगस्त को गुरुवार का होना १ सप्ताह में घटाबढ़ी जोरदार करेगा।

ता० ६ अगस्त में श्लेषा नक्षत्र का होना वर्षा साधारण चाहता है। इसी दिन रविवार का होना कष्टकारी जानना।

ता० ७ अगस्त में तिथि क्षय होना कार्तिक मास में किसी राज्य का छत्र भंग और तेजी चाहता है।

ता० १२ अगस्त में स्वाति नक्षत्र का होना सुभिक्ष सस्ताई चाहता है।

श्रावणी रक्षाबन्धन के दिन घनिष्ठा नक्षत्र का होना प्रजा दुःखी अन्न तिलहन की तेजी चाहता है।

श्रावण मास में ग्रहों की युतियां

ता० २७-७-६७ शाम के ७ बजे चन्द्र शनि युति काली वस्तुओं में अलसी अरंडा तैल तिलहन में तेजी लायेगा।

ता० २९-७-६७ दिन के ११ बजे चन्द्र राहु युति सभी वस्तुओं में तेजी लायेगी।

ता० ४-८-६७ रात्रि के १०। बजे चन्द्र बुध युति गुड़ खांड़ पाट बारदाना तिलहन तेल तेज।

ता० ६-८-६७ दिन के ८।। बजे चन्द्र सूर्य युति इसी दिन दिन के १२ बजे चन्द्र गुरु युति कोई वस्तु मंदी कोई वस्तु तेज। दोतरफा घटाबढ़ी होगी।

ता० ८-८-६७ दिन के १२॥ बजे चन्द्र शुक्र युति मंदी लायेगी।

ता० ६-८-६७ दिन के १॥ बजे सूर्य गुरु युति सोना चांदी मंदे

ता० १२-८-६७ दिन के २॥ बजे चन्द्र मंगल युति अलसी अरंडा सोना तांबा लाल वस्तुओं में तेजी होगी।

ता० १३-८-६७ प्रातः ६ बजे चन्द्र नैपचून युति २४ घंटे में तेजी लायेगी।

ता० १८-८-६७ प्रातः ८ बजे बुध गुरु की युति चांदी सोना मन्दे।

श्रावण मास का विशेष योग

(१) ता० २५ जुलाई शनि वक्री चार मास के अन्दर कलह-कांड उपद्रव दुर्भिक्ष भय वर्षा की कमी अनाज गल्ला तिलहन अलसी अरंडा लाहा सरसों चना तेज होंगे।

(२) ता० ३ अगस्त नैपचून मार्गी चार दिन के अन्दर गुड़ खांड़ शक्कर में मंदी का धमाका अन्य वस्तुओं में घटाबढ़ी।

(३) ता० ८ अगस्त शुक्र वक्री गुड़ खांड़ चांदी रुई में तेजी लायेगी।

(४) ता० १४ अगस्त विशाखा में मंगल २० दिन में तैल तिलहन तेज।

(५) ता० १८ अगस्त शुक्र का अस्त दुर्भिक्ष भय अनाज तिलहन तेज।

श्रावण मास का मौसम

इस मास का मौसम खंड वृष्टि का रहेगा ता० २६, २७ जुलाई २९ से ३० तक, ता० २ से ४ अगस्त तक, ता० ७ से ८ अगस्त तक, ता० १० से ११ अगस्त तक वर्षा बादल खंड वृष्टि का योग है। ता० १७ से १९ अगस्त तक हवा आँधी तूफान से हानि होगी।

श्रावण मास का राशि फल

मेष राशि वालों को इस मास कलह चिन्ता और स्त्री कष्ट होगा। मास का दूसरा सप्ताह लाभकारी। तीसरा कलह-कारी पहिला कोई परेशानी पैदा होगी।

वृष राशि वालों को लाल काली वस्तु से लाभ शत्रु से भय शरीर में आलस्य या कष्ट। मास का पहिला चौथा सप्ताह चिन्ता हानि दूसरा तीसरा लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशि वालों को काली वस्तु से लाभ होगा कोई प्रसन्नता के समाचार मिलेंगे। सन्तान पक्ष से चिन्ता, मास का पहिला तीसरा सप्ताह चिन्ताकारी। २-४ लाभकारी।

कर्क राशि वालों को इस मास भी लाभ होना कठिन है। चिन्ता हानि कलह से चित्त को अशान्ति बढेगी। मास का दूसरा सप्ताह कुछ लाभकारी रहेगा।

सिंह राशि वालों को लाल और सफेद वस्तु से लाभ होगा किसी कार्य की सिद्धि होगी। कहीं से प्रसन्नता के समाचार मिलेंगे। काली वस्तु से कुछ हानि का योग है।

कन्या राशि वालों को इस मास पैसे की तंगी रहै। चित्त को अशान्ति किसी काले वर्ण के मनुष्य से धोखा या हानि होगी। मास का पहिला दूसरा चौथा सप्ताह चिन्ताकारी तीसरे में लाभ।

तुला राशि वालों को इस मास लाभ साधारण होगा। व्यय की अधिकता रहेगी। मास का दूसरा तीलरा सप्ताह लाभकारी। पहिला चौथा हानिकारी।

वृश्चिक राशि वालों को इस मास चिन्ता अधिक रहेगी निरन्तर प्रयत्न करने पर भी वायदा व्यापार से लाभ होना कठिन है। समय को सन्तोष से निकालिए।

धनु राशि वालों को इस मास लाल काली सफेद वस्तु से लाभ होगा। किसी कार्य की सिद्धि होगी मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारी हानि कारी। २-३-४ लाभकारी।

मकर राशि वालों को उदर पीड़ा होगी। यात्रा से लाभ। मास का पहिला तीसरा सप्ताह लाभकारी। तीसरे में राज्य से चिन्ता होते हुए जय। चौथा कुछ चिन्ताकारी।

कुम्भ राशि वालों को तिलहन और रस व्यापार से लाभ होगा। यात्रा से या किसी स्त्री के द्वारा लाभ होगा मास का तीसरा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी।

मीन राशि वालों को चित्त में अशान्ति रहेगी लाभ होने में बाधा पड़ेगी मिलती हुई नफा हाथ से निकल जायेगी शान्ति और सन्तोष से समय को निकालना।

श्रावण मास का वृतादि निर्णय

वदी ३ चन्द्र २४ जुलाई—गणेश चतुर्थी वृतम्
वदी ५ बुध २६ जुलाई—भैया पंचमी नाग पंचमी
वदी १० मंगल १ अगस्त—मंगला गौरी वृतम्
वदी ११ बुध २ अगस्त—काम का ११ वृतम् सर्वेषाम्
वदी १२ गुरु ३ अगस्त—शिव प्रदोष वृतम्
वदी १४ शनि ५ अगस्त—पितृकार्य अमावश०
वदी ३० रवि ६ अगस्त—देवकार्य अमावश हरियाली ३०
सुदी ३ मंगल ८ अगस्त—मंगला गौरी वृ० हरियाली ३
सुदी ५ गुरु ता० १० अगस्त—नाग ५
सुदी ६ शुक्र ११ अगस्त—श्री कलकी जयन्ती
सुदी १० मंगल १५ अगस्त—मंगला गौरी वृ०
सुदी ११ बुध १६ अगस्त—पवित्रा ११ वृ० सर्वेषाम्
सुदी १२ गुरु १७ अगस्त—शिव प्रदोष वृ० सिंह सं० पु० दि०
सुदी १४ शनि १६ अगस्त—सलूना रक्षाबन्धनम्
सुदी १५ रवि २० अगस्त—सलूना रक्षाबन्धन

भाद्रपद कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ चन्द्र ता० २१ अगस्त—अरहर ग्वार मटरा चना लाहा सरसों अलसी अरंडा मंदे होकर शाम को तेज होंगे। रुई जूट पाट बारदाना गुड़ खांड़ मंदे। सोना चांदी धातुवाना शेयर्स किराने की सफेद वस्तुओं में मंदी आयेगी।

वदी २ मंगल ता० २२ अगस्त—आज का बाजार सोमवार के विपरीत रहेगा। पहले मंदी आयेगी।

बदी ३ बुध ता० २३ अगस्त—आज दोपहर के १ बजे तक जिन वस्तुओं में मंदी आये उनको खरीदना लाहा सरसों अलसी अरंडा अनाज गल्ला गुड़ चावल उर्द मूँग तेज । शेष वस्तुओं में सातान्य मन्दी ।

बदी ४ गुरु ता० २४ अगस्त—आज रात्रि को पंचक समाप्त होंगे। फल दो तरफा घटा बढ़ी का रहेगा । जिन बस्तुओं में शाम मक मन्दी आ जाय उनको खरीदना । गुड़ लांड़ चावल सोना तेज होगें ।

बदौ ५ शुक्र ता० २५ अगस्त—आज मन्दी के झटका में माल खरीदने से शाम तक लाभ होगा यदि आज शाम तक तेजी नहीं आवें तो बुधवार की शाम को माल बेचना। उफा २ कन्याये हर्षल भारी घटाबढी करेगा ।

बदी ६ शनिवार ता० २६ अगस्त—अलसी अरंडा मूँगफली सरसो लाहा तिलहन बाने में तेजी होकर मन्दी का धमाका आयेगा। ४ दिन के अन्दर जिन वस्तुओं में अच्जी मन्दी आ जाय उनको खरीदना ।

बदी ७ रवि ता० २७ अगस्त—आज अवकाश है,

बदी ८ चन्द्र ता० २८ अगस्त—पु; फा० में वुध अनाज गल्ला अरहर अलसी अरंडा मूँग फली गुड़ खाड़ रूई सूत कपास विनोंला मन्दे होगें। घी तैल वेजो टेविल में मामूली तेजी आकर मन्दी आयेगी ।

बदी ९ मंगल ता० २९ अगस्त—श्लेषा ४ में गुरु वर्षा पानी के कारण सभी वस्तुओं में मंदी का प्रभाव पडेगा । जिन बस्तुओं में शाम तक मन्दी आजाय उनको खरीद लेना। बूध-बार में लाभ हो जायेगा ।

बदी १० बुध ता० ३० अगस्त—पू० फा० में सूर्य सं० स्त्री स्त्री सू० वा० मूषक वर्षा कई स्थानों पर अच्छी होगी। कई स्थानों में प्रतीक्षा सी करनी पड़ेगी। वृश्चिक में मंगल लाइन बदलेगी बाजार को देखो।

वदी ११ गुरु ता० ३१ अगस्त—आज का बाजार तेजी में खुलेगा और शाम को मंदी में बंद होगा। इसलिए तेजी में बेचकर मंदी में खरीद लेना। अलसी अरंडा गुड़ खांड़ चावल में तेजी का उछाला आये।

वदी १२ शुक्र ता० १ सितम्बर—शाम के ३ बजे तक पहिले बाजार में तेजी आयेगी उस तेजी में माल बेचने वालों को शनिवार की शाम तक लाभ हो जायेगा। मोटी घटाबढ़ी दोतरफा चलती रहेगी।

वदी १३ शनि ता० २ सितम्बर—आज शाम तक जिन वस्तुओं में मंदी आ जाय उनको खरीदना। जिनमें तेजी रहे उनको सोमवार में खरीद लेना। तैल तिलहन बेजीटेविल गुड़ खांड़ में तेजी आयेगी।

वदी १४ रवि ता० ३ सितम्बर—आज अवकाश है।

वदी ३० चन्द्र ता० ४ सितम्बर—उ० फा० में बुध अगस्त का उदय। अति वृष्टि अनावृष्टि से कृषि को हानि करेगा। शुक्र का उदय पूरव में हुआ यह वर्षा लायेगा। आगे मंदी का धमाका फिर बाजार तेज।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १२ मंगल ता० ५ सितम्बर—नक्षत्र का क्षय अनु० में

मंगल कन्या में बुध चन्द्र दर्शन मु० ४५ वायुमंडल में १ मास में अनाज गल्ला तिलहन खांड़ गुड़ सोना तांवा में मोटी घटा बढ़ी है। आज का दिन तेजी का।

सुदी २ बुध ता० ६ सितम्बर—गुड़ खांड़ शक्कर अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला रुई वस्त्र कपास तेज। अन्य वस्तुओं में साधारण मंदी आयेगी।

सुदी ३-४ शुक्र ता० ७ सितम्बर—तिथिक्षय सभी वस्तुओं में तेजी लायेगी। अरहर चना मसूर मटरा लाहा सरसों अलसी मूंगफली रुई वस्त्र कपास तेज सोना चांदी धातुवाना पाट बारदाना मंदे। वर्षा पानी के योग से तेजी जोरदार नहीं।

सुदी ५ शुक्र ता० ८ सितम्बर—अलसी अरंडा सींगदाना पाट बारदाना सोना चांदी तेज होकर मंदे। अनाज गल्ला लाहा सरसों रुई चांदी मंदी। आज घटा बढ़ी दोतरफा निकलेगी।

सुदी ६ शनि ता० ९ सितम्बर—बुध पश्चिम में उदय अश्विनी शनि राहु चित्रा ४ में केतु अलसी लाहा सरसों मूंगफली तैल अलसी अरहर चना मटरा गुड़ खांड़ चावल सोना चांदी जस्ता तेज।

सुदी ७ रवि ता० १० सितम्बर—आज अवकाश है।

सुदी ८ चन्द्र ता० ११ सितम्बर—हस्त में बुध जिन वस्तुओं में दोपहर १ बजे तक मंदी आ जाय उनको खरीद लेना। अलसी अरंडा सरसों लाहा अरहर चना मटरा १ बजे से तेज होंगे। गुड़ खांड़ चावल चांदी तेज।

सुदी ९ मंगल ता० १२ सितम्बर —आज का दिन दोतरफा घटावढ़ो का रहेगा। तेजी में बेचकर मन्दी में खरीद लेना। सोना चांदी धातुवाना तिल तैल बेजोटेबिल उर्द मूंग ग्वार बाजरा मक्का तेज।

सुदी १० बुध ता० १३ सितम्बर—उ० फा० में सूर्य सं० स्त्री पु० सू० चं० वा० अश्व वर्षा कहीं कहीं अच्छी हो जायेगी मघा-सिंह पर गुरु यहां से कोई मोटी लाइन निकलेगी यहां तक जिन वस्तुओं में अच्छी तेजी आ चुकी हो उनको बेचना।

सुदी ११ गुरु ता० १४ सितम्बर—दोपहर तक की मन्दी में थोड़ी नफा के लिए माल खरीदना अच्छा है। अलसी अरंडा अरहर मटरा गुड़ खांड़ चावल तैल अलसी सोना तांवा में तेजी आयेगी।

सुदी १२ शुक्र ता० १५ सितम्बर—बाजार तेजी में खुलेगा शाम को मन्दी में बन्द होगा। दोपहर की तेजी में माल बेचना अच्छा है गुड़ खांड़ शक्कर चावल उर्द मूंग धनियां जीरा हल्दी तेज। लाल काली मिर्चों में मन्दी आयेगी।

सुदी १३ शनि ता० १६ सितम्बर—अलसी अरंडा तैल तिलहन एवं समस्त काली वस्तुओं में तेजी होगी। गुड़ खांड़ शक्कर धान चावल सोना चांदी पाट बारदाना लाल मिर्च मन्दे होंगे।

सुदी १४ रवि ता० १७ सितम्बर—आज कन्या की सक्रांति शाम के ६ बजे मुहर्ता १५ बारुड मंडल में लगेगी। वार का फल लाल काली वस्तुओं में तेजी लायेगा मुहुर्ता का फल

अनाज गल्ला तिलहन अलसी और अलसी के तैल में मोटी घटाबढी होगी। संक्रान्ति के पहले १५ दिन में जिन वस्तुओं में अच्छी मन्दी आजाय उनको खरीदना चाहिए। तेजी हुई वस्तुओं में बेचने वाले १५ दिन में अच्छा लाभ उठायेंगे। सोना चांदी धातुवाना तेज होंगे। गुड खांड शक्कर चावल मन्दे होकर तेज होंगे। संक्रान्ति का फल दोतरफा घटाबढी कारक रहेगा। मन्दो में खरीदने वाले तेजी में बेचने वाले अवश्य लाभ उठायेंगे।

सुदी १५ चन्द्र ता० १८ सितम्बर—आज दोपहर के १ बजे तक जिन वस्तुओं में धमाके की मन्दी आजाय उनको खरीदना अच्छा है। दोपहर के २ बजे से अलसी अरंडा तैल अलसी तैल मूंगफली बिनौला लाहा सरसों में तेजी आयेगी।

भाद्रपद मास का सारांश

इस मास में ५ चन्द्रवार पड़े हैं वायदा और हाजि सभी भावों में मोटी घटा बढी निकलेगी ग्रह योगों के देखते हुए अच्छी तेजी आना प्रतीत होता है। मन्दी के धमाकों में माल खरीद कर बेचने वाले लाभ उठाते रहेंगे। त० २७ से २९ अगस्त तक और ३ सितम्बर से ५ सितम्बर तक। ता० ११ से १३ सितम्बर तक अरहर चना ग्वार मटरा लाहा सरसों अलसी अरंडा मूंगफली में मन्दो के धमाके आयेंगे। तैल अलसी और तैल मूंगफली भी मन्दे होंगे। इस मन्दी में साहस के साथ माल खरीद कर बेचना। सोना चांदी गुड खांड चावल शेयर मार्केट में तेजी की लाईन निकलेगी। ता० २१, २५, ३० अगस्त २, ४, ७, ९, १, १४, १६ में घटाबढी अच्छी निकलेगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० २१ से २३ अगस्त तक मन्दे ता० २४ से २६ अगस्त तक तेजी ता० ३० से ३ सितम्बर तक मन्दे। ता० ४ से ६ तक तेज। ता० १० से १४ तक मन्दी। ता० १५ से १८ तक सोना तेज चांदी सामान्य।

नोट—इस मास में चांदी में ७) ८) सोना में ३) ४) की लाइन निकलेगी। ता० २६–३० अगस्त से व्यापार सावधानी से करना। ता० १४ सितम्बर से सोने में तेजी का योग है।

रूई सूत वस्त्र कपास

ता० २१ अगस्त से २२ तक मन्दे ता० २५ से २८ अगस्त तक तेज। ता० २६ से १ सितम्बर तक भाव सामान्य मजबूत ता० २ से ४ तक मन्दी में खरीदना। ता० ४ की शाम से ७ सितम्बर तक तेज। ता० ८ से १० तक मन्दे। ता० ११ से १५ सितम्बर तक तेज। ता० १६ से १८ तक मन्दे।

नोट—इस मास कन्या का हर्षल वृश्चिक का मंगल शुक्र का उदय रुई कपास में मोटी घटाबढी करेगे। वायदा रुई में ३०) ४०) खंडी हाजिर में ५) ७) मन को लाइन निकलेगी।

गुड खांड शक्कर

ता० २१ से २५ तक घटा बढी से मन्दे। ता० २६ अगस्त से २८ तक तेज। ता० २६ से ३१ तक मन्दे। ता० १ सितम्बर से ७ सितम्बर तक तेज। ता० ८ से ११ तक मन्दे। ता० १२ से १४ तक तेज। ता० से १८ तक मन्दे।

नोट—इस मास घटाबढी दोतरफा होगी। मन्दी में खरीदना तेजी में बेचते रहना। ता० १८ सितम्बर तक तेजी अवश्य आयेगी इसमें सन्देह नहीं।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० २१ से २३ अगस्त तक मन्दी में खरीदना ता० २४ से २७ तक घटा बढी से तेजी। ता० २८ से ३० तक मन्दी में खरीदना ता० ३१ से २ सितम्बर तक तेजी में बेच देना। ता० ४ से ६ सितम्बर तक मन्दी में खरीदना। ता० ७ से ११ तक तेज। ता० १२, १३ में मन्दी। ता० १४ से १६ तक तेज।

नोट—इस मास अनाज गल्ला में ६) ७) रु० कुन्टल की इकतरफा लाइन निकलेगी। ग्रह योग देखते घटे भावों में खरीद कर काम करना। तेजी अवश्य आयेगी।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० २१-२२ की मन्दी में खरीदना। ता० २३ से २६ अगस्त तक तेज। ता० २८ से ३० तक मन्दी में खरीदना। ता० ३१ से २ सितम्बर तक तेज। ता० ४ से ६ तक मन्दी का झटका। ता० ७ से ९ तक तेज। ता० ११ से १३ तक मन्दे। ता० १४ से १६ तक तेज।

नोट—इस मास कन्या का हर्षल और वृश्चिक का मंगल ८) १०) की लाइन निकालेगा। मन्दी के धमाके में खरीदकर काम करना चाहिए। ध्यान तेजी का है।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० २१ से २३ तक साधारण मन्दी । ता० २४ से २६ तक तेज ता० २८-२९ की मन्दी में खरीदना । ता० ३० से २ सितम्बर तक तेज । ता० ४ से ६ तक मन्दी में खरीदना। ता० ७ से ९ सितम्बर तक तेज । ११-१२ सितम्बर की मन्दी में खरीदना । ता० १३ से १५ सितम्बर तक तेज । ता० १६ से १८ तक मन्दे ।

नोट—कन्या का हर्षल मंगलवार का चन्द्रोदय अलसी में १०) की लाइन निकालेगा । मन्दी के धमाके में माल खरीदकर बेचना ही अच्छा है ।

पाट बारदाना हैसियन

ता० २१ से २५ अगस्त तक मंदे । ता० २६ से ३० तक तेज । ता० ३१ से ४ सितम्बर तक मंदे । ता० ५ से ९ सितम्बर तक तेज ता० ११ से १५ तक मंदे । ता० १६ से १८ तक तेज ।

नोट—इस मास पाट बारदाना में जोरदार तेजी निकलेगी । शुक्र और बुध का उदय तेजी लायेगा । कन्या का हर्षल और कन्या का गुरु मंदी लाये बिना नहीं मानेगा ।

घृत तेल वेजीटेबल किराना

ता० २१ से २३ तक मंदे । ता० २४ से २६ तक तेज । ता० २८ २९ अगस्त में मंदे । ता० ३० से २ सितम्बर तक तेज । ता० ४ से ६ सितम्बर तक मंदे । ता० ७ से ९ सितम्बर तक तेज । ता० ११ से १३ तक मन्दे । ता० १४ से १६ तक तेज ।

नोट—सभी प्रकार के तैलबाना में तेजी आने का योग है। किराने की सफेद लाल पीली वस्तुओं में तेजी आने का योग है।

भाद्रपद् मास की शकुनावली

ता० २८ अगस्त को चन्द्रवार से रोहिणी नक्षत्र का होना शुभ शान्ति और सस्ताई कारक जानना

ता० ७ सितम्बर गुरुवार और चित्रा नक्षत्र का होना सुभिक्ष सस्ताई चाहता है।

ता० ८ सितम्बर में स्वाति नक्षत्र का होना ४ मास रुई कपास में तेजी करेगा।

ता० ९ सितम्बर में शनिवार का होना तिल तेल तिलहन में तेजी कारक जानना।

ता० १६ सितम्बर में शनिवार का होना अनाज गल्ला लाहा सरसों अलसी अरंडा बिनौला तेल घी वेजीटेबिल में तेज लायेगा।

ता० १७-१८ सितम्बर में चन्द्रमा बादलों से ढका रहे तो सभी प्रकार के धान्य में आगे मंदी आयेगी ऐसा जानना।

भाद्रपद मास में ग्रहों की युतियां

ता० २४-८-६७ रात्रि के १ बजे चन्द्र शनि युति २४ घंटे में तेजी लायेगी इसी दिन रात्रि के ६ बजे सूर्य बुध युति चांदी मंदी।

ता० २८-८-६७ रात्रि के ३ बजे बुध शुक्र युति रुई चांदी मंदी।

ता० ३०-८-६७ रात्रि के चार बजे सूर्य शुक्र युति चांदी सोना तेज ।

ता० ३-९-६७ प्रात: ८ बजे चन्द्र गुरु युति सोमबार में मंदी लाकर आगे तेजी लायेगी ।

ता० ४-९-६७ रात्रि के ३॥ बजे चन्द्र शुक्र युति हवा आंधी तूफान के साथ वर्षा लायेगी अनाज गल्ला तिलहन चांदी मंदे ।

ता० ४-९-३७ शाम के ५॥ बजे चन्द्र सूर्य युति सभी वस्तुओं में तेजी ।

ता० ५-९-६७ दिन के ९॥ बजे चन्द्र बुध युति अनाज तिलहन मंदे ।

ता० ९-९-६७ दिन के १ बजे चन्द्र नेंव चून युति तेजी करके मंदा

ता० १४-९-३७ रात्रि के ४। बजे सूर्य प्लूटो युति चांदी सोना तेज होंगे ।

ता० १८-९-६७ शाम के ४। बजे सूर्य हर्षल युति अलसी चांदी में विशेष घटा बढ़ी करते हुये तेजी ।

भाद्रपद मास का विशेष योग

ता० २६ अगस्त कन्या का हर्षल एक मास ये अंदर अलसी चांदी के अन्दर विशेष घटा बढ़ी करेगा। चार दिन के अन्दर जिन वस्तुओं के अन्दर मंदी का धमाका आ जाय उनको खरीद लेना ता० ४, सितम्बर पूरव में शुक्र का उदय रुई चांदी तेज यहां तक जिन वस्तुओं में मंदी आई हो खरीद लेना लाइन पल्टा खायेगी ता० ५ सितम्बर मंगल बारा चन्द्र दर्शन १

मास के अन्दर अलसी अरंडा में ८) १०) सोना में ५) ७) तोला अनाज गल्ला में ६) ७) कुन्टल की एक तरफा लाइन निकालेगा लिखित तेजी मंदी का आंकड़ा आने पर खरीदना बेचना अच्छा है। ता० १४ सितम्बर में सिंह राशि का गुरु सोना चांदी खांड़ गुड़ चावल अलसी सरसों के भावों में पर्याप्त उलट फेर करेगा अपना ध्यान ऐसा है कि पहिले तेजो आकर पीछे मंदी आयेगो। व्यापार की चलती लाइन बदलेगो।

भाद्रपद मास का मौसम

इस मास का मौसम खण्ड बृष्टि कारक रहेगा कहीं कहीं वर्षा भारी होगी कहीं कहीं विल्कुल भो न होगी ता० २६-२८ अगस्त ता० १, २, ८, ९, १२, १३, १८, सितम्बर में बादल वायु के साथ कहीं वर्षा अच्छी हो जायगी कहीं प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

भाद्रपद मास का राशिफल

मेष राशि वाले को २१ अगस्त तक अपना व्यापार समेट कर वायदे ब्यापार को कम कर देना चाहिसे यहां से आगे समय चिन्ता हानि परेशानी बढायेगा।

वृष राशि वालों को यात्रा से हानि स्त्रो पक्ष से चिन्ता रहेगी मास का दूसरा तीसरा सप्ताह साधारण लाभकारो पहिला चौथा चिन्ताकारो हानिकारी रहेगा।

मिथुन राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह साधारण

चिन्ताकारी रहेगा दूसरा तीसरा सप्ताह लाल पोली वस्तु के व्यापार में लाभकारी रहेगा।

कर्क राशि वालों को ३० अगस्त तक का समय नेष्ट चिन्ता कारो दूसरा तीसरा सप्ताह साधारण लाभकारी चौथा शरीर को कष्ट कारी जानना।

सिंह राशि वालों को ता० २८ अगस्त तक थोड़ा लाभ होकर मास के अन्त तक चिन्ता हानि कलह की बृद्धि लाभ होने में बाधा रहेगी कलह से चित को अशान्ति बढ़ेगी।

कन्या राशि वालों को ता० ३० अगस्त के पश्चात लाल पीली वस्तु के व्यापार से लाभ शनै: शनै: चिन्ता घटेगी लाभ होना प्रारम्भ होगा।

तुला राशि वालों को इस मास कभी लाभ कभी हानि होते हुये सामन्य लाभ होगा। मास का पहिला दूसरा सप्ताह चिन्ताकारो हानिकारी।

बृश्चिक राशि वालों को ता० ३० अगस्त तक का समय चिन्ता हानिकारी रहेगा। आगे शनै: शनै. चिन्ता घटेगी थोड़ा थोड़ा लाभ होना चालू होगा।

धनु राशि वालों को ता० २८ अगस्त तक अपना व्यापार समेट कर कम कर देना चाहिये। आगे थोड़ा व्यापार से थोड़ा लाभ मोटे व्यापार से मोटी हानि होगी

मकर राशि वालों को इस मास सफेद लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ होगा। किसी कार्य में सफलता मिलेगी राज द्वार से लाभ एवं प्रतिष्ठा से लाभ।

कुम्भ राशि वालों को राजद्वार से भय। व्यापार से हानि होकर लाभ। सुसराल पक्ष में कष्ट होगा। मास का पहिला तीसरा सप्ताह लाभकारी। २-४ हानिकारी।

मीन राशि वालों को ता० ३० अगस्त तक का समय चिन्ता हानि परेशानी कारक रहेगा। इसके बाद शनैः शनैः चिन्ता घटने लगेगी लाभ होने लगेगा।

भाद्रपद मास का वृतादि निर्णय

वदी ३ बुध २३ अगस्त—कज्जली ३ श्रीगणेश ४ वृतम्
वदी ५ शुक्र २५ अगस्त—चन्द्र ६ वृतम्
वदी ७ रवि २७ अगस्त—श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वृ० स्मार्तानाम्
वदी ८ चन्द्र २८ अगस्त—श्रीकृष्णजन्माष्टमी वृ० वैष्णवानाम्
वदी ९ मंगल २९ अगस्त—श्री गोगा ९
वदी ११ गुरु ३१ अगस्त—अजा ११ वृ० सर्वेषाम्
वदी १३ शनि २ सितम्बर—शनि प्रदोषवृतम्
वदी ३० चन्द्र ४ सितम्बर-सोमवती कुशाग्रहणी ३० सतीपूजा
सुदी ३ गुरु ७ सितम्बर— हरि तालिका ३ गणेश जयन्ती
सुदी ४ शुक्र ८ सितम्बर—ऋषि ५ वृतम्
सुदी ६ शनि ९ सितम्बर—बल्देव ६ सूर्य ६
सुदी ८ चन्द्र १० सितम्बर—राधाष्टमी दूर्वाअष्टमी
सुदी ११ गुरु १४ सितम्बर—पद्मा ११ वृ० सर्वेषाम्
सुदी १२ शुक्र १५ सितम्बर— श्री बामन १२
सुदी १३ शनि १६ सितम्बर—शनि प्रदोष वृतम्
सुदी १४ रवि १७ सितम्बर-अनंत १४ वृ० कन्या सं०पु०दि०
सुदी १५ चन्द्र १८ सितम्बर—सत्यव्रत १५ श्राद्धारंभ

आश्विन कृष्णपक्ष फलम्

वदी १ मंगल ता० १९ सितम्बर—चित्रा पर बुध शुक्र मार्गी गुड़ खांड़ शक्कर चावल लाहा सरसों अलसी अरंडा घी तैल वेजोटेबिल तेज। जूट पाट बारदाना हैंसियन रुई रेशम काली मिर्च मन्दे।

वदो २ बुध ता० सितम्बर—उभायां ८ शनि लाहा सरसों अलसी अरंडा अरहर मटरा चना उर्द मूंग मन्दे होकर तेज होंगे। रुई वस्त्र कपास रेशम काली मिर्च मन्दे। आज दिन घटाबढ़ी का है। मन्दी आकर तेजी आयेगी।

वदी ३ गुरु ता० २१ सितम्बर—नक्षत्र की वृद्धि दोतरफा घटाबढी करेगी पहिले १ बजे तक तेजी रहे तो शाम को मन्दी आ जायेगी। बाजार की चाल देखकर काम करना।

वदी ४ शुक्र ता० २२ सितम्बर—आज बाजार ऊंचे खुलेंगे और नीचे बन्द होंगे। शाम के मन्दे में माल खरीदने से शनिवार में लाभ हो जायेगा। काले रंग की वस्तुओं में तेजी आयेगी।

वदी ५ शनि २३ सितम्बर—तिथि वृद्धि तेजी लाने का विचार कर रही है। आज शाम तक तेजी रहे उनको बेचना। सरसों लाहा अलसी अरंडा के भाव मजबूत बने रहेंगे। अनाज गुड़ खांड़ चावल घी तैल तेज।

वदी ५ रवि ता० २४ सितम्बर—आज अवकाश है।

वदी ६ चन्द्र ता० २५ सितम्बर—तुला पर बुध ज्येष्ठा पर मंगल तैल तिलहन लाहा सरसों अलसी अरंडा मूंगफली अरहर चना सभी प्रकार के धान्यों में तेजी आने का योग है मन्दी में माल खरीदना चांस है।

वदी ७ मगल ता० २६ सितम्बर—बाजार ऊंचे खुलेंगे और नीचे बन्द होंगे। मन्दी में माल खरीदना।

वदी ८ बुध ता० २७ सितम्बर—हस्त रवि सं० स्त्री स्त्री सू० चं० वा: मेष वर्षा नेष्ट बादलों का आवागमन रहेगा। वर्षा थोड़ी होगी अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला खलो लाहा सरसों तेज होंगे।

वदी ९ गुरु ता० २८ सितम्बर—स्वाति पर बुध रुई सूत कपास रेशम कालीमिर्च हल्दी मिर्च लाल पीली मन्दी चांदी सोना खांड गुड़ मन्दे तिलहन वाना में घटाबढी से तेजी।

वदी १० शुक्र ता० २९ सितम्बर—आज पहिले वायदा मार्कीट में १॥ बजे तक मन्दी आयेगी। इस मन्दी में माल खरीदना अच्छा है। लाहा सरसों अलसी अरंडा तेज।

वदी ११ शनि ता० ३० सितम्बर-अरहर चना ग्वार मटरा गेहूँ जौ मूंग उर्द सरसों लाहा अरंडा अलसी तेज होकर शाम को मन्दे।

वदी १२ रवि ता० १ अक्टूबर—मघा २ गुरु अवकाश है।

वदी १३-१४ चन्द्र ता० २ अक्टूबर—तिथि क्षय दो दिन के अन्दर मंदा लायेगी जिन वस्तुओं में अच्छी मंदी आ जाय उनका खरीदना ठीक रहेगा सोना चांदी खाँड गुड शक्कर चावल मन्दे होकर तेज होंगे।

वदी ३० मंगल ता० ३ अक्टूबर—यांग का क्षय आज का दिन भी दोतरफा घटाबड़ी का रहेगा। जिन वस्तुओं में मंदी रहें उनको खरीदना बुधवार में लाभ हो जायेगा। अमावस्या मंगल वारो व्यापार में दंगल मचायेगी।

आश्विन शुक्लपक्ष फलम्

सुदी १ बुध ता० ४ अक्टूबर—रुई कपास तिलहन के भावों में १५ दिन में काफी उलटफेर होगा सावधानी से व्यापार लाइन देखकर अपना व्यापार सुधारना। सन्निकट का युद्ध और वर्षा मंदा ला सकती है।

सुदी २ गुरु ता० ५ अक्टूबर—आज चन्द्र दर्शन उत्तरश्रृङ्गी मु० १५ वायुमण्डल में होगा। मास १ के अन्दर सफेद पीला वस्तुओं के भाव तेज होंगे मंडल का फल भावों को डमाडोल करता रहेगा। मंदे में खरीदकर तेज में बेचने से तारोनी करने वाले लाभ उठायेंगे।

सुदी ३ शुक्र ता० ६ अक्टूबर—अलसी अरहर मटरा चना जौ गेहूँ खांड़ गुड़ सोना चांदी तेज होंगे सुबह खरीदो और शाम को बेचो।

सुदी ४ शनि ७ अक्टूबर—दोपहर के १ बजे तक जिन वस्तुओं में मन्दी आजाय उनको खरीदना शाम तक तेजी आयेगी। लाहा सरसों अलसी अरंडा तैल अलसी तैल मूंगफली अरहर चना मटरा घी देशी वेजीटेबिल तेज।

सुदी ५ रवि ता० ८ अक्टूबर—आज अवकाश है।

सुदी ६-७ चन्द्र ता० ९ अक्टूबर—तिथि का क्षय सभी वस्तुओं में तेजी आयेगा। दैवी प्रकोप से फसल को हानि होगी। कहीं-कहीं कलह काण्ड से भारी हानि होगी। तैल तिलहन अनाज गुड़ खांड़ चावल चांदी घी तेज। रुई पाट वारदाना मंदे।

सुदी ८ मंगल ता० १० अक्टूबर–आज का बाजार सोमवार के विपरीत रहेगा। दोपहर के १ बजे से लाइन पलट जायेगी। चित्रा में सूर्य रात्रि को आया। चित्र विचित्र सभी प्रकार के धान्यों में तेजी आयेगी।

सुदी ९ बुध ता० ११ अक्टूबर—रुई पाट वारदाना शेयर्स धनिया जीरा सोंफ हल्दी सोना चांदो तेज। चना अरहर मटरा ग्वार बाजरा जौ गेहूँ तैल अलसी सरसों लाहा अलसी तेज।

सुदी १० गुरु ता० १२ अक्टूबर—विशाखा पर बुध चार दिन के अन्दर सभी वस्तुओं में उलटफेर होगा दो दिन तेजी दो दिन मन्दी। पहिली मन्दी में खरीदना और पहिलो तेजी में बेचना। यहाँ से कोई मोटी लाइन निकलेगी।

सुदी ११ शुक्र ता० १३ अक्टूबर–मूल धनु में मंगल इमारतो लकडी काष्ठ और पत्थर के सामान सभी तेज होंगे। अलसी अरंडा सरसों लाहा चना तैल अलसो तैल मूंगफली में तेजी आयेगी। शाम को पंचक प्रारम्भ।

सुदी १२ शनि ता० १४ अक्टूबर—तिथि बृद्धि सभी वस्तुओं में मंदा लायेगी शामतक जिन वस्तुओं में अच्छा मंदी आ जाय उनको खरोदना अच्छा है। तेजी में बेचकर शाम को खरीदना।

सुदी १२ रवि ता० १५ अक्टूबर - आज अवकाश है।

सुदी १३ चन्द्र ता० १६ अक्टूगर—आज का दिन दोतरफा घटावढ़ी का रहेगा। जिन वस्तुओं में १ बजे तक मंदो आ जाय उनको खरीद लेना शाम को फिर तेजी आयेगी।

सुदी १४ मंगल ता० १७ अक्टूबर—आज तुला की सक्रान्ति रात्रि के ४॥ वजे मु० ३० वरुण मंडल में लगेगी। इस संक्रान्ति

के १ मास में सभी वस्तुओं में जोरदार घटाबढ़ी निकलेगी। मुहुर्ता का फल पहिले तेजी लाकर मंदी लायेगा। बार का फल लाल वस्तुओं में एवं लाल मिर्चों में अलसी अरंडा चना अरहर सोना तांबा गुड़ खांड़ शक्कर तेज होंगे। मण्डल का फल कई वस्तुओं में मंदी का झटका लायेगा। सरसों लाहा कपास रुई सन में तेजी अवश्य जायेगी। मंगलवार का फल प्रजा में आतंक उपद्रव कलह कांड एवं रोग शोक सन्तापकारी जानना। आज का दिन घटाबढ़ी से तेजी कारक रहेगा।

सुदी १५ बुध ता० १८ अक्टूबर–दिन के २ बजे पंचक समाप्त आज चन्द्र ग्रहण खग्रास दिन १ बजकर ५५ मिनट पर आकाश में पड़ना प्रारम्भ होगा। और इसका मोक्षकाल ५ बजकर ३५ मिनट पर होगा। जहां पर सूर्यास्त ५·३५ से पहले होगा वहां दिखलायी देगा। सर्वत्र दिखाई न देगा।

आश्विन मास का सारांश

इस मास में ५ मंगल और ५ बुधवार पड़े हैं जिससे अनाज गल्ला तिलहन तैल मूंगफली घृत तैल अलसी बेजीटेबिल गुड़ खांड़ चावल सरसों लाहा सोना चांदी रुई कपास में घटाबढ़ी के साथ तेजी आयेगी ता० २५ सितम्बर और ता० ४-६-१२-१७ अक्टूबर से मोटी घटाबढी निकलेगी मंदी में खरीदकर तेजी से लाभ उठाना। ता० २१-२३-२५ सितम्बर और ता० २-३-६-८-१०-१३-१७ अक्टूबर में अच्छी घटाबढी निकलेगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १९ से २१ सितम्बर तक तेज। ता० २२ से २५ तक घटाबढी से मन्दे। ता० २५ के दोपहर से ता० २९ के दोपहर

तक तेज । ता० ३० से ३ अक्टूबर तक मन्दे । ता० ४ से ६ तक बाजार मजबूत । ता० ७ से १० तक तेज । ता० ११ से १४ तक मन्दी में खरीदना । ता० १५ से १८ तक तेज होंगे ।

नोट— इस मास चांदी में १०) ११) और सोना में ५) ६) की घटाबढी से तेजी आयेगी । ता० २५ सितम्बर से २५.दिन तक चांदी में तेजी का योग बनता है ।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १९ से २२ सितम्बर तक घटाबढी से मन्दे । ता० २३ से २६ तक तेज । ता० २७ से ३० तक मन्दे । ता० १ से ४ अक्टूबर तक बाजार नरम । ता० ५ से ९ तक तेज । ता० १० से १२ तक मन्दे । ता० १३ से १८ तक घटाबढी से तेज होंगे ।

नोट—इस मास आदि अन्त के १०-१० दिन तेजी के रहेंगे । और मध्य के १० दिन मंदी में जायेंगे । २०) २५) टके के फेर में बाजार घूमता रहेगा । ता० ४ अक्टूबर से सूत वस्त्र कपास में तेजी का योग है ।

गुड खांड शक्कर

ता० १९ सितम्बर से २२ तक मन्दे । ता० २३ से २६ तक तेज ता० २७ से २९ तक मन्दे । ता० ३० से ३ अक्टूबर तक घटाबढी से मजबूत । ता० ४ से ९ तक तेज । ता० १० से १४ तक मन्दे । ता० १५ से १८ तक तेज ।

नोट—इस मास गुड़ में ३) खांड़ में ४) की मन्दी आने का योग बनता है । ता० २५ सितम्बर और ३ अक्टूबर के खरीदने से लाभ होगा ।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १९ से २३ सितम्बर तक घटाबढी से तेज। ता० २५ से २९ तक मन्दे। ता० ३० से २ अक्टूबर तक मन्दी में खरीदना ता० ३ से ९ अक्टूबर तक तेजी। ता० १० से १४ अक्टूबर तक मन्दे। ता० १६ से १८ तक तेज।

नोट—ता० २१ सितम्बर और ता० ३, ७, १५ अक्टूबर को खरीदने वाले लाभ उठायेंगे। ४) ५) कुन्टल की तेजी आने का योग बनता है। मन्दी में माल खरीदकर बेचना।

सरसों लाहा तिल तोरीया

ता० १९ से २२ सितम्बर तक घटाबढी से तेज। ता० २३ के दोपहर से २४ की शाम तक मन्दे। ता० ३० तक तेज। ता० २-३ अक्टूबर की मन्दी में खरीदना। ता० ४ से ६ अक्टूबर तक तेज। ता० ७ की मन्दी में खरीदना। ता० १० अक्टूबर को बेचना। ता० १३ को खरीदकर ता० १७ अक्टूबर को बेच देना।

नोट—इस मास भी ५) ७) कुन्टल की तेजी होना पाया जाता है। जब भी १) २) की मंदी का झटका आवे माल खरीद कर बैठना। ता० २१ सितम्बर और २३ अक्टूबर माल खरीदने का अच्छा दिन है।

पाट बारदाना हैसियन

ता० १९ से २१ सितम्बर तक मंदे। ता० २२ से २७ तक

तेज। ता० २८ से ३० तक मंदे। ता० २ से ९ अक्टूबर तक घटाबढी से तेज होंगे। ता० १० से १२ तक मन्दे। ता० १३ से १५ तक तेज। ता० १६ से १८ तक तेज।

नोट—इस मास घटबढ दोतरफा होगी। ता० २५ सितम्बर और १४ अक्टूबर खरीदने का अच्छा दिन है।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १९ से २३ सितम्बर तक घटाबढी से २) ३) तेज। ता० २५ से घटाबढी जोर की निकलेगी। ता० २६-२७ की मंदी में खरीदना ता० २८ से ३० तक तेज। ता० १ से ३ अक्टूबर तक की मंदी में खरीदना। ता० ४ से ९ अक्टूबर तक तेज। ता० १० से १४ तक दोतरफा घटाबढी रहेगी। ता० १६ से १८ अक्टूबर तक तेज।

नोट—ता० २५ सितम्बर के खरीदने वाले २५ दिन के अन्दर मोटा लाभ उठायेंगे।

घृत तैल वेजीटेबिल किराना

ता० १९-२० सितम्बर की मन्दी में खरीदना ता० २८ सितम्बर तक तेजी। ता० २९ से २ अक्टूबर तक मंदी में खरीदना ता० ३ से ९ अक्टूबर तक तेजी। ता० १० से १२ तक मंदी में खरीदना ता० १३ से १८ अक्टूबर तक तेज।

नोट—ता० २५ सितम्बर और २ अक्टूबर को खरीदने से शीघ्र लाभ होगा।

आश्विन मास की शकुनावली

ता० २६ सितम्बर में मंगलवार का होना सरसों लाहा अलसी अरंडा तैलवाना में आगे अच्छी तेजी लायेगा।

ता० ३ अक्टूबर में मंगलवारी अमावश तेजी का दंगल मचायेगी।

ता० ११ अक्टूबर में बुधवार का होना लाहा सरसों अलसी अरंडा तैल अरहर मटरा चना शीघ्र तेजी लायेगा।

ता० १८ का चन्द्र ग्रहण होना व्यापारिक सभी वस्तुओं में उलटफेर अधिक करेगा। इसी दिन आकाश में बादल हों तो अनाज गल्ला तिलहन में अवश्य तेजी आये। आज निर्मल आकाश का होना अच्छी मंदी लाया करता है।

आश्विन मास में ग्रहों की युतियां

ता० २०-९-६७ रात्रि के ४॥ बजे चन्द्र शनि युति २४ घंटे में तेजी।

ता० २१-९-६७ रात्रि के ८ बजे चन्द्र राहु युति तेजी लायेगी।

ता० १-१०-६७ रात्रि के ४ बजे चन्द्र गुरु युति मंदी का झटका।

ता० ३-१०-६७ रात्रि के ३। बजे चन्द्र हर्षल युति तेजी होकर मन्दी।

ता० ४-१०-६७ रात्रि के २ बजे चन्द्र सूर्य युति २४ घन्टे की तेजी।

ता० ५-१०-६७ रात्रि के ८। बजे चन्द्र बुध युति मंदी से तेजी।

ता० ६-१०-६७ रात्रि के १० बजे चन्द्र नैपचून युति तेजी होकर मन्दी।

ता० ८-१०-६७ शाम के ७ बजे चन्द्र मंगल युति सोमवार को तेजी लायेगी।

ता० १७-१०-६७ प्रातः ६॥ बजे चन्द्र शनि युति अलसी तिलहन तेज।

आश्विन मास का विशेष योग

(१) ता० २५ सितम्बर ज्येष्ठा का मंगल २५ दिन के अन्दर गुड़ खांड़ शक्कर अलसी लाहा सरसों चांदी तेज।

(२) श्राद्ध पक्ष में तिथि की वृद्धि और नवरात्रों में तिथि का क्षय दैवी प्रकोप से प्रजा को कष्ट अनाज तिलहन तेज। कहीं युद्ध भय किसी राष्ट्र का छत्र भंग।

(३) सुदी १ को बुधवार एकमास के अन्दर तूफानी तेजी मन्दी निकलेगी।

(४) ता० ११ अक्टूबर चित्रा का सूर्य चना अरहर मटरा मसूर लाहा सरसों अलसी अरंडा तैलवाना दालवाना के सभी पदार्थों में १३ दिन के अन्दर अच्छी तेजी लायेगा।

आश्विन मास का मौसम

इस मास का मौसम अतिवृष्टि अनावृष्टि से कृषि को हानि कारक रहेगा। रोगोपद्रव से छोटे बालकों को कष्ट होगा।

ता० २१, २३, २७ सितम्बर २, ३, ६, १०, १४, १८ अक्टूबर में वायु बादल के साथ कहीं-कहीं अति वृष्टि कहीं-कहीं साधारण वृष्टि का योग है।

आश्विन मास का राशिफल

मेष राशि वालों को ता० १३ अक्टूबर तक का समय धैर्य और सन्तोष के साथ निकालना चाहिए। कहीं से अशुभ समाचार सुनने को मिलेगा शरीर में कष्ट। चौथे सप्ताह में लाभ।

वृष राशि वालों को इस मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारी दूसरा स्त्री को कष्ट। तीसरे में लाल काली वस्तु से लाभ चौथा सप्ताह कष्टकारी हानिकारी रहेगा।

मिथुन राशि वालों को लाल काली पीली वस्तु के व्यापार से लाभ होगा मास का दूसरा तीसरा सप्ताह विशेष लाभ-कारी। पहिला चौथा चिन्ताकारी हानिकारी रहेगा।

कर्क राशि वालों को मास का पहिला दूसरा सप्ताह सन्तान-पक्ष से चिन्ताकारी रहेगा। तीसरा चौथा सप्ताह व्यापार से लाभकारी रहेगा।

सिंह राशि वालों को इस मास का पहिला दूसरा सप्ताह कलह-कारी हानिकारी रहेगा तीसरे सप्ताह में चित्त को अशान्ति अवश्य रहेगी। चौथा सप्ताह लाभकारी जानना।

कन्या राशि वालों को इस मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी दूसरा तीसरा सप्ताह व्यापार से लाभकारी चौथा सप्ताह हानिकारी कलहकारी रहेगा।

तुला राशि वालों को मास का पहिला दूसरा सप्ताह में आर्थिक चिन्ता विशेष रहेगी। तीसरा सप्ताह व्यापार से लाभकारी चौथे में लाल काली वस्तु से लाभ होगा।

वृश्चिक राशि वालों को मास का पहिला दूसरा सप्ताह चिन्ताकारी कष्टकारी। तीसरे चौथे सप्ताह में लाभ साधारण होगा। पैसे की तंगी रहेगी।

धनु राशि वालों को मास का पहिला दूसरा तीसरा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी कष्टकारी रहेगा। चौथा सप्ताह व्यापार से साधारण लाभकारी रहेगा।

मकर राशि वालों को ता० १३ अक्टूबर तक अपने व्यापार को समेट कर शान्ति और सन्तोष के साथ समय निकालना ता० १६ से खोटी लाइन पड़ेगी। व्यापार में फसावट होगी।

कुम्भ राशि वालों को लाल काली सफेद वस्तु के व्यापार से लाभ होगा किसी काय की सिद्धि होगी कोई प्रसन्नता के समाचार मिलेंगे।

मीन राशि वालों को वदी पक्ष साधारण लाभकारी सुदी पक्ष चिन्ताकारी हानिकारी रहेगा। किसी मित्र से मिलाप होगा। यात्रा से हानि होगी। मास का तीसरा सप्ताह साधारण लाभकारी रहेगा।

आश्विन मास का बृतादि निर्णय

वदी ४ शुक्र २२ सितम्बर—श्री गणेश चतुर्थी बृतम्
वदी ११ शनि ३० सितम्बर—इन्दरा ११ वृ० सर्वेषाम्

वदी १२ रवि १ अक्टूबर—शिव प्रदोष वृतम्

वदी ३० मंगल ३ अक्टूबर—सर्व पैत्री ३०

सुदी १ बुध ४ अक्टूबर—नवरात्रारंभ श्री अग्रसेन जयन्ती

सुदी ८ मंगल १० अक्टूबर—श्री दुर्गाष्टमी वृ०

सुदी ९ बुध ११ अक्टूबर—श्री दुर्गा ९ सर० वि०

सुदी १० गुरु १२ अक्टूबर—विजया १०

सुदी ११ शनि १४ अक्टूबर—पापांकुशा ११ वृ० सर्वेषाम्

सुदी १२ रवि १५ अक्टूबर—प्रदोष वृतम्

सुदी १४ मंगल १७ अक्टूबर—चन्द्र वृत १५ शरद १५

सुदी १५ बुध १८ अक्टूबर—कार्तिक स्नान प्रारंभ चन्द्र ग्रहण

कार्तिक कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ गुरु १९ अक्टूबर—मघा ३ में गुरु उ० फा० ३ में हर्षल रुई पाट बारदाना रेशम कपास के भावों में अधिक घटाबढी रहेगी। गुड़ खांड़ शक्कर रुई सूत कपास जस्ता पीतल चांदी सोना तेज।

वदी २ शुक्र २० अक्टूबर—वक्री बुध गुड़ खांड़ शक्कर रुई पाट बारदाना जस्ता पीतल चांदी में आगे अच्छी तेजी आयेगी। अनाज गल्ला अरहर चना मटर अलसी सरसों में मंदी का झटका आकर तेजी।

वदी ३ शनि ता० २१ अक्टूबर—अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला लाहा सरसों तेज अरहर चना ग्वार मटरा मंदे। रुई पाट बारदाना रेशम गुड़ खांड़ चावल तेज।

वदी ४ रवि ता० २२ अक्टूबर—आज अवकाश है।

वदी ५ चन्द्र ता० २३ अक्टूबर—आज का दिन अच्छी घटाबढी का रहेगा। १२ बजे के बाद लाइन पल्टा खायेगी तेजी होकर मंदी आयेगी। गुड़ खांड़ शक्कर चांदी सोना पीतल जस्ता तेज होंगे।

वदी ६ मंगल ता० २४ अक्टूबर—स्वाति पर सूर्य दिन १३ में रुई वस्त्र कपास गुड़ खांड़ शक्कर सोना चांदी तेज। अनाज गल्ला अरहर मटरा अलसी अरंडा सींगदाना घटाबढी से मंदी।

वदी ७ बुध ता० २५ अक्टूबर—अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला लाहा सरसों चना गुड़ तिलहन वाना दालवाना मंदे। सोना चांदी धातुवाना अनाज गल्ला तेज होकर मंदे होंगे। १ बजे से लाइन पल्टा खायेगा।

वदी ८ गुरु ता० २६ अक्टूबर—पश्चिम में बुधास्त वायु बादल वर्षा से भावों में परिवर्तन होगा अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला तैल अलसी तैल मूंगफलो में तेजी कम मंदी विशेष।

वदी ९ शुक्र ता० २७ अक्टूबर—आज का दिन गुरुवार के विपरीत रहेगा। शाम तक जिन वस्तुओं में मन्दी आ जाय उनको खरीदना अच्छा है। रुई पाट बारदाना चांदी मंदे।

वदी १० शनि ता० २८ अक्टूबर—आज का दिन तैजी कारक रहेगा। घटा वढ़ी से सभी वस्तुओं में तेजी आयेगी। गुड़ खांड़ अलसी अरंडा लाहा सरसों बिनौला तैल अलसी तैल मूंगफली तेज होंगे।

वदी ११ रवि २९ अक्टूबर-आज अवकाश है।

वदी १२ चन्द्र ३० अक्टूबर- उत्तरा फाल्गुनी पर शुक्र अनाज गल्ला उर्द मूंग बाजरा गेहूँ चना मंदे। दोपहर के १ बजे से शाम तक मंदी का झटका आयेगा। चांदी सोना धातु वाना जस्ता के भावों में तेजी।

वदी १३ मंगल ता० ३१ अक्टूबर--गुड़ खांड़ शक्कर चावल लाहा सरसों अलसी अरंडा तेज होकर शाम को मंदे घी तैल वेजीटेविल तेज। रुई वारदाना धातुवाना में घटा बढ़ी चलेगी।

वदी १४ बुध ता० १ नवम्बर-आज का दीपावली महोत्सव सभी व्यापारी वन्धुओं को सुख शान्ति एवं लाभ दायक हो। जगत जननी श्री महालक्ष्मी जी से हमारी यही मंगल कामना है। सायंकाल मुहूर्त में खरीदने का व्यापार लाभदायक रहेंगा।

वदी ३० गुरु ता० २ नवम्बर—आज श्री गोर्वधन जी की पूजा और अन्नकूट महोत्सव के कारण अवकाश रहेगा।

कार्तिक शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १-२ शुक्र ३ नवम्बर—चन्द्र दर्शन मुहूर्त ३० उ० भू० भूमण्डल में होगा। रुई कपास वस्त्र रेशम चांदी सफेद वस्तुओं के भाव तेज होंगे। अलसी अरंडा तैल अलसी तैल मूंगफली धान्य तिलहन गुड़ खांड़ तेज होंगे।

सुदी ३ शनि ४ नवम्बर—उ० मा० ३ शनि आज दोपहर तक तेजी आकर शाम को मंदी आजायेगी। शाम की मन्दी में माल खरीदने वाले सोमवार में लाभ उठायेंगे।

सुदी ४ रवि ५ नवम्बर—आज अवकाश है।

सुदी ५ चन्द्र ६ नवम्बर—बिशाखा पर सूर्य बादल वायु का विकास होगा तिल तैल वेजीटेबिल तैल अलसी गुड़ खाँड़ शक्कर ग्वार बाजरा उर्द मूंग मसूर अरहर चना में तेजो आयेगी।

सुदी ६ मंगल ७ नवम्बर—बुध का पूर्व दिशा में उदय गुड़ खांड़ शक्कर अलसी लाहा सरसों सोना तांवा किराने की लाल वस्तुओं के भाव तेज यहां से भावों में परिबर्तन होना पाया जाता है।

सुदी ७ बुध ८ नवम्बर—बुध मार्गी रूई पाट वारदाना रेशम काली मिर्च में ८ दिन के अन्दर मदी आयेगी। गुड़ खांड़ तैल तिलहन दालवाना तेज। सोना चांदी धातुबाना जस्ता पीतल मंदे।

सुदी ८ गुरु ९ नवम्बर—रात्रि के १० बजे पंचकारम्भ गुरु वार में पंचक प्रारम्भ होना ५-७ दिन के अन्दर घटा वढी अच्छी लायेगा। जिन वस्तुओं में मंदी का झटका आजाय आगे उनको खरीद लेना।

सुदी ९ शुक्र १० नवम्वर—अश्वि० १ में राहु चित्रा ३ में केतु चित्र विचित्र सभी प्रकार के धान्य एवं तिलहन वाना में तेजो। रुई पाट वारदाना काली मिर्च मंदे।

सुदी १० शनि ११ नवम्बर—मघायां ४ गुरु आज के दिन दोतरफा घटा बढी निकलेगी। १२-१ बजे तक तेजी आकर शाम तक मन्दी आयेगी। गुड़ खाँड़ तिलहन के भाव मजबूत रहेंगे।

सुदी ११ रवि १२ नवम्बर--हस्ते शुक्र आज अवकाश है।

सुदी १२ चन्द्र १३ नवम्बर—आज ११ बजे तक जिन वस्तुओं में तेजी आय उनको बेचकर शाम के ४ बजे तक खरीदना। घटा बढी दोतरफा निकलेगी नजराने फलेंगे।

सुदी १४ मङ्गल १३ नवम्बर—यहां तक तेजी आयी हो तो गुड़ वेचना अच्छा है। अलसी अरंडा लाहा सरसों अरहर मसूर उर्द मूंग बाजरा तेज होकर मन्दे। रात्रि के ८ बजे पंचक समाप्त। सोना चांदी जस्ता पीतल मन्दे। तैल तिलहन तेज।

सुदी १४ बुध १५ नवम्बर—अरहर चना मसूर लाहा सरसों अलसी अरंडा शाम के ३ वजे से तेज होगें।

सुदी १४ गुरु ता० १६ नवम्बर—आज वृश्चिक की संक्रान्ति दिन के ४॥ बजे मुहुर्त्त १५ अग्नि मन्डल में लगेगी। एक मास के अन्दर गुड़ खाड़ सोना चांदी धातुवाना लाल पीली मिर्च धनिया जीरा सोंफ हल्दी के भावों में धमाका आयेगा। मन्दी आने पर खरीदना। तैल मूंगफली तैल अलसी, अलसी अरंडा सरसों लाहा वेजीटेविल तेज होकर मन्दे होंगे। गुड़ खांड़ रसादि पदार्थों में घटा बढी जोरदार निकलेगी बार का फल मन्दी का धमाका अवश्य लायेगा। १५ मुहुर्त्त का फल १५ दिन तेजी और १५ दिन मन्दी के रहेंगे। आयी हुई तेजी में माल बेचने वाले आयी हुई मन्दी में खरीदने वाले एक मास के अन्दर ही लाभ उठालेंगे। अग्नि मण्डल का फल संक्रान्ति के उत्तरार्द्ध में तेजी लाये बिना न रहेगा। आज तिथि की वृद्धि २॥ दिन के अन्दर कई वस्तुओं में मन्दी का धमाका लायेगी।

सुदी १५ शुक्र ता० १७ नवम्बर—गोला जायफल तिल तैल लाल मिर्च जोरा तेज। ज्वार बाजरा मक्का अरहर मसूर चना मन्दे। रुई रेशम बारदाना चांदी सोना के भावों में उतार चढाव होगा। गुड़ शक्कर चावल तैल अलसी तेज।

कार्तिक मास का सारांश

इस मास में ५ गुरुवार और ५ शुक्रवार पडे हैं। जिससे पश्चिमी प्रदेशों में हलचल रहेगी। सफेद और पीली वस्तु के व्यापार में घटाबढी अधिक निकलेगी ता० २० अक्टूबर की मंदी में रुई कपास सोना चांदी गुड़ खाड़ जस्ता पीतल के खरीदने वाले लाभ उटाऐंगे। ता० १ नवम्बर से अलसी चावल रुई चांदी में मन्दी का योग है ता० ३ नवम्बर से अलसी अरंडा लाहा सरसों में तेजी आयेगी। ता० १० नवम्बर से रुई सन सूत बारदाना चांदी जस्ता पीतल में आठ दिन के अन्दर मन्दी का धमाका आयेगा। यहां से गुड़ खांड़ शक्कर में तेजो और भी आ सकतो है। इस लिए फागुन वायदे का फालतू माल बेचना अभी ठीक नहीं। ता० २१-२४,२६,३० अक्टूबर और ता० १,३, ६, ११.१३, नवम्बर में अच्छी घटा बढो निकलेगी। तेजी मन्दी गली नजराने लगाने वाले लाभ उठाऐंगे।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १६ से २४ अक्टूवर तक घटाबढ़ी से तेज। ता० २५ से २८ तक मन्दे। ता० ३० से ३ नवम्बर तक तेज। ता० ४ से

६ तक मन्दे। ता० ७ से १० तक तेज। ता० ११ से १५ तक मन्दे। ता० १६ से तेज होगे।

(नोट इस मास चांदी में ७) ८) रु० किलो सोना में ६) ७) तोला की तेजी आकर मन्दी आयेगो। ता० २० २४ अक्टूबर खरीदने का अच्छा दिन है।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १९-२० की मंदी में खरीदना। ता० २१ से २५ अक्टूवर तक तेज। ता० २६ से ३१ अक्टूवर तक घटाबढी से मन्दे। ता० १ से ४ नवम्बर तक तेज। ता० ६ से ७ तक मन्दे। ता० ८ से १० तक तेज।

ता० ११ से १८ तक घटा बढी से मन्दे होंगे।

(नोट, इस मास रुई बायदे में २०) ३०) खंडी की तेजी आकर मन्दी आयेगी। वाबदा कपास में ३) ४) की मन्दी आकर तेजी आयेगी। हाजिर रुई के भाव बढेंगे। ता० ११ नवम्बर से हाजिर रुई में मन्दी आने का योग बनेगा। ता० २० अक्टूबर में खरीदकर ता० १० नवम्बर को बेच देना।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० १९-२० की मन्दी में खरीदना। ता० २१ से २५ अक्टूबर तक तेज। ता० २६ से २८ तक मन्दे। ता २९ से

३१ तक घटा बढी। ता० १ से ४ नवम्बर तक तेज। ता० ५ से ७ तक मन्दे। ता० ८ से १० तक तेज ता० ११ से मोटी तेजी मंदी निकलेगी। मंदी के लिए कम आशा है मोटी तेजी आ सकती है।

(नोट) इस मास ७) ८) किलो की इक तरफा मोटी लाइन निकलेगी। ग्रह योग तेजी का है आगे ईश्वर की इच्छा।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० २० की तेजी में बेचना। ता० २६ अक्टूबर तक मंदी आने पर खरीदना। ता० २७ से ३० तक तेज। ता० ३१ से २ नवम्बर तक मंदे। ता० ३ से ५ नवम्बर तक तेज। ता० ६ की शाम से १० नवम्बर तक मन्दे। ता० ११ से १४ तक तेज ता० १५ से १७ तक मंदे।

(नोट) इस मास ता० २० अक्टूबर से १६ नबम्बर तक ४).५) कुंटल की एक तरफा लाइन निकलेगी। इतनी मंदी आजाय तो साहस के साथ माल खरीद कर वैठना। इतनी तेजी आजाय तो माल बेचकर छोड़ देना १ मास के अन्दर लाभ हो जायेगा।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० १९ से २१ अक्टूबर तक तेज। ता० २३ से २६ तक मंदे। ता० २७ से ३० तक तेज। ता० ३१ से २ नवम्बर तक मंदे। ता० ३ से ६ नवम्वर तक तेज। ता० ७ से ९ तक मंदे। ता० १० से १४ तक तेज। ता० १५ से १७ तक मंदे।

नोट—इस मास को ग्रह योग देखते हुए लाहा सरसों में ५) ६) की एकतरफा तेजी आयेगी। तिलों में अधिक तेजी आ सकती है।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १६–२० की मंदी में खरीद कर ता० २३ को बेचना। ता० २४ से २६ तक मंदे। ता० २७ से ३० तक तेज। ता० ३१ से २ नवम्बर तक मंदे। ता० ३ से ५ तक मंदे। ता० ६ में मोटी घटाबढी ता० ७ से ९ तक मंदी में खरीदना। ता० १० से १४ नवम्बर तक तेज। ता० १५ से १७ तक मंदे।

नोट—इस मास में अलसी अरंडा वायदा अप्रैल के अन्दर एकतरफा १०) १२) कुन्टल की लाइन निकलेगी तब फिर बाजार घटाबढी का हो जायेगा।

पाट बारदाना हैसियन

ता० १९ से २१ अक्टूबर तक तेज। ता० २३ से २८ अक्टूबर तक मंदे। ता० ३० से २ नवम्बर तक घटाबढ़ी से मन्दी। ता० ३ से ७ नवम्बर तक मंदी। ता० १० से १३ तक मंदी। ता० १४ से १७ नवम्बर तक तेज।

नोट—बारदाना के भावों में घटाबढ़ी दोतरफा चलेगी। ता० २५ तक तेजी आवें तो बेचने से लाभ होगा।

घृत तेल वेजीटेबिल किराना

ता० १९ से २३ तक तेजी। ता० २४ से २८ तक मंदी।

ता० ३० से ३ नवम्बर तक तेजी। ता० ४ से ६ तक मंदी। ता० ७ से १२ तक तेज ता० १३ से १७ तक तेज।

नोट—तैल अलसी और तैल मूंगफली में घटाबढी से तेजो कायम रहेगी। बेजीटेविल में साधारण तेजी होकर भाव सुदी पक्ष में गिरजायेंगे। किराने की सफेद पीली वस्तुओं में तेजी रहेगी। ता० २१ से किराने में घटाबढी अच्छी चलेगी।

कार्तिक मास की शकुनावली

(१) ता० २०-२१ अक्टूबर में वर्षा का होना अगले चातुरमास में वर्षा अच्छी चाहता है।

(२) ता० २८ अक्टूबर को शनिवार का होना मनुष्यों में रोग वृद्धि हो।

(३) ता० २८ अक्टूबर को बादल वर्षा हो तो घी सुपारी जौ गुड़ गेहूँ तेज हों।

(४) ता० ३ नवम्बर को संध्या फूले आकाश में लाली भी दिखाई दे तो आगे मेघ वर्षा अच्छो हो।

(५) ता० ६ नवम्बर को चन्द्रवार का होना सुख शान्ति और सस्ताई चाहिए।

(६) ता० १२ नवम्बर को वर्षा बादल हो तो आगे चातुमास में श्रेष्ठ वर्षा।

(७) ता० १६ नवम्बर में भरणी नक्षत्र का होना तो प्रजा को कष्ट दुर्भिक्ष तेजी कारक जानना।

(८) कार्तिक मास में सूर्य चन्द्रमा का ग्रहण होना उलकापात अधिक तेज वाले तारों का टूटना बिजली गिरना। भूकम्प

होना प्रचंड वायु से धूली का उड़ना इत्यादि उत्पातो को देखकर अनाज गल्ला तिलहन खरीदने वाले लाभ उठाते हैं।

कार्तिक मास में ग्रहों की युतियां

ता० २८-१०-६७ रात्रि के ६।। बजे चन्द्र गुरु युति २४ घंटे में मंदा।

ता० ३०-१०-६७ रात्रि के ४। बजे चन्द्र शुक्र युति श्वेत वस्तु मन्दी।

ता० १-११-६७ शाम के ६।। बजे शुक्र प्लूटो युति चांदी रुई तेज। इसी दिन रात्रि के ९ बजे सूर्य प्लूटो युति कोई भारी दुष्काण्ड।

ता० २-११-६७ प्रात: ११।। बजे चन्द्र सूर्य युति तेजीकारक और प्रात: ६।। बजे चन्द्र बुध युति मंदीकारक दोतरफा घटाबढ़ी

ता० ३-११-६७ प्रात: १०। बजे चन्द्र नैप चून युति तेजी कारक जानना।

ता० ६-११-६७ दिन के ३।। बजे चन्द्र मंगल युति अच्छी तेजी लायेगी।

ता० ७-११-६७ दिन के ३। बजे शुक्र हर्षल युति रुई चांदी गुड़ तेज।

ता० १३-११-६७ प्रात: ८।। बजे चन्द्र शनि युति अलसी अरंडा सरसों तेज।

ता० १५-११-६७ रात्रि के २। बजे चन्द्र राहु युति घटाबढी से मन्दा लाये।

ता० १६-११-६७ प्रात: ८। बजे सूर्य नैप चून युति सोना चांदी तेज।

कार्तिक मास का विशेष योग

ता० २१ अक्टूबर में बुध वक्री २१ दिन के अन्दर रुई चांदी जस्ता गुड़ खांड़ में अच्छी तेजी। अलसी अरंडा सरसों लाहा में मोटी लाइन निकलेगी।

ता० २६ अक्टूबर में बुधास्त पाट बारदाना चांदी मन्दी। अलसी अरंडा लाहा सरसों अनाज गल्ला में मोटी घटाबढी करेगा।

ता० २९ अक्टूबर में वृश्चिक में नैपच्यून व्यापार की लाइन पल्टा खायेगी चारदिन के अन्दर जिन वस्तुओं में मंदी का धमाका आये उनको खरीदना।

ता० १० नवम्बर रात्रि को बुध मार्गी गुड़ खांड़ शक्कर अलसी चांदी घी तैल बेजीटेविल में मोटी घटाबढी करेगा।

आश्विन मास का मौसम

इस मास का मौसम अच्छा रहेगा। ता० २१, २६, २८ अक्टूबर और ता० १, ३, ६, १६ नवम्बर में वायु बादल के साथ मैसूर मद्रास दक्षिणी प्रान्त आसाम पूर्वोत्तरीय हिमाचल प्रान्त में वर्षा होने का योग है।

कार्तिक मास का राशिफल

मेष राशि वालों को इस मास स्त्री कष्ट ससुराल से चिन्ताजनक समाचार आयेंगे मास का पहिला दूसरा सप्ताह साधारण लाभकारी तीसरा चिन्ताकारी चौथा हानिकारी।

वृष राशि वालों को इस मास अधिक परिश्रम करने पर भी उत्तम लाभ न होगा। कोई अशुभ समाचार सुनायी देंगे। शरीर में कष्ट चिन्ता हानि व्यय की अधिकता रहेगी।

मिथुन राशि वालों को घर में कलह स्त्री कष्ट लाभ साधारण काली पीली वस्तु से हानि। लाल सफेद वस्तु से लाभ होने का योग है। यात्रा असफल रहेगी।

कर्क राशि वालों को इस मास लाल कालो श्वेत वस्तु से लाभ होगा शत्रुओं का मान मर्दन शरीर में आलस्य या कुछ कष्ट। कलह से दूर रहना चाहिए।

सिंह राशि वालों को इस मास चित्त में अशान्ति बुद्धि चलाय-मान रहेगी मास का पहिला चौथा सप्ताह लाभकारी। तीसरा चौथा सप्ताह चिन्ताकारी।

कन्या राशि वालों को इस मास ग्रह कलेश लड़ाई दंगा से चित्त को संताप मित्रों से अनवन अधिक प्रयत्न करने पर भी व्यापार से मोटा लाभ होना कठिन है।

तुला राशि वालों को इस मास लाल काली सफेद वस्तु के व्यापार से लाभ होगा चित्त को प्रसन्नता होगी किसी कार्य की सिद्धि होगी। मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभकारी।

बृश्चिक राशि वालों को इस मास लाभ कम हानि विशेष रहेगी द्रव्य की चिन्ता बनी रहेगी मास का दूसरा सप्ताह में कुछ लाभ हो जायेगा।

धनु राशि वालों को शारीरिक चिन्ता उदर पीड़ा लाल वस्तु

के व्यापार से साधारण लाभ। मास का तीसरा चौथा सप्ताह लाभकारी रहेगा।

मकर राशि वालों को इस मास व्यापार कम करना चाहिए मोटा लाभ हो नहीं सकता सन्तोष से समय निकालिये। मोटा व्यापार से मोटी हानि होने का योग है।

कुम्भ राशि वालों को इस मास लाल काली हरी वस्तु के व्यापार से लाभ रहेगा। मास का पहिला दूसरा तीसरे सप्ताह में लाभ होगा किसी कार्य को सिद्धि होगी चित्त में प्रसन्नता होगी।

मीन राशि वालों को इस मास राजद्वार से भय और व्यापार से चिन्ता रहेगी। शारीरिक चिन्ता तो चल ही रही है।

कार्तिक मास का वृतादि निर्णय

वदी ४ रवि ता० २२—श्रीगणेश ४ कर्क ४ वृतम् चन्द्रोदय ८-५ पर।

वदी ८ गुरु ता० २६—अहोई अष्टमी वृतम् सर्वेषाम् (सबके लिए)।

वदी ११ रवि ता० २९—रमा ११ वृतम् स्मार्त भागवतानाम्

वदी १३ मंगल ता० ३१—प्रदोष वृत धन्वतरि त्रयोदशी यमदीपदानम्

वदी १४ बुध ता० १—दीपावली श्रीलक्ष्मी पूजनम्

वदी ३० गुरु ता० २—अमावश शायंकाले अन्नकूट श्रीगोवर्धन पूजा।

सुदी १ शुक्र ता० ३—भातृ द्वितीया यम

सुदी ८ गुरु ता० ९—गोपाष्टमी

सुदी ९ शुक्र ता० १०—अक्षय ९ कूष्माण्ड ९

सुदी ११ रवि ता० १२—प्रवोधिनी ११ वृतम् सर्वेषाम्

सुदी १३ मंगल ता० १४ भौम प्रदोष वृतम् (बाल दिवस)

सुदी १४ बुध ता० १५ - बैकुण्ठ चतुर्दशी वृतम्

सुदी १४ गुरु ता० १६—वृश्चिक सक्रान्ति पुण्य दिनम् सत्य वृत १५ ।

सुदी १५ शुक्र ता० १७-स्नानी १५ कार्तिक स्नान समाप्त।

मार्गशिर कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ शनि ता० १८ नवम्बर—उ० षा० में भौम गुड़ खांड़ शक्कर अलसी लाहा सरसों तैल वाना दाल वाना तेज। रुई पाट बारदाना काली मिर्च लाल मिर्च धनिया जीरा हल्दी मंदी। अनाज गल्ला अरहर मटरा तेज होकर मंदे।

वदी २ रवि ता० १९ नवम्बर—आज अवकाश है।

वदी ३ चन्द्र ता० २० नवम्बर—आज का दिन दोतरफा घटाबढी का रहेगा जिन वस्तुओं में १ बजे तक मन्दी रहे उनको खरीदना जिनमें तेजी आवे तो उनको बेचना। शाम तक लाभ हो जायेगा।

वदी ४ मंगल ता० २१ नवम्वर—अरहर चना ग्वार मटरा मसूर उर्द मूंग में मन्दी का झटका आयेगा। अलसी अरंडा मूंगफली बिनौला बेजीटेबिल तेज। रुई कपास पाट बारदाना सन काली मिर्च मन्दे।

वदी ५ बुध ता० २२ नवम्बर—आज का दिन मंगलवार के विपरीत रहेगा। जिन वस्तुओं में शाम तक मन्दी आ जाय उनको खरीदना। बुधवार में लाभ होने पर बेचना।

वदी ६ गुरु ता० २३ नवम्बर—मकर में मंगल गुड खांड शक्कर घी तैल तिलहन में तेजी लायेगा। अनाज गल्ला गेहूँ जौ चना अरहर मटरा में १० दिन के अन्दर लाभ हो जायेगा। १० दिन में मन्दी आने पर खरीदना।

वदी ७ शुक्र ता० २४ नवम्बर—विशाखा में बुध चार दिन के अन्दर गल्ला तिलहन में उलटफेर होगा पहले मन्दी आकर तेजी आयेगी। घी तैल तिलहन चाँदी सोना तेज गुड़ खांड़ शक्कर रुई बारदाना तेज।

वदी ८ शनि ता० २५ नवम्बर—चित्रा में शुक्र २॥ दिन के अन्दर अनाज गल्ला तिलहन घी तैल में मन्दी लायेगा। मन्दी में खरीद लेना।

वदी ९ रवि ता० २६ नवम्बर—आज अवकाश है।

वदी १० चन्द्र ता० २७ नवम्बर—आज १॥ बजे तक जिन वस्तुओं में मन्दी आ जाय उनको खरीद लेना। २ बजे से गुड खांड अलसी अरंडा सरसों तैल वेजीटेविल तेज होंगे।

वदी ११ मंगल ता० २८ नवम्बर—आज का दिन दोतरफा का घटा बढ़ी का रहेगा शनि शुक्र के प्रति योग से २ बजे तक तेजी आकर शाम को मन्दी आजायेगी ज्वार बाजरा मक्की ग्वार मन्दे। धातुवाना मन्दे होंगे।

वदी १२–१३ बुध ता० २९ नवम्बर–तिथि का क्षय २ दिन के अन्दर सभी वस्तुओं में मन्दी आयेगी मन्दी आने पर खरीदने से लाभ होगा। ।

वदी १४ गुरु ता० ३० नवम्बर–योग का क्षय घी तैल तिलहन गुड़ खांड़ अलसी अरंडा तैल अलसी मन्दे होकर तेज होंगे ।। ११–१२ बजे खरीदने से शाम तक लाभ।

वदी ३० शुक्र ता० १ दिसम्बर— वृश्चिक में बुध तुला में शुक्र रुई पाट बारदाना सूतली मन्दी लाकर तेजी लायेगा। धातुवाना में घटा बढी चलेगी घी गुड़ खाँड़ तैल अलसी के भाव बढ़ेंगे ।

मार्गशिर शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १ शनि ता० २ दिसम्बर—ज्येष्ठा में सूर्य अलसी सरसों लाहा तिल तोरीया तैल के बीज़ों में तेजी होगी। गुड़ खांड़ शक्कर तेज होंगे। इस पक्ष वाड़े में रुई में मन्दी आयेगी चांदी सोना मन्दे होकर तेज होंगे। किराने की काली वस्तु तेज ।

सुदी २ रवि ता० ३ दिसम्बर—आज अबकाश है। आज ही चन्द्र दर्शन मु० ३० उ० अं० वारुड़ मण्डल में होगा।

सुदी ३ चन्द्र ता० ५ दिसम्बर—सभी वस्तुओं में मन्दी का धमाका आकर शाम को तेजी आयेगी। अलसी अरंडा गुड़ खांड़ चांदी तैल अलसी १ बजे से तेज होंगे। तैल मूंगफली वेजीटेबिल मन्दे ।

सुदी ४ मंगल ता० ५ दिसम्बर—अनुराधा का बुध १।। बजे तक मन्दी का झटका आयेगा। शाम को तेजी आजायेगी। चांदी सोना पट वारदाना रुई मन्दे। तैल मूंगफली वेजीटेबिल देशी घी जीरा धनियां लाल मिर्च मन्दे। बुधास्त

सुदी ५ बुध ता० ६ दिसम्बर—पंचक प्रारंभ श्रवणमें मंगल अलसी अरहर सरसों लाहा अरंडा तैल अलसी तेज। मसूर में आगे अच्छी तेजी आयेगो। सोना तांवा लाल मिर्च तेज अन्य वस्तुओं में मन्दी।

सुदी ६ गुरु ता० ७ दिसम्बर—जौ गेहूँ चना मटरा अरहर लाहा सरसों तेज। तैल तिलहन बाना में घटा बढी अच्छी निकलेगी। रुई कपास मन्दे। धातुबाना और किराने की लाल काली श्वेत वस्तु में तेजी आयेगी। स्वातिका शुक्र श्वेत वस्तुओं मन्दा।

सुदी ७ शुक्र ता० ८ दिसम्बर—आज का दिन घटा बढी से तेजी कारक रहेगा। गेहूँ चना अरहर गुड़ अलसी सरसों लाहा तेज। सोना चांदी पाट वारदाना हेसियन रुई कपास मन्दे।

सुदी ८ शनि ता० ९ दिसम्बर—शनि मार्गी रुई कपास में घटा बढी से मन्दी आयेगी। प्रातः बाजार तेज खुलेगा शाम को मन्दी में बन्द होगा। अलसी तैल तिलहन वाना दालवाना मन्दे होंगे।

सुदी ९ रवि ता० १० सितम्बर—आज अवकाश है।

सुदी १० चन्द्र ता० ११ दिसम्बर—रात्रि को पंचक समाप्त गेहूं चना अलसी अरहर मटरा मसूर उर्द मूंग तैल अलसी तेज । अन्य वस्तुओं में साधारण तेजी रहेगो ।

सुदी ११ मंगल ता० १२ दिसम्बर—ज्येष्ठा में वृध अनाज गल्ला तेल तिलहन सोना चांदी गुड़ खाँड़ में पहले मन्दी आयेगी । पहिले तेजी के उछाले में बेचकर बाद में मन्दी में खरीदना चाहिए ।

सुदी १२ बृध ता० १३ दिसम्बर—आज का दिन दोतरफा घटा बढ़ी का रहेगा नक्षत्र की वृद्धि २४ घंटे में मन्दी लाकर पीछे तेजी लाऐगी । गुड़ खांड़ में मन्दी आना प्रारंभ हो जायेगा ।

सुदी १३ गुरु ता० १४ दिसम्बर—आज सुबह बाजार मन्दे खुलेंगे मन्दी में माल खरीदना शाम तक तेजी आजाऐगी । किराने की लाल पीली वस्तुओं में मन्दी आयेगी ।

सुदी १४ शुक्र ता० १५ दिसम्बर—आज धनु की संक्रान्ति रात्रि के ६।। बजे मुहुर्ता ४५ भूमण्डल में लगेगी । १ मास के अन्दर सभी वस्तुओं में घटा बढी जोरदार निकलेगी । श्वेत और काली वस्तुओं में तेजी आयेगी वार का फल रुई कपास चांदी तेज होकर मन्दी अलसी सरसों तिल तैल अलसी तैल मूंगफली देशी घी तथा वेजीटेविल लाहा सरसों के भाव तेज होने लगेंगे । मु० ४५ का फल १५ दिन मन्दी और १५ दिन तेजी लायेगा । उर्द मूँग धान्य तिल तैल घृत तेज अवश्य होंगे वर्षा पानी भी बहुत स्थानों पर हो जायेगा । पहिले १५ दिन

में जिन वस्तुओं में मन्दी आजाय सूर्य संक्रान्ति के ऊपर शनि और गुरु की दृष्टि है। अतः शनि की कृपा से तेजी आये बिना न रहेगी। और गुरु की कृपा से मन्दी का एक धमाका ऐसा आयेगा कि तेजी वालों को अपना माल काटना पड़ेगा। उस मन्दी में साहस के साथ खरीदने वाले दो मास के अन्दर अच्छा लाभ उठाऐंगे।

सुदी १५ शनि ता० १६ दिसम्बर-आज दोपहर के १॥ बजे तक मन्दी आजाय उनका खरीदना लाभ कारी रहेगा। अलसी अरंडा लाहा सरसों तैल अलसी गुड़ चावल धान अरहर मटरा में तेजी आयेगी।

मार्गषिर मास का सारांश

इस मास में ५ शनिवार पड़े है। जिनका फल चीन जापान अमरीका का आदि देशों में फसल को हानि युद्ध आदि के उपद्रव के समाचार सुनायी देंगे। जिससे भावों में यहां भी काफी उलट फेर होगा: कोई वस्तु ऊपर को जाऐगी और कोई कोई नीचे को। पक्का ध्यान अभी अनिश्चित है। उस समय केबाजार भावों को देखने से पता चलेगा। किन किन वस्तुओं में कितनी तेजी आ चुकी है। और किन किन वस्तुओं में मंदी आ चुकी है। ता० १८ नवम्बर से तैल तिलहन काली वस्तुओं के भाव तेज होंगे। ता० २३ नवम्बर से ज्वार बाजरा मक्की अनाज गल्ला मन्दी आने का योग बनता है। ता० ३० नवम्बर से गुड़ खांड़ शक्कर में तेजी का योग बनेगा। ता० ४ दिसम्बर से गुड़ खांड तैल तिलहन सरसों लाहा में तेजी आने का योग

है। ता० ५ से रुई कपास पाट बारदाना में मन्दी आयेगी। ता० ६ दिसम्बर से गेहूं चना में तेजी का योग बनता है ता० ६ से तैल तिलहन अलसी अरन्डा जोरदार लाइन निकलेगी। ता० १२ से गुड़ खांड चांदी सोना रुई कपास गल्ला तिलहन मन्दे होंगे। ता० १८, २०, २३, २५, २६, नवम्बर और २४. ७ ६, १२, १४ दिसम्बर में अच्छी घटा बढी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १६ से २१ नवम्बर तक मन्दे। ता० २२ से २५ तक तेज। ता० २७ से ३० तक मन्दे। ता० १ से ४ दिसम्बर तक तेज। ता० ५ से ७ तक मन्दे। ता० ८ से ११ तक तेज। ता० १२ से १६ दिसम्बर तक मन्दे।

नोट—वदी पक्ष में भाव घटा बढी से मजबूत रहेंगे। सुदी पक्ष में घटा बढी के साथ ५) ६) की मन्दी का योग है।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १८ से २१ नवम्बर तक मन्दे। ता० २२ से २५ तक तेज। ता० २५ से २६ तक मन्दे। ता० ३० से ४ दिसम्बर तक तेज ता० ५ से ६ दिसम्बर तक मन्दे। ता० ११ से १३ घटा बढी से तेजी। ता० १४ से १६ तक मन्दी में खरीदना।

नोट—इस मास रुई बायदा में २०) की मन्दी आकर २५) की तेजी आयेगी। हाजिर रुई में ५) ६) मन की तेजी का योग

है। कपास में १५) कुन्टल की तेजी आने का योग है।

गुड खांड़ शक्कर

ता० १८ से २० नवम्बर तक तेज। ता० २१से २३ तक मन्दे। ता० २४ से २७ तक तेज। ता० २८ से ३० तक मन्दे। ता० १ से ४ दिसम्बर तक तेज। ता० ५ से ८ दिसबंर तक मन्दे। ता० ९ से १२ तक तेज। ता० १३ से १६ दिसम्बर तक मन्दे।

नोट—गुड खांड खरीदने के लिये ता० १८ और २४ नवमर का दिन अच्छा है। ता० १२ दिसमबर से मन्दी आने की पूर्ण आशा है।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १८ से २० नवमर तक तेज। ता० २१ से २५ तक मन्दे। ता० २७ से २९ तक तेज। ता० ३० से २ दिसमबर तक मन्दे। ता० ४ से ७ दिसमबर तक घटा बढी से रुख मजबूत। ता० ८ से ११ तक तेज। ता० १२ से १५ दिसमबर तक मन्दे होंगे।

नोट—इस मास ४) ५) कुन्टल की घटा बढी निकलेगी। २) ३) की मन्दी आने पर खरीदना अच्छा है।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० १८ से २१ तक तेज होकर मन्दी में खरीदना। ता० २२ से २४ तक तेज। ता० २५ से २९ तक मन्दे। ता० ३० से ४ दिसम्बर तक तेज। ता० ५ से ८ तक मन्दे। ता० ८ की दोपहर से १२ तक तेज। ता० १२ से १६ तक घटाबढी से मंदे।

नोट—इस मास ३) ४) कुन्टल की मन्दी आकर ५) ६) कुन्टल की तेजी आने का योग बनता है। मन्दी में खरीदकर तेजी में बेच देना।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १८ से २० तक तेज। ता० २१ से २२ तक मन्दे। ता० २३ से २५ तक तेज। ता० २६ से २९ तक घटाबढ़ी के साथ मन्दी। ता० ३० से ४ दिसम्बर तक तेज। ता० ५ से ७ तक मन्दे। ता० ८ से १० तक तेज। ता० ११ से १३ तक घटाबढ़ी। ता० १४ से १६ तक मन्दे होकर तेज।

नोट—अलसी अरंडा वायदा में इस मास भी ८) १०) कुन्टल की घटाबढी निकलेगी। ध्यान अनिश्चित है। ग्रहचाल दोतरफा की चल रही है। उस समय का बाजार रुख और वर्षा पानी देखकर अपना ध्यान बनाना चाहिए।

पाट बारदाना हैसियन

ता० १८ से २४ नवम्बर तक मन्दे। ता० २५ से २८ तक तेज। ता० २९ से १ दिसम्बर तक मन्दे। ता० २ से तक तेज। ता० ५ ९ दिसम्बर तक मन्दे। ता० ११ १३ तक तेज। ता० १४ से १६ तक मन्दे।

नोट—इस मास घटाबढ़ी से बाजार मन्दा रहेगा। वदी पक्ष की मन्दी माल खरीदने वाले सुदी पक्ष में लाभ उठायेंगे।

घृत तैल वेजीटेबिल किराना

ता० १८ से २४ तक घटाबढी से तेजी। ता० २५ से ३० तक

घटाबढी से दन्दी। ता० १ से ४ दिसम्बर तक तेज। ता० ५ से ८ तक मन्दे। ता० ९ से १२ तक तेज। ता० १३ से १६ तक मन्दे रहेंगे।

नोट—ता० ८ दिसम्बर तक तैलों में तेजी और घी में मन्दी आयेगी। किराने में लाल पीली मिर्चों में मन्दी आयेगी। जीरा सौंफ कालीमिर्च में तेजी आयेगी।

मार्गषिर मास की शकुनावली

(१) ता० २१-२२ नवम्बर के दिन बादल हों तो आगे अच्छी वर्षा।

(२) ता० २९ नवम्बर में पाला पड़े तो आगे अच्छी वर्षा हो।

(३) ता० १ दिसम्बर को आकाश में बादल छाये रहें तो आगे तृण धान्य मंहगे हों।

(४) १५ दिसम्बर को धन की संक्रान्ति का लगना दुर्भिक्ष तेजी कारक जानना।

(५) ता० ८ दिसम्बर को बिजली चमके तो श्रावण में अच्छी वर्षा जानना।

(६) ता० १४ दिसम्बर को गुरुवार का होना आगे अच्छी तेजी लायेगा।

आश्विन मास में ग्रहों की युतियां

ता० २५-११-६७ प्रातः १०॥ बजे चन्द्र गुरु युति मंदा लायेगी।

ता० २७-११-६७ रात्रि के ४ बजे चन्द्र हर्षल युति २४ घंटे में मंदी।

ता० २८–११–६७ शाम के ३।। बजे चन्द्र शुक्र युति २४ घंटे में मन्दी।

ता० ३०–११–६७ रात्रि के ७।। बजे चन्द्र बुध युति मन्दा लायेगी।

ता० १-१२-६७ रात्रि के १० बजे चन्द्र सूर्य युति २४ घन्टे में तेजी।

ता० २–१२–६७ प्रातः ७ बजे बुध नैपचून युति गुड़ खांड़ अलसी तेज।

ता० ५–१२–६७ दिन के ३।। बजे चन्द्र मंगल युति मन्दा करके अलसी लाहा सरसों में तेजी लायेगी।

ता० १०–१२–६७ दिन के २।। बजे चन्द्र शनि युति तैल तिलहन तेज।

ता० १२–१२–६७ प्रातः ६।। बजे चन्द्र राहु युति घटाबढी से तेजी लाकर मन्दा करेगी।

मार्गशिर मास का विशेष योग

(१) इस मास में ५ शनिवारों का होना गुड़ खांड़ अलसी अरंडा लाहा सरसों तिल तैल अलसी में मोटी घटाबढ़ी करेगा।

(२) ता० २३ नवम्बर में मकर का भौम गुड़ खांड़ में तेजी अनाज गल्ला ज्वार बाजरा मक्का में मन्दी लायेगा।

(३) ता० ५ दिसम्बर में बुधास्त रुई बारदाना चांदी गुड खांड में मंदी का झटका आयेगा।

(४) ता० ६ दिसम्बर में श्रवण का मंगल २५ दिन के अन्दर दिशावरी मांग से गेहूं चना में तेजी निकलेगी।

मार्गशिर मास का मौसम

इस मास का मौसम खराब रहेगा। सर्दी अधिक पड़ने से बीमारी अधिक पड़ेगी। ता० १६, २३, २६ नवम्बर और ३, ५, ६, १०, १३, १४ दिसम्बर में बादलों का घिराव कहीं कहीं वर्षा पूर्वोत्तर प्रदेश दक्षिण प्रान्त पश्चिमी पाकिस्तान और मद्रास हिमाचल प्रान्त में वर्षा होने का योग है।

मार्गशिर मास का राशिफल

मेष राशि वालों को इस मास व्यापार से चिन्ता होते हुए भी लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ होगा। मास का पहिला चौथा सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी। २-३ लाभकारी।

वृष राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी दूसरे में साधारण लाभ। तीसरे में उत्तम लाभ चौथे में कोई नवीन चिन्ता प्रकट होगी।

मिथुन राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह लाभकारी दूसरा तीसरा चिन्ताकारी हानिकारी। चौथा अशान्ति कारक रहेगा। मोटा व्यापार भूल कर भी न करें।

कर्क राशि वालों को इस मास लाभ होकर हानि। स्त्री को कष्ट यात्रा से हानि। मास का तीसरा चौथा सप्ताह कुछ लाभ दे जायेगा।

सिंह रशि वालों को इस मास लाल काली हरी वस्तु के व्यापार से लाभ। मास का पहिला सप्ताह चिन्ता कारी। दूसरा तीसरा लाभकारी। चौथा शत्रु से हानि कारक रहेगा।

कन्या राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारी हानिकारी दूसरा तीसरा सन्तान से चिन्ताकारक रहेगा।

तुला राशि वालों को इस मास अधिक परिश्रम करने पर मोटा लाभ नहीं होगा। थोड़े व्यापार से थोडा लाभ अधिक व्यापार से अधिक हानि। ग्रह कलह से चित्त में अशान्ति रहेगी।

वृश्चिक राशि वालों को लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ मास का दूसरा तीसरा सप्ताह में अचानक लाभ होगा। मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारी। चौथा सप्ताह यात्राकारी।

धनु राशि वालों को इस मास लाभ होकर हानि होजायेगी। कोई न कोई खर्चे का काम नया निकलता रहेगा। हाथ में पैसा ठहरने नहीं पायेगा। सफेद पीली वस्तु से लाभ।

मकर राशि वालों को इस मास शारीरिक चिन्ता रहेगी। ग्रह कलह स्त्री कष्ट। मास का तीसरा चौथा सप्ताह लाभकारी रहेगा। चिन्ता बराबर बनी रहेगी।

कुम्भ राशि वालों को इस मास व्यय हानि चिन्ता हानि से परेशानी बढेगी। वायदा व्यापार से लाभ होना कठिन है। अतः व्यापार कम करना अच्छा रहेगा।

मीन राशि वालों को इस मास लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभकारी पहिला चौथा सप्ताह नेष्ट चिन्ताकारी।

मार्गशिर मास का बृतादि निर्णय

वदी ३ चन्द्र २० नवम्बर—गणेश चतुर्थी वृ०

वदी ८ शनि २५ नवम्बर—श्री महाकाल भैरवाष्टमी ८

वदी ११ मंगल २८ नवम्बर—उत्पन्ना ११ वृ० सर्वेषाम्

वदी १२ बुध २९ नवम्बर—शिव प्रदोष वृ० मल्ल १२

वदी ३० शुक्र १ दिसम्बर—अमावश पुण्य दिनम्

सुदी ११ मगल १२ दिसम्बर—श्री गीता जयन्ती मोक्षदा ११ वृ० सर्वेषाम्।

सुदी १३ गुरु १४ दिसम्बर—शिव प्रदोष वृतम्

सुदी १५ शनि १६ दिसम्बर—सत्य वृत १५ दत्त जयन्ती धनु संक्रान्ति पुण्य दिनम्।

पौष कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ रवि ता० १७ दिसम्बर—आज अवकाश है।

वदी २ चन्द्र ता० १८ दिसम्बर—विशाखा में शुक्र रुई पाट बारदाना अलसी लाहा सरसों अरहर चना ग्वार मक्की बाजरा मंदे। चांदी सोना धातुवाना जस्ता पीतल मंदे। अन्य वस्तुओं में साधारण तेजी आयेगी।

वदी ३ मंगल ता० १९ दिसम्बर—आज का दिन घटाबढी का रहेगा पहिले मंदी में खरीदकर तेजी में बेच देना। सोना चांदी तेज रुई कपास बारदाना बिनौला मंदे।

वदी ४ बुध ता० २० दिसम्बर-मूलधनु में बुध प्रातः बाजार तेज खुलेगा शाम को मंदा बन्द होगा। बाजार तेज खुले तो

बेचकर शाम को खरीदना। रुई कपास सोना चांदी मंदे। घी तैल बेजीटेबिल तेज। मक्का ज्वार बाजरा चना मटरा मंदे।

वदी ५ गुरु २१ दिसम्बर—रात्रि को गुरु वक्री होगा। यहां से भी कोई मोटी लाइन निकलेगी। सिंह राशि पर गुरु का वक्री होना प्रायः गल्ला तिलहन में मन्दी लाया करता है। आठ दिन के अन्दर जिन चीजों में अच्छी मन्दी आ जाय उनको खरीदना आगे चलकर लाभ होगा।

वदी ६ शुक्र २२ दिसम्बर—योग का क्षय रुई कपास सोना चांदी मन्दे अरहर चना ग्वार मटरा सरसों लाहा मन्दे। घी तैल बेजीटेबिल तेज।

वदी ७ शनि ता० २३ दिसम्बर—धनिष्ठा में मंगल गुड़ खांड़ शक्कर गेहूं चावल धान मूंगफली तेज। अरहर मटरा मसूर रुई कपास चांदी तैल अलसी मन्दे होकर तेज होंगे जिन वस्तुओं में १ बजे से मन्दी आजाय उनको खरीद लेना।

वदी ८ रवि ता० २४ दिसम्बर—आज अवकाश है।

वदी ९ चन्द्र ता० २५ दिसम्बर—अलसी तिल तैल तिलहन वाना मूंगफली गुड़ खांड़ तेज अरहर चना मटरा मसूर गेहूं चांदी सोना मंदे।

वदी १० मंगल ता० २६ दिसम्बर—आज का दिन घटावढी से तेजी कारक रहेगा। जिन वस्तुओं में मन्दी का धमाका आये उनको खरीदलेना। गुड़ तैल तिलहन तेज होंगे खांड़ धान चावल में मंदी आयेगी।

वदी ११ बुध ता० २७ दिसम्बर—आज २ बजे तक अच्छी घटाबढ़ी होगी। २ बजे पर जो वस्तु मंदी दिखलायी दे उनको खरीद लेना। २ बजे से तेजी आयेगी।

वदी १२ गुरु ता० २८ दिसम्बर—११ बजे तक तेजी रहे तो माल बेचना शाम तक मंदी आजायेगी। अलसी अरंडा सरसों लाहा तैल अलसी तेज होकर मंदे होंगे।

वदी १३ शुक्र ता० २६ दिसम्बर—पू० षा० में सूर्य योग का क्षय घी तैल तिलहन वेजोटेविल बिनौला गुड खाँड शक्कर चावल मूंगफली तेज। अन्य वस्तुओं में साधारण मन्दी रहेगी। पू० षा० में बुध वायु बादल की अधिकता से कहीं कहीं वर्षा।

वदी १४ शनि ता० ३० दिसम्बर—अनुराधा में शुक्र नक्षत्र का क्षय अनाज गल्ला तिलहन में कुछ मन्दी का झटका लाकर तेजी लायेगी। कुहू अमावस में शनिवार का होना तेजी कारक मूल नक्षत्र का होना मन्दी लाता है।

वदी ३० रवि ता० ३१ दिसम्बर—आज अवकाश है। कुम्भे भौमः

पौष शुक्लपक्ष फलम्

सुदी १-२ चन्द्र ता० १ जनवरी १९६८—तिथि क्षय आज चन्द्र दर्शन मुहुर्त ४५ उत्तर श्रङ्गी भू मंडल में होगा। मुहुर्ता का फल मन्दी लाकर तेजी लायेगा। सोमवार का चन्द्र दर्शन

रुई कपास चांदी एवं श्वेत वस्तुओं में तेजी लाया करता है।

सुदी ३ मंगल ता० २ जनवरी– आज दोपहर तक जिन वस्तुओं में मन्दी रहे उनको खरीदना घी तैल तिलहन गुड खांड शक्कर तेज। अलसी अरंडा मूंगफली बिनौला मन्दे। सोना चाँदी वस्त्र कपास तेज। अरहर चना ग्वार मटरा गेहूँ किराने की लाल सफेद वस्तुओं में तेजी।

सुदी ४ बुध ता० ३ जनवरी–दिन के १ बजे पंचक प्रारम्भ आज का दिन घटा बढी से तेजी कारक रहेगा। आज शाम को बन्द घन्टी से पहिले कल की तेजी मन्दी दोतरफा की गली लगाना। गुड खांड तिलहन में तीन दिन के अन्दर मोटी घटा बढी निकलेगी।

सुदी ५ गुरु ता० ४ जनवरी—दिन के २ बजे हर्षल वक्री तीन दिन के अन्दर जिन बस्तुओं में मन्दी आजाय उनको खरीद लेना। तीन दिन के पश्चात् तेजी आने लगेगी अलसी तिल तैल घृत सोना चांदी शाम की मन्दी में खरीदने चाहिए।

सुदी ६ शुक्र ता० ५ जनवरी –रुई पाट वारदाना बिनौला मन्दे। तैल अलसी तैल मूंगफली अरहर चना ग्वार मटरा तेज। गुड में मन्दी ला धमाका अवश्य आयेगा।

सुदी ७ शनि ता० ६ जनवरी–उ० षा० में बुध सोना चांदी अजसी अरंडा तैल अलसी अरहर चना ग्वार मटरा अलसो अरंडा शाम की तेजी में बेचना। गुड खांड में घटा बढ़ी चलेगी।

सुदी ८ रवि ता० ७ जनवरी—आज अवकाश है।

सुदी ८ चन्द्र ता० ८ जनवरी—तिथि वृद्धि प्रातः ८ बजे पंचक समाप्त गुड़ खाड में घटा वढी दोपहर की मन्दी में अरहर चना ग्वार मटरा गेहूँ खरीदना। घी तिल तैल सोना चांदी तेज। अलसी अरंडा तेज। दो दिन के अन्दर घटा बढी अच्छी होगी। मन्दी वस्तुओं को खरीदना।

सुदी ९ मंगल ता० ९ जनवरी–शते भौम: अनाज गल्ला गुड गेहूं अरहर चना मटरा मंदे। अलसी अरंडा मूंगफली बिनौला सोना चांदी रुई कपास वारदाना मन्दे।

सुदी १० बुध ता० १० जनवरी– ज्येष्ठा में शुक्र आज जिन वस्तुओं में मन्दी रहें उनका खरीदना लाभ दायक रहेगा। सोना चाँदी अलसी अरंडा घी तैल वेजीटेविल रुई कपास मन्दे होंगे। गुड़ खांड़ खरीदने से १३ दिन में लाभ होगा।

सुदी ११ गुरु ता० ११ जनवरी—रेवती ४ मीन में राहु चिन्ता २ कन्या में केतु सोना चांदी खांड़ गुड शक्कर लाहा सरसों तेज। तीन मास के अन्दर अलसी अरंडा में मोटी मन्दी। एक साल के अन्दर अलसी में भारी मन्दी।

सुदी १२ शुक्र ता० १२ जनवरी—अलसी अरंडा सींगदाना रुई कपास बिनौला तिल तैल मन्दे। सोना चाँदी खांड़ गुड़ शक्कर अरहर मटरा चना गेहूं तेज।

सुदी १३ शनि ता० १३ जनवरी—उ० भा० ४ में शनि

अलसी अरंडा सींग दाना में घटा बढी जोरदार चलेगी। तेजी के उछाले में बेचकर खरीदने का सिद्धान्त बनाइये। अनाज गल्ला गुड खांड शक्कर घी चावल तेज।

सुदी १४ रवि ता० १४ जनवरी—आज मकर की संक्रान्ति रात्रि के ६ बजे मुहूर्ता १५ वरुण मंडल में लगेगी। १ मास के अन्दर रसादि वस्तुओं के भाव घटा बढी से ऊंचे जाऐंगे। गुड़ खांड शक्कर बारदाना मक्का अरहर ज्वार बाजरा चना तेज होंगे। तैलों के भावों में पर्याप्त घटा बढी होगी। जिन वस्तुओं में पहिले १५ दिन के अन्दर मन्दी आजाय उनका खरीदना अच्छा है। पहिले १५ दिन में तेजी आने वाले पदार्थों को बेचना चाहिए। रविवार की सक्रान्ति १५ मुहूर्ता रसादि पदार्थों में तेजी अच्छी लाया करती है। भाव मन्दे दिखलायी दें तो गुड़ खांड खरीद लेना। किराने की लाल वस्तुओं में तेजी आयेगी। अलसी अरंडा मूंगफली के भाव तेजी के उछाले लेते हुए नीचे जाऐंगे। श्रवणे बुधः। आज अवकाश है। ३-४ दिन के अन्दर कई स्थानों में शीत लहर से अथवा ओला पाला पड़ने से वैसाखी फसल को हानि के समाचार मिलेंगे।

सुदी १५ चन्द्र ता० १५ जनवरी—सर्दी एक दम बढ़ेगी अरहर अलसी आलू सरसो लाहा घी फसल को कुछ सर्दी से नुकसान पहुंचेगा। जिससे बाजार में तेजी का जोश आयेगा। एक दो दिन देख कर माल को रोक कर बेचना चाहिए।

पौष मास का सारांश

इस मास में ५ रबिबार तथा ५ चन्द्रवार पड़े हैं। बादले

की सभी वस्तुओं में भारी घटा बढी होगी। विशेष गुड खांड चावल और सरसों लाहा अलसी अरंडा मूंगफली समस्त तैल के बीजों में साथ में अरहर चना मसूर मटरा गेहूं भी शामिल होंगे। ता० २१ दिसम्बर तक जिन वस्तुओं में तेजी आयी होगी वे आगे मन्दे होंगे जिन वस्तुओं में यहा तक मन्दी आयी होगी वे आगे तेज होंगे। यहां से सतर्क होकर व्यापार करना चाहिए ता० २६ दिसम्बर से गुड़ खांड़ शक्कर अलसी गेहूँ चांदी सूत कपास की तेजी का योग बनता है। ता० ४ जनवरी से तीन चार दिन में मन्दी का धमाका आयेगा उस मन्दी में खरीदना अच्छा रहेगा। ता० १० जनवरी से चांदी में मन्दी का झटका आकर आगे अच्छी मन्दी आयेगी ता० १२ जून से अलसी चाँदी तैल और पीले पदार्थों में मोंटी घटा बढी निकलेगी अलसी में मन्दी का वक्र चलेगा।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १८ से २१ तक तेज। ता० २२ से २५ दिसम्बर तक मन्दे। ता० २६ से २८ तक तेज। ता० २६ से ३१ तक मन्दे। ता० १ से ५ जनवरी तक तेज। ता० ६ से १० तक मन्दे। ता० ११ से १५ जनवरी तक तेज होंगे।

नोट—इस मास चांदी सोना में पौष वदी पक्ष में ५) ६) की मन्दी आकर सुदी पक्ष में इससे अधिक तेजो आजायेगी। ता० १, २ जनवरी और ता० ११, १२ जनवरी खरीदने का अच्छा दिन है।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १८ से २१ तक मन्दे। ता० २२ से २५ दिसम्बर तक तेज। ता० २६ २६ तक मन्दे। ता० ३० से ४ जनवरी तक तेज। ता० ५ से ८ जनवरी तक मन्दे। ता० ९ ११ तक तेज। ता० १२ से बहुत घटा बढी निकलेगी। पहिले मन्दी आयेगी फिर तेजी आयेगी। रुई वायदा में ३०)४०) खंडी की रुई हाजिर में ८) ९) मन की इकतरफा लाइन निकलेगी।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० १८ से २१ तक मन्दी में खरीदो। ता० २२ से २५ तक तेज। ता० २६ से ३० तक मन्दी में खरीदना। ता० १ जनवरी से ३ जनवरी तक तेजी का उछाला आकर ता० ४ की शाम से ६ जनवरी तक मन्दी का धमाका आयेगा इस मन्दी में खरीदना आगे लाभ होगा। ता० ८ से १५ जनवरी तक घटा बढी के साथ तजी आयेगी।

नोट—ता० ८ जनवरी खरीदने का अच्छा दिन है।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १८ दिसम्बर से २० तक घटा बढी से मन्दे। ता० २१ से २३ तक तेज। ता० २५ से २८ तक मन्दे। ता. २९ से २ जनवरी तक तेज। ता. ३ से ५ तक मन्दे ता. ६ से ८ तक

तेज होकर मन्दे। ता. ६ से ११ तक तेज। ता. १२ से १५ तक घटा बढी से तेज।

नोट—ता० २१ दिसम्बर और ६ जनवरी खरीदने का अच्छा दिन है।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० १८ दिसम्बर की मन्दी में खरीदना ता० २१ तक घटा बढी से तेज। ता. २२ से २५ तक घटा बढी से मन्दे। ता. २६ से २६ तक तेज। ता. ३० से १ जनवरी तक घटा बढी रहेगी। ता० २ की शाम को खरीदना ता० ४ के खुलते बाजार बेच देना। ता० ८ जनवरी को खरीद कर ता० १५ जनवरी में बेच देना।

नोट—इस मास ५) ६) रुपये कुन्टल की इक तरफा लाइन निकलेगी। मन्दी के झटका आते रहेंगे बाजार मजबूती में पड़ा रहेगा।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १८ दिसम्बर से ता० २१ तक घटाबढ़ी से तेज। ता० २२ से २५ तक मन्दे। ता० २६ से २८ तक तेज। ता० २६ से ३० की शाम तक मंदी में खरीदना। ता० १ जनवरी से ४ जनवरी तक तेज। ता० ५ से ८ तक मंदे। ता० ६ से ११ तक तज। ता० १२ से १५ तक मंदी आयेगी।

नोट—ता० ८ जनवरी से अलसी में अच्छी मंदी का योग बनेगा। अतः चतुर व्यापारियों का कर्तव्य है कि बाजार रुख प्रसंग देखते हुए चार पांच की मंदी में बेचकर ही धन्धा करना चाहिए। मार्च अप्रैल तक मोटी मंदी आ जावेगी। आगे श्री परमेश्वर जानें।

पाट बारदाना हैसियन

ता० १८ दिसम्बर से ता० २१ तक मंदे। ता० २२ से २८ दिसम्बर तक तेज। ता० २९ से २ जनवरी तक मंदे। ता० ३ से ८ जनवरी तक तेज। ता० ९ से १५ जनवरी तक घटाबढी से मंदे।

नोट—ता० १८ दिसम्बर बेचने का अच्छा दिन है ता० १२, १५ खरीदने का अच्छा दिन है।

घृत तेल वेजीटेविल किराना

ता० १८ से २१ तक घटाबढी से मंदे। ता० २२ से २६ दिसम्बर तक तेज। ता० २७ से ३० तक मंदे। ता० १ जनवरी से ४ जनवरी तक तेज। ता० ५ से ८ तक मंदे। ता० ९ से १२ तक तेज। ता० १३ से १५ तक मंदे।

नोट—ता० २१ दिसम्बर से देशी घी में तेजी आने का योग बनेगा। ता० १ जनवरी से तैलों में तेजी आने का योग बनेगा। किराने की लाल पीली काली मिर्च हल्दी मंदी। धनियां जीरा सौंफ खटाई तेज।

पौष मास की शकुनावली

ता० २४ दिसम्बर के दिन रात्रि को बादल वर्षा गर्जना हो तो आगे चातुर मास में वर्षा अच्छी हो ।

ता० २९-३०-३१ दिसम्बर में केवल आकाश में बादल छाये रहें तो आगे श्रावण मास में वर्षा अच्छी हो ।

पौष वदी अमावस्या में शनिवार और इतवार का पड़ना भावी वर्ष के लिए शुभ नहीं है । अन्न की कमी रोग का उपद्रव युद्ध भय से प्रजा में बेचेनी रहेगी ।

ता० १ जनवरी को आकाश में बादल बिजली हो तो अच्छी वर्षा से धान्य की उपज अच्छी हो ।

ता० ४ जनवरी को हेम पाला पड़े वर्षाकाल में अधिक वर्षा हो ।

ता० ११ जनवरी को कृतिका नक्षत्र ४ मास में सोना विशेष तेज ।

पौष मास में ग्रहों की युतियां

ता० २१-१२-६७ शाम के ६।। बजे चन्द्र गुरु युति मन्दी लायेगी ।

ता० २४-१२-६७ दिन के १।। बजे चन्द्र हर्षल युति तेजी कारक ।

ता० २८-१२-६७ प्रातः ८।। बजे चन्द्र शुक्र युति रुई चांदी गल्ला में मन्दी लायेगी इसी दिन प्रातः १०।। बजे चन्द्र नैप चून युति मन्दा लाकर तेजी लायेगी ।

ता० २९-१२-६७ रात्रि के ५ बजे सूर्य बुध युति तेजी करके मन्दी लायेगी। इसीदिन दिन के ११ बजे शुक्र नेपचून युति रुई चांदी में मोटी घटाबढ़ी चलेगी।

ता० ३१-१२-६७ प्रातः ९॥ बजे चन्द्र सूर्य २४ घंटे में तेजी लायेगी।

ता० ६-१-६८ प्रातः ६। बजे चन्द्र शनि युति सरसों लाहा तैल तिलहन काली वस्तुओं में तेजी लायेगी।

ता० १२-१-६८ रात्रि के ११। बजे चन्द्र गुरु युति आठ दिन के अन्दर वायदा व्यापार में मोटी लाइन निकलेगी।

पौष मास का विशेष योग

(१) ता० २१ दिसम्बर को सिंह राशि पर गुरु वक्री चार मास के अन्दर तेजी के उछाले देते हुए अनाज गल्ला सरसों लाहा तिलहन अलसी अरंडा में भारी मंदी लायेगा।

(२) ता० ३१ दिसम्बर को कुम्भ राशि का मंगल १॥ मास के अन्दर गुड़ खांड़ लाहा सरसों अलसी चांदी में तेजी के उछाले लाता रहेगा।

(३) ता० ११ जनवरी मीन का राहु १८ मास के अन्दर अलसी में ५०% की मंदी आयेगी। उछालों में वेच कर लेना।

पौष मास का मौसम

इस मास का मौसम अधिक सर्दी का रहेगा। पशुओं में बीमारी फैलेगी। ता० २२, २३, २९, ३० दिसम्बर और ता० १, २, ७, ८, ११ जनवरी में वायु बादल के साथ वर्षा का योग है।

पौष मास का राशिफल

मेष राशि वालों को इस मास लाल काली पीली वस्तु के व्यापार से लाभ होगा। मास का पहिला दूसरा तीसरा सप्ताह श्रेष्ठ। चौथे में चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी।

वृष राशि वालों को इस मास पौष वदी पक्ष में मिलती हुई नफा हाथ से निकल जायेगी किन्तु सुदी पक्ष में लाभ अवश्य हो जायेगा। तीसरा चौथा सप्ताह लाभकारी।

मिथुन राशि वालों को ता० ३१ दिसम्बर तक चिन्ता हानि परेशानी रहेगी। ता० १ जनवरी से थोड़ा थोड़ा लाभ होने लगेगा चिन्ता घटेगी। किसी से सहारा मिलेगा।

कर्क राशि वालों को इस मास ३१ दिसम्बर तक अपने व्यापार को समेंट लेना चाहिए आगे बायदा व्यापार से लाभ होना बहुत कठिन है। साहस और सन्तोष रखिए।

सिंह राशि वालों को इस मास का वदी पक्ष लाभकारी रहेगा और सुदी पक्ष में यात्रा से हानि अथवा स्त्री को कष्ट हो। मास का पहिला दूसरा सप्ताह लाभकारी ✓

कन्या राशि वालों को वदी पक्ष में चिन्ता अधिक रहेगी चित्त चलायमान रहेगा। सुदी पक्ष में लाल काली वस्तु व्यापार से लाभ होगा। कोई कार्य सिद्धि होगी।

तुला राशि वालों को ता० ३१ दिसम्बर तक का समय चिन्ता-कारी कलहकारी रहेगा। ता० १ जनवरी से समय सुधरेगा चिन्ता घटेगी थोड़ा थोड़ा लाभ भी होने लगेगा।

वृश्चिक राशि वालों को इस मास का पहिला दूसरा सप्ताह कुछ न कुछ लाभ दे जायेगा। तीसरा चौथा सप्ताह कलहकारी हानिकारी रहेगा इसमें वायदे का व्यापार नहीं करना।

धनु राशि वालों को इस मास लाल पीली वस्तु के व्यापार से लाभ होगा मास का पहिला दूसरा सप्ताह में द्रव्य की चिन्ता बनी रहेगी किन्तु तीसरा चौथा सप्ताह में लाभ होगा।

मकर राशि वालों को इस मास शारीरिक चिन्ता और आर्थिक चिन्ता बनी रहेगी। अच्छा हो कि वायदे का व्यापार कम तादाद में किया जाय। दिनमान लाभकारी प्रतीत नहींहोता।

कुम्भ राशि वालों को इस मास ता० १ जनवरी तक चिन्ता हानि परेशानी रहेगी। ता० २ जनवरी से चिन्ता घटने लगेगी लाभ होने लगेगा। किसी की मदद से कार्य बनेगा।

मीन राशि वालों को मास का पहिला दूसरा सप्ताह में लाभ होकर तीसरे चौथे सप्ताह में हानि होगी अतः वायदे का व्यापार कम करना। या कुछ दिन के लिए बन्द करदेना।

पौष मास का वृतादि निर्णय

वदी ४ गुरु २० दिसम्बर—गनेश ४ वृतम्
वदी ११ वुध २७ दिसम्बर—सफला ११ वृतम् सर्वेषाम्
वदी १२ गुरु २८ दिसम्बर—प्रदोष वृतम्
वदी १४ शनि ३० दिसम्बर—पितृकार्य अमावस्या
वदी ३० रवि ३१ दिसम्बर—देव कार्य ३० कुहू ३०
सुदी ११ गुरु ११ जनवरी—पुत्रदा ११ वृतम् सर्वेषाम्
सुदी १३ शनि १३ जनवरी—शनि प्रदोष वृ० लोहडी(पंजाब)

सुदी १४ रवि ता० १४ जनवरी--मकर सक्रान्ति पुण्यदिनम्
सुदी १५ चन्द्र ता० १५ जनवरी—सत्य वृत १५ मकर सं०
पु० प्रातः ९ बजे तक माघ स्नान प्रारंभ

माघ कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ मंगल ता० १६ जनवरी—गुड़ खांड़ शक्कर गेहूं चना अलसी अरंडा सोना तांबा लाल मिर्च घी तैल बेजीटेविल लाहा सरसों तेज । रुई पाट बारदाना शेयर ग्वार बाजरा मक्की मन्दे ।

वदी २ बुध ता० १७ जनवरी—अनाज अरहर मटरा मसूर मूंग मौंठ बाजरा सरसों लाहा अलसी अरंडा तैल तिलहन मंदे । गुड़ खांड़ शक्कर चावल सोना चांदी तांबा शेयर्स जीरा धनिया सोंफ सोंठ हल्दी तेज अन्य वस्तुओं में समता रहेगी ।

वदी ३ गुरु ता० १८ जनवरी – रुई पाट बारदाना अलसी अरंडा लाहा सरसों अरहर मसूर चांदी आयरन शेयर्स तेज होंगे अन्य वस्तुओं में मन्दी रहेगी वायदा बाजार में घटाबढी से तेजी आयेगी ।

वदी ४ शुक्र ता० १९ जनवरी – बुध पश्चिम में उदय आज प्रातः बाजार तेज खुलेंगे और मन्दे बन्द होंगे । तेजी में वेचकर २४ घंटे में खरीद लेना ।

वदी ५ शनि ता० २० जनवरी – योग का क्षय गुड़ खांड़ शक्कर घी तैल बेजोटेविल में तेजी लायेगा । अन्य वस्तुओं में मंदी का झटका आयेगा । मंदी में शाम को खरीद लेना । तैल मूंगफली देशी घृत बिनौला वेजोटेविल में तेजी आयेगी ।

वदी ६ रवि ता० २१ जनवरी – आज अवकाश है ।

वदी ७ चन्द्र ता० २२ जनवरी - अनाज गल्ला गेहूं अरहर चना मसूर लाहा सरसों अलसी अरंडा गुड़ खांड़ शक्कर घी तैल वेजीटेविल तैल अलसी में तेजी आकर मन्दी अयेगी। मन्दी में फिर खरीद लेना।

वदी ८ मंगल ता० २३ जनवरी—आज बाजार में दो तीन बार उलट फेर होगा। पहिले मन्दी का झटका आकर फिर तेजी, तेजी आकर फिर मन्दी। मन्दी में खरीद कर तेजी में बेचना। मन्दी आने पर फिर खरीद लेना।

वदी ९-१० बुध ता० २४ जनवरी—श्रवण पर सूर्य तीन दिन के अन्दर सर्दी जोरदार पड़ेगी। पूरब दक्षिण दिशा की कृषि को सर्दी से हानि होने के समाचार मिलेंगे। इसी कारण लाहा सरसों अलसी तिल तैल तोरीया अरहर चना गेहूं तेज होंगे।

वदी ११ गुरु ता० २५ जनवरी—तिथि क्षय दो दिन के अन्दर सभी वस्तुओं में मन्दी का धमाका आयेगा। जिन वस्तुओं में अच्छी तरह मन्दी आजाय उनको खरीदना।

वदी १२ शुक्र ता० २६ जनवरी—कुम्भ में बुध० पू० भा० में मंगल दोपहर तक मन्दी लाकर शाम को फिर तेजी लायेंगे। शाम की तेजी में बेचना। शनिवार के दोपहर तक लाभ हो जायेगा।

वदी १३ शनि ता० २७ जनवरी आज का दिन घटा बढ़ी का रहेगा दोपहर के १२ बजे तक जिन वस्तुओं में मन्दी आ जाय उनको खरीदना शाम को फिर तेजी आयेगी। सोमवती

अमावश की मन्दी या तो आज समाप्त हो जायेगी। नहीं तो सोमवार को।

बदी १४ रबि ता० २८ जनवरी—आज अवकाश है।

वदी ३० चन्द्र ता० २९ जनवरी—जिन वस्तुओं में आज तक मन्दी आयी हो उन वस्तुओं का खरीदना अच्छा है गुड़ खांड शक्कर सरसों लाहा अलसी अरंडा तिल तैल तोरीया बिनौला १ बजे से तेज होंगे।

माघ शुक्लपक्ष फलम्

सुदी १ मंगल ता० ३० जनवरी—पंचक आरम्भ गुड़ खांड शक्कर सोना तांवां अलसी अरहर मसूर बिनौला लाहा सरसों तैल अलसी तेज। चना जौ गेहूं मटरा मंदे होकर तेज। रुई पाट बारदाना आयरन शेयर्स मन्दे। धातुवाना में घटा बढ़ी चलेगी।

सुदी २ बुध ता० ३१ जनवरी—आज चन्द्र दर्शन मुहूर्ता १५ दक्षिण श्रृङ्गी वारुण मंडल में होगा। एक मास के अन्दर सभी वस्तुओं में पर्याप्त उलट फेर होगा। कोई वस्तु नीचे को जायेगी कोई ऊंचे को। रुई गुड खांड शक्कर घी तेल तेज।

सुदी ३ गुरु ता० १ फरवरी—मघा ३ में गुरु शते बुधः पू० षा० में शुक्र आज का दिन बुधवार के विपरीत रहेगा शाम को मंदी में माल खरीदना अच्छा है।

सुदी ४ शुक्र ता० २ फरवरी—आज का दिन घटा बढी से

तेजी कारक रहेगा घी तिल तैल तिलहन विनौला वेजीटेविल तैल मूंगफली सरसों लोहा तैल अलसी तेज होंगे। रुई पाट बारदाना आयरन शेयर्स मंदे।

सुदी ५ शनि ता० ३ फरवरी—आज बाजार तेज खुलेंगे दोपहर को मन्दी आयेगी उसमें फिर खरीदना। सोना चाँदी धातुवाना लाल पीली मिर्च जीरा धनिया सोंफ तैल वेजीटेविल तेज।

सुदी ६ रवि ता० ४ फरवरी—आज अवकाश है।

सुदी ७ चन्द्र ता० ५ फरवरी—यहां से एक वर्ष के अन्दर यूरोप या एशिया में कोई भी प्रबल युद्ध प्रारम्भ हो जायेगा। योग पक्का है। ईश्वर अपने राष्ट्र का रक्षा करें अगले वर्ष भी अनाज गल्ला अलसी अरंडा मूंगफली गुड खांड शक्कर घी तैल के भावों में महान परिवर्तन होगा।

सुदी ८ मंगल ता० ६ फरवरी—धनिष्ठा में सूर्य शाम को बुध वक्री तेईस दिन के अन्दर रुई कपास सन सूत गुड खाँड शक्कर चांदी सोना घी तैल वेजाटेविल पीतल जस्ता में तेजी लायेगा अनाज गल्ला में अच्छी मन्दी आने का योग है।

सुदी ९ बुध ता० ७ फरबरी - दो दिन के अन्दर मंदी का धमाका आयेगा उस मंदी में थोड़ी नफा के लिए फिर खरीदना।

सुदी ९ गुरु ता० ८ फरवरी—तिथि वृद्धि दोपहर तक जिन वस्तुओं में मन्दी आये उनको खरीदना शाम तक मंदी आ जायेगी यहां से आठ दिन के अन्दर वायदा मार्केट में मीठी

लाइन निकलेगी। यहां तक मंदी आये तो खरीदो तेजी आये तो बेचो।

सुदी १० शुक्र ता० ९ फरवरी बुध पश्चिम में अस्त मीन में मंगल यहां से मौसम खराब होगा। आठ दश दिन के अन्दर कई स्थानों में शीत पाला ओला पडने से कृषि को हानि के समाचार सुनायी देंगे। यहाँ से मीन राशि पर शनि राहु मंगल तीनों पाप ग्रह चल रहे हैं। इनकी आपसी सलाह बड़े बड़े दुष्काण्ड करने की हो रही है।

सुदी ११ शनि ता० १० फरवरी—नक्षत्र की वृद्धि दो बजे तक मंदी लाकर तेजी लायेगी घी तैल वेजीटेविल तैल अलसी बिनौला लाहा सरसों मंदे। अनाज गल्ला धातुवाना गुड खांड चावल तेज।

सुदी १२ रवि ता० ११ फरवरी—आज अवकाश है।

सुदी १३ चन्द्र ता० १२ फरवरी—धनिष्टा में बुध गुड़ खांड शक्कर सरसों सुबह तेज होकर शाम को मन्दे होंगे।

सुदी मङ्गल ता० १३ फरवरी—आज कुम्भ की संक्रान्ति प्रातः ८ बजे मुहूर्त ३० अग्नि मण्डल में लगेगी। इस संक्रान्ति के एक मास में आयरन शेयर और मीलों के शेयरों में भारी घटा बढी रहेगी। लाल बस्तुओं के भावों में विशेष उथल पुथल होगी। तैल मूँगफली और तेल अलसी सरसों लाहा में मन्दी का झटका आकर तेजी। गेहूँ चना अरहर मटरा मसूर गुड़ खांड़ शक्कर चावल चार पांच दिन तेज होकर मन्दे हो में। धातुवाना में अधिक हेर फेर होगा संक्रान्ति के अन्तिम समय

तक जिन वस्तुओं में भारी मन्दी आ जाय उनको होली के आस पास खरीद लेना। जिन वस्तुओं में होली तक तेजी रहें उनका बेचना अच्छा रहेगा। आज का दिन घटा बढी से तेजी कारक रहेगा।

सुदी १५ बुध ता० १४ फरवरी—आज का बाजार तेज खुलेगा शाम को मन्दी आयेगी उस मन्दी में फिर खरीदना। तीन दिन के अन्दर कहीं ओला पाला पड़ने से पर्वतों पर वर्फ पड़ने से शर्दी का प्रकोप यकायक वढ जायेगा।

माघ मास का सारांश

इस मास में ५ मंगलवार और ५ बुधवार पड़े हैं। जिससे छोटे बच्चों में वीमारी का प्रकोप बढ़ेगा। घबराहट के कारण तेजी मन्दी मोटी निकलेगी। ता० १८ जनवरी से ८ दिन में घी तैल वेजीटेबिल गुड़ खांड़ तेज। ता० २१ जनवरी से लाहा सरसों तिलहन तेज। ता० २५ जन० से अरहर चना मसूर तेज। ता०१फरवरी से गुड़ खांड़ शक्कर रुई चांदी पीतल जस्ता तेज। ता० ८ से मोटी लाइन निकलेगी उस समय के व्यापार भाव देखकर व्यापार सुधारिये।

चाँदी सोना धातुवावा

ता० १६ से १९ जनवरी तक घटा बढी से तेज। ता० २० से २४ तक घटा बढी से मन्दे। ता० २५ से २८ तक मन्दी आये तो खरीदना तेजी आये तो बेचना। ता० ३० जनवरी से २

फरवरी तक तेज। ता० ३ से ८ फरवरी तक मन्दे। मन्दी में खरीदना। ता० ६ से १४ फरवरी तक सोना में अच्छी तेजी चांदी में साधारण तेजी।

नोट—ता० ८ फरवरी से चांदी सोना पीतल जस्ता तांबा कांसी सभी प्रकार के धातुओं में अच्छी तेजी आने का योग है।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १६ से १६ तक तेज। ता० २० से २३ जनवरी तक मन्दे। ता० २४ से २५ तक तेज। ता० २६ से २६ तक मन्दे। ता० से ३ फरवरी तक तेज। ता० ४ से ६ फरवरी तक मन्दे। ता० ७ से १० तक तेज। ता० १२ से १४ तक मन्दे।

नोट—बदी पक्ष में घटा बढा से मन्दी होकर ता० ३१ जनवरी ता० ७ फरवरी से तेजी आयेगी।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० १६ से २० तक घटा बढी से तेजी। ता० २१ से २३ तक मन्दे। ता० २४ स २५ तक तेज। ता० २६ से २६ तक तक मन्दे। ता० ३० से ३ फरीवरी तक तेज। ता० ५-६ फरवरी तक तेजी। ता० १२ से १५ तक मन्दी।

नोट गुड़ खांड़ खरीदने के लिए ता० २६ जनवरी और ५ फरबरी का दिन अच्छा रहेगा।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १६ से १८ जनवरी तक तेज । ता० २० से घटा बढी से मजबूत ता० २३ की मन्दी ता० २४ की तेजी । ता० २५ से २६ तक घटा बढी से मन्दे । ता० ३० जनवरी से ५ फरवरी तक घटा बढी से तेज । ता० ६ से १० फरवरी तक मन्दे । ता० १२ से १४ तक तेज ।

नोट—ता० १७ जनवरी में खरीदकर २४ जनवरी को बेच देना आगे फिर मन्दी आयेगी ।

सरसों लाहा तिल तोरीया

ता० १६-१७ की मन्दी में खरीदना । ता० १८ से २२ तक घटा बढी से तेजी । ता० २३ से २६ तक मन्दे । ता० २७ से ३० जनवरी तक तेज । ता० ३१ और १ फरवरी की मन्दी में खरीदना । ता० २ से ५फरवरीतक तेज । ता० ६ से ८ तक मंदे ता० ८ की शाम से ता० १० तक तेज । ता० १२ से १४ तक घटा बढी से मजबूत रहेंगे ।

नोट—ता० २०-२६ जनवरी और ता० ३-८-१४ फरवरी में खरीदने से लाभ । खरीदने वाले व्यापारीयों को चाहिए कि खरीद कर शीघ्र नफा उठालें । यहां के खरीददारों को मोटा लाभ नहीं ।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १६-१७ की मन्दी में खरीदना ता० १८ से २२ तक

घटा वढी से तेजी। ता० २३ से २६ तक मन्दे। ता० २७ से ३० जनवरी तक तेज। ता० ३१ जनवरी और १ फरवरी की मन्दी में खरीदना। ता० २ से ५ फरवरी तक तेज। ता० ६ से ८ तक मन्दे। ता० ८ की शाम से ता० १० तक तेज। ता० १२ से १४ तक घटा बढी से मजबूत रहेंगे।

नोट—इस मास मीन राशि में शनि राहु मंगल तीन पाप ग्रहों का बैठना तिलहन वायदे व्यापार में बहुत उलट फेर करेगा। उस समय के भाव और बाजार का रुख प्रसंग देखकर काम करें।

पाटवारदाना हैसियन

ता० १६ से २२ जनवरी तक घटा वढी से तेज। ता० २३ से २६ तक मन्दे ता० २७ से ३० तक मन्दे। ता० ३१ से ५ फरवरी तक घटा बढी से मजबूत रहेंगे। ता० ६ से ६ फरवरी तक तेज। ता० १० से १४ फरवरी तक मन्दी होकर तेजी आयेगी।

नोट—ता० २७ जनवरी और ७ फरवरी खरीदने का अच्छा दिन है।

घृत तैल वेजीटेविल किराना

ता० १६ से २० तक घटा वढी से मन्दे। ता० २२ से २५ तक तेज। ता० २६ से २६ तक साधारण मंदी ता० ३०-३१ में खरीदना। ता० ८ फरवरी तक घटा बढी से तेजी। ता० ६ से १२ फरवरी तक मन्दे। ता० १३-१४ फरवरी से तेज।

नोट—इस मास वेजीटेदिल देशी घृत तैल मूंगफली में अवश्य तेजी आयेगी। ता० १७ से २४ जनवरी तक और ३१ से ८ फरवरी तक तेजी आने का योग है। किराने की लाल काली सफेद वस्तुओं में ता० २७ जनवरी और ६ फरवरी से तेजी निकलेगी।

माघ मास की शकुनावली

ता० १७ जनवरी में बादल आकाश में हो तो अच्छी वर्षा और धान्य की प्राप्ति भी अच्छी हो।

ता० २०-२१ जनवरी में आकाश निर्मल रहें तो रुई कपास का संग्रह करने से तीन मास में लाभ हो।

ता० २३-२४-२५ जनवरी में पवन चलें और बिजली चमकें तो आगे चातुर मास में वर्षा अच्छी हो!

ता० ५ फरवरी में सूर्य बादलों से ढका रहे तो आगे आषाढ मास में बर्षा हो।

ता० ८ फरवरी के दिन वर्षा हो तो शुभ सस्ताई कारक जानना।

ता० १३ फरवरी को यदि बर्षा हो तो शान्ति और सस्ताई कारक जानना।

माघ मास में ५ मंगलवार और ५ बुधवार का होना गुड खांड़ में अवश्य तेजी लायेगा।

माघ मास में ग्रहों की युतियां

ता० २१·१-६८ रात्रि के १० बजे ८ चन्द्र मंगल की युति

गुड खांड मसूर अरहर लाहा अलसी लाल मिर्च सोना ताँवां में तेजी लायेगी ।

ता० ३०-१-६८ रात्रि के १२ बजे चन्द्र बुध की युति अनाज गल्ला तिलहन गुड खाँड में मन्दी लायेगी ।

ता० ३-२-६८ शाम के ५॥ बजे शनि चन्द्र युति तैल तिलहन बेजीटेविल घृत जीरा में तेजी लायेगी ।

ता० ९-२-६८ प्रातः ६। बजे गुरु चन्द्र युति सभी वस्तुओं में मंदी का धमाका लायेगी ।

माघ मास का विशेष योग

ता० १८ जनवरी को पश्चिम में बुध का उदय ८ दिन के अन्दर घी तैल बेजीटेविल तिलहन में तेजी लायेगा ।

ता० ६ फरवरी को कुम्भ में बुध वक्री गुड़ खांड़ शक्कर रुई रेशम बारताना चांदी जस्ता शेयर्स में २२ दिन के अन्दर तेजी आयेगी। ता० ८ फरवरी को मीन राशि में मंगल शनि राहु का त्रिक योग व्यापार में ४५ दिन के अन्दर भारी उलटफेर करेगा। अनाज गल्ला तिलहन में १०) की ऊंच नीच निकलेगी सावधानी से व्यापार करना। अधिक तेजी आई हुई वस्तुओं को खरीदना ठीक नहीं। जिन वस्तुओं में अधिक मंदी आई हो उसको खरीद लेना। तेजी के उछाले लेते हुए बाजार नीचे को जायेगा ।

माघ मास का मौसम

इस मास का मौसम भयानक सर्दी का रहेगा। छोटे बच्चों

में बीमारी का प्रकोप बढ़ेगा। ता० १८ से १९ तक ता० २४ से २६ जनवरी तक, ता० ६ से ९ फरवरी तक बादल वायु के साथ शीत पाला ओला पड़ने से सर्दी एकदम पड़ जायेगी।

माघ मास का राशिफल

मेष राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह गुड़ खांड़ से लाभकारी दूसरा सप्ताह लाल काली वस्तु से लाभ तीसरा सप्ताह किसी कार्य की सिद्धि चौथा हानिकारक।

वृष राशि वालों को इस मास लाल काली सफेद वस्तु के व्यापार से लाभ रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। राज्य द्वार से विजय। कोई प्रसन्नता के समाचार मिलेंगे।

मिथुन राशि वालों को इस मास वदी पक्ष में मिलती हुई नफा हाथ से निकल जायेगी चित्त में सन्ताप होगा। ता० ९ फरवरी से लाभ होना पाया जाता है।

कर्क राशि वालों को इस मास का पहिला दुसरा और तीसरा सप्ताह शान्ति और सन्तोष के साथ निकालना चाहिए और किसी वस्तु का मोटा व्यापार नहीं करना।

सिंह राशि वालों को इस मास ता० ७ फरवरी तक मिलती हुई नफा को लेकर शान्ति से बैठना चाहिए ता० ७ फरवरी से आगे का समय चिन्ता हानि परेशानी बढ़ायेगा।

कन्या राशि वालों को इस मास शरीर में कष्ट और शत्रु से भय स्त्री पक्ष से चिन्ता मास का दूसरा तीसरा सप्ताह साधारण लाभकारी।

तुला राशि वालों को सन्तान कष्ट घर में कलह काली वस्तु के

व्यापार से हानि मास का पहिला दूसरा सप्ताह चिन्ता-कारी हानिकारी।

वृश्चिक राशि वालों को पहिला दूसरा तीसरा सप्ताह शान्ति से निकालिये मोटा लाभ हो नहीं सकता। ता० ६ से चिन्ता घटेगी थोड़ा थोड़ा लाभ होगा।

धनु राशि वालों को मास का पहिला दूसरा तीसरा सप्ताह चौथे सप्ताह में मोटा व्यापार नहीं करना वरना नुकसान देकर ही पीछा छूटेगा कोई नवीन चिन्ता लगेगी।

मकर राशि वालों को इस मास द्रव्य की चिन्ता विशेष बनी रहेगी वदी पक्ष में साधारण लाभ होगा। सुदी पक्ष में अच्छा लाभ होने की आशा है। कोई कार्य सिद्ध होगा।

कुम्भ राशि वालों को इस मास शारीरिक चिन्ता शत्रु भय व्यय की अधिकता ता० ६ फरवरी से समय सुधरेगा शनै. शनैः चिन्ता घटेगी लाभ होगा।

मीन राशि वालों को ता० ६ फरवरी तक वायदे का व्यापार मोटा नहीं करना चाहिए थोड़े व्यापार से थोड़ा लाभ हो सकता है मोटे व्यापार से मोटी हानि होगी।

माघ मास का वृतादि निर्णय

वदी ४ शुक्र ता० १६ जनवरी—श्री गणेश चतुर्थी वृ० सबके लिए

वदी ११ गुरु ता० २५ जन०—षटतिला वृतम् स्मार्तानाम्

वदी १२ शुक्र ता० २६ जन०—षटतिला ११ वृ० वैष्णवानाम् गणतंत्र दिवस

वदी १३ शनि २७ जन०—शनि प्रदोष वृतम्

वदी ३० चन्द्र २८ जन०—मौनी अमावस तथा सोमवती अमावस्या

सुदी ४ शुक्र ता० २ फर०—तिल चतुर्थी

सुदी ५ शनि ३ फर०—बसन्त पंचमी सरस्वती जन्म दिनम्

सुदी ७ चन्द्र ता० ५ फर०—रथ सप्तमी

सुदी ८ मंगल ता० ६ फर०—भीष्माष्टमी

सुदी ११ शनि ता० १० फर०—जया ११ वृ० सर्वेषाम् ।

सुदी १२ रवि ता० ११ फर०—प्रदोष वृतम् भीष्म १२

वदी १४ मंगल ता० १३ फर०—सत्यवृत १५ कुम्भ सं०पु०दि०

वदी १५ बुध ता० १४ फर०—पूर्णिमा माघ स्नान समाप्त

फाल्गुन कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ गुरु ता० १५ फरवरी—रुई पाट बारदाना, अरहर चना ग्वार मटरा लाहा सरसों घी तेल बेजोटेविल मंदे गुड़ खांड़ शक्कर चावल जीरा सोंफ धनियां लाल पीली मिर्च सोना चांदी तेज ।

वदी २-३ शुक्र १६ फरवरी तिथिक्षय सभी वस्तु मंदी होगी

वदी ४ शनि ता० १७ फरवरी—आज दोपहर तक मंदी आये तो माल खरीदना, शाम को तेजी आजायेगी ।

नोट—खरीदने का काम उन्हीं वस्तुओं का करना जिनमें मंदी आ चुकी हो । जनरल लाइन मंदे की चल रही है ।

वदो ५ रवि ता० १८ फरवरी—आज अवकाश है ।

वदी ६ चन्द्र ता० १६ फरवरी—शते सूर्यः बादल वायु के साथ पूरव दक्षिण दिशा में वर्षा होगी, जिससे धान्य गल्ला तिलहन में मंदी आयेगी गुड़ खांड़ शक्कर सोना चाँदी तेज आज बाजार में २-३ बार उलट पलट होगी।

वदी ७ मंगल ता० २० फरवरी—रेवती १ में शनि आज घटाबढी से बाजार तेज होगा तेजी टिकाऊ मालूम नहीं देती। तेजी के उछाले में पहले बेचो पीछे खरीदो।

वदी ८ बुध ता० २१ फरवरी—आज का दिन मंगलवार के विपरीत रहेगा।

वदी ६ गुरु ता० २२ फरवरी—बुध पूरव में उदय श्रवण में शुक्र यहां से तीन दिन के अन्दर गुड़ खांड़ शक्कर लाहा सरसों अलसी अरंडा गेहूँ चना अरहर में मंदी का धमाका आयेगा। जिन वस्तुओं में अच्छी मंदी आ जाय उनको खरीदना शेष वस्तुओं में तेजी।

वदी १० शुक्र ता० २३ फरवरी—आज बाजार में दोतरफा घटबढी होगी तेजी के उछाले में बेचकर ही काम करना अलसी अरंडा लाहा सरसों अरहर गेहूँ चना घी तैल में १ बजे तक तेजी रहे तो बेचना घटाबढी से मंदी आयेगी।

वदी ११ शनि ता० २४ फरवरी—गुड़ खांड़ शक्कर अलसी अरंडा सींगदाना अरहर चना ग्वार मटरा मसूर बिनौला शाम की बंद घंटी पर बेचना सोमवार में मंदी आयेगी।

वदी १२ रवि ता० २५ फरवरी—आज अवकाश है।

वदी १३ चन्द्र ता० २६ फरवरी—गुरु मघा २ में आज का दिन भी घटाबढी से मंदी का रहेगा। अलसी तिल तैल

वेजीटेविल लाहा सरसों गेहूं चना मंदे । चांदी सोना धातुवाना लाल पली मिर्च तेज ।

वदी १४ मंगल ता० २७ फरवरी—पंचक प्रारम्भ नेपचून वक्री तीन दिन के अन्दर गुड़ खांड़ शक्कर अलसी लाहा सरसों अरहर चना गेहूं घी बिनाला घटाबढी से मंदे । जिन वस्तुओं में ३ दिन के अन्दर मन्दी का अच्छा धमाका आ जाय उनको खरीदना ।

वदी ३० बुध ता० २८ फरवरी—बुध मार्गी चांदी सोना पीतल जस्ता धातुवाना में मन्दी गुड खांड शक्कर मन्दे होकर तेज अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला मन्दे होकर तेज । यहां से घटाबढी अच्छी निकलेगी ।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष फलम्

सुदी १ गुरु ता० २९ फरवरी—आज का चन्द्र दर्शन मुहुर्ता ३० दक्षिण श्रंगी बरुण मंडल में होगा । एक मास के अन्दर लाल पीली काली वस्तुओं में विशेष घटाबढी होगी रुई वस्त्र कपास सोना चांदी कुछ मन्दे होकर तेज होंगे ।

सुदी २ शुक्र ता० १ मार्च—रेवती में मंगल दो दिन के अन्दर सोना चांदी रुई वस्त्र कपास घी तेल वेजीटेविल गुड खांड शक्कर मे अच्छी तेजी लायेगा ।

सुदी ३ शनि ता० २ मार्च—रात्रि को पंचक समाप्त आज भी घटाबढी से उपरोक्त वस्तुओं में तेजी आयेगी । रसादि पदार्थ और धातुवाना तैलवाना में तेजी आयेगी । शेष वस्तुओ में साधारण मन्दी आयेगी ।

सुदी ४ रवि ता० ३ मार्च—आज अवकाश है। पू०भा० सूर्य

सुदी ५ चन्द्र ता० ४ मार्च– धनिष्ठा में शुक्र दो दिन के अन्दर अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला लाहा सरसो गेहूं चना अरहर जौ मटरा में घटाबढी से मन्दी रहेगी। गुड खांड शक्कर चावल चांदी में साधारण तेजी रहेगी।

सुदी ६ मंगल ता० ५ मार्च—गुड खांड शक्कर सोना चांदी तांबा लाल पीली मिर्चों में आठ दिन के अन्दर तेजी रहेगी शेष वस्तुओं में साधारण मन्दी। यहां से मौसम खराब होगा। आठ दिन के अन्दर कहीं कहीं वर्षा या ओला पात होगा।

सुदी ७ बुध ता० ६ मार्च—लाहा सरसों अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला घी तैल बेजीटेबिल अनाज गल्ला में आठ दिन की एक सोटी लाइन निकलेगी। आज का भाव देखना। ऊंचे भावों में मन्दी निकल सकती है और नीचे भावों में तेजी।

सुदी ८ गुरु ता० ७ मार्च – आज गुरुवार में रोहिणी नक्षत्र मंदी लाकर तेजी लायेगा। १ बजे तक जिन वस्तुओं में तेजो आई हो उनको खरीद लेना शाम तक तेजी आजायेगी।

सुदी ९ शुक्र ता० ७ मार्च—आज का बाजार गुरुबार के विपरीत रहेगा। सुबह बेचकर शाम को खरीदना।

सुदी १० शनि ता० ९ मार्च रुई सूत कपास रेशम काली-मिर्च चांदी सोना धातुवाना गुड खांड शक्कर धान चावल मूंगफली तेज। शेष वस्तुओं में साधारण मन्दी रहेगी।

सुदी ११ रवि ता० १० मार्च–आज अवकाश है। कुंभे शुक्रः

सुदो १२ चन्द्र ता० ११ मार्च– आज का दिन घटाबढी से तेजी कारक रहेगा। घी तैल मूंगफली तैल अलसी गुड खांड

शक्कर अलसी अरंडा तेज। यहां व्यापार लाइन देखकर बाजार के साथ चलना चाहिए। मौसम की खराबी से तेजी भी आ सकती है। कुम्भ का बुध रुई चाँदी में मन्दी लायेगा।

सुदी १३ मंगल ता० १२ मार्च–गुड खांड शक्कर अलसी अरंडा सींगदाना तेज होकर मदे होंगे। शेष वस्तुओं में तेजी। रुई चांदी धातुवाना मन्दे।

सुदी १४ बुध ता० १३ मार्च—आज मीन की संक्रान्ति रात्रि के ४ बजे मुहूर्ता ३० अग्नि मंडल में लगेगी बार का फल अनाज गल्ला तिलहन पहिले मन्दे होंगे पीछे तेजी आयेगी। गुड खांड शक्कर धान चावल मूंगफली बेजीटेविल में आगे तेजी आयेगी। यहां से सात दिन तक मीन राशि में शनि राहु सूर्य मगल का सयोग या तो मौसम खराब होगा या पूर्वोत्तरीय सीमा पर संकट आता दिखाई देने लगेगा। ईश्वर रक्षा करें। ऐसा समय ईश्वर न लाये..........।

सुदी १५ गुरु ता० १४ मार्च—शुभ वार को होली सुखशान्ति चाहती है। परन्तु आज ही रात्रि का रेवती ३ में राहु चित्रा १ में केतु पधारे। यह अन्नादि पदार्थ और तैल तिलहन वाना में तेजी लाने का विचार कर रहे हैं। इस लिए होली तक आई हुई मन्दी में माल खरीदने वाले लाभ उठाऐंगे।

फाल्गुन मास का सारांश

इस मास में ५ गुरुवार पड़े हैं। पश्चिमी यूरोप में अशान्ति का वातावरण रहेगा। भारत के लिए भी मीन राशि में

पापग्रहों का योग चिन्ताकारक रहेगा ता० १७ फरवरी तक मन्दी हुई वस्तुओं को खरीदना। २२ फरवरी तक तेजी हुई वस्तु को बेच देना। ता० २६ फरवरी तक जिन वस्तुओं में तेजी आई हो उनको बेचना। ता० २६ फरवरी तक मन्दी का झटका आकर गुड खांड शक्कर सोना चांदी में तेजी निकलेगी। ता० ७ मार्च दोपहर के १२ बजे तक जिन वस्तुओं में अच्छी मन्दी आ जाय उनको खरीद लेना। होली तक लाभ हो जायेगा। ता० १६, १७, १६, २३, २४, २७, २८ फरवरी ४, ७, ८, ११, १२, १४ मार्च में तेजी मन्दी अच्छी निकलेगी।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १५ से १७ तक तेज। ता० १६ से २२ तक तेज। ता० २३ से २६ तक मन्दे। ता० २७ से २ मार्च तक तेज। ता० ४ से ६ मार्च तक मन्दे। ता० ७ से ६ तक तेज। ता० १० से १४ मार्च तक घटाबढी से मन्दे।

नोट - इस मास चांदी सोना में ७) ८) की घटाबढी अवश्य निकलेगी। ता० १७, २८ मार्च खरीदने का अच्छा दिन है।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० १५ से १७ फरवरी तक मन्दी में खरीदना। ता० १७ की शाम से ता० २२ तक घटाबढी से तेज। ता० २३ से २६ फरवरी तक घटाबढी से मन्दे। ता० १ मार्च से ५ मार्च तक तेज। ता० ७ से ६ तक मन्दे। ता० ११ से १४ मार्च तक तेज रहेंगे।

नोट - ता० १७ फरवरी को खरीद कर ता० २६ फरवरी को बेच देना । ता० १ मार्च में खरीद कर ६ मार्च में बेच देना। ता० ९ सें खरीद कर १३ मार्च में बेच देना । इस मास ४) ५) कुन्टल की घटाबढी अवश्य निकलेगी ।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १५ से १७ फरवरी तक मन्दे । ता० १९ से २२ तक तेज । ता० २३ से २६ तक मन्दे । ता० २७ से २ मार्च तक तेज। ता० ४ से ९ मार्च तक घटाबढी से मन्दे । ता० ११ से १४ मार्च तक तेजी का योग है ।

नोट—इस मास ८) १०) कुन्टल की एकतरफा लाइन निकलेगी । वर्षा ठीक हुई तो इतनी मन्दी आने को आशा है। पकी हुई फसल पर यदि ओले पड़े तो मन्दी के बजाय तेजी भी आ सकती है। उस समय का रुख प्रसंग मौसम देखकर ध्यान लगाना ।

सरसों लाहा तिल तोरिया

ता० १५ से १६ मार्च तक मन्दी। ता० १७ से १९ तक तेज। ता० २० से २४ फरवरी तक मन्दी । ता० २६ से २८ तक तेज। ता० २६ से २ मार्च तक मन्दे । ता० ४ से ६ तक तेजी रहे तो आगे मन्दी का काम करना ता० ७ से १४ मार्च तक २) ३) की इकतरफा लाइन निकलेगी । जैसा मौसम रहा अनुकूल से मन्दी और प्रतिकूल स तेजी रहेगी ।

नोट—इस मास लाहा सरसों में आठ दस रुपये की मन्दी आने की आशा है ।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १५-१६ फरवरी की मन्दी आने पर खरीदना। ता० १७ से १९ तक तेज। ता० २० से २२ तक मन्दे। ता० २३ से २५ तक तेज ता० २६ से २८ तक मन्दे। ता० २९ से २ मार्च तक तेज। ता० ४ से ६ तक मन्दे। यहाँ से आठदिन के अन्दर ५) ७) की इकतरफा लाइन निकलेगा। ता० ६ मार्च तक अगर तेजी रहे बेचना मन्दो रहे बेचना।

नोट—इस मास ८) १०) कुन्टल की मन्दी आकर ४) ५) की तेजी आने का योग है।

पाट बारदाना हैसियन

ता० १५ से १७ फरवरी तक मन्दे। ता० १८ से २२ तक तेज।

ता० २३ से २७ तक मन्दे। ता० २८ से २ मार्च तक तेज ता० ३ से ६ मार्च तक मंदे। ता० ७ से १४ मार्च तक घटाबढो के साथ ३ तेजी आयेगो।

नोट—ता० २२, २८ फरवरी और ६ मार्च खरीदने का अच्छा दिन है।

घृत तेल वेजीटेबिल किराना

ता० १५ से १९ फरवरी तक मन्दे। २० से २७ फरवरी तक तेज। ता० २८ से ४ मार्च तक तेज। ता० ५ से ९ तक मंदे। ता० १० से १४ तक तेज।

नोट—इस पक्ष में घी तेल बेजोटेबिल घटाबढ़ी से मन्दी रहेगी तेजी के उछालों में बेचकर खरीदना। ता० ७ मार्च और १३ मार्च खरीदने का अच्छा दिन है किराने में हल्दी मिर्च लाल पीली काली में तेजी आने का योग है। ता० ७ मार्च से जीरा धनिया सौंफ मैंथी में मन्दी आयेगी। ता० १० से १५ तक जीरा में तेजी आने का योग है।

फाल्गुन मास की शकुनावली

(१) ता० १७ फरवरी को वायु बादल हों तो आश्विन शुक्ला में आगे वर्षा अधिक हो।

(२) ता० १९ फरवरी को स्वांति नक्षत्र का होना दुर्भिक्ष और तेजी कारक बतलाया गया है।

(३) ता० ९-१० मार्च में आकाश में बादल हों तो आगे आश्विन में चतुर्थी, पंचमी को भारी वर्षा होगी।

(४) ता० १४ मार्च को होली के दिन आकाश में वायु, बादल, वर्षा और गाज, बोज हो तो धान्य तिलहन का संग्रह करने से ७ मास के अन्दर उत्तम लाभ हो।

(५) माघ मास में जोरदार ठंड न पड़े, और फाल्गुन में वायु न चले। बैशाख, ज्येष्ठ, मास में गर्मी न पड़े तो जान लेना कि आगे चातुर्मास में वर्षा की कमी रहेगी।

आश्विन मास में ग्रहों की युतियां

(१) ता० १५-२-६८ शाम के ७ बजे सूर्य बुध की युति सभी वस्तुओं में तेजी लाकर मन्दी लायेगी।

(२) ता० १७-२-६८ रात्रि के ५।। बजे चन्द्र मंगल की युति सोना, तांवा, खांड गुड शक्कर, लाल पोली मिर्च, अलसी तथा किराने की लाल वस्तुओं में तेजी लायेगी।

(३) ता० २-३-६८ शाम के ५।। बजे चन्द्र शुक्र, युति, रुई चांदी, कपड़ा, कपास, बेजीटेबिल, धान्य, तिलहन में मन्दी लायेगी।

(४) ता० ३-३-६८ प्रात: ७ बजे चन्द्र शनि युति दिन इसी शनि मंगल यूति कोई भारी कलह काण्ड या दुसकाण्ड या भूकम्प आदि से व्यापार क्षेत्र में उथल पुथल होगी।

(५) ता० ४-३-६८ प्रात: ६ बजे चन्द्र बुध युति २४ घंटे के अन्दर मन्दी का झटका लाकर तेजी लायेगी।

(६) ता० ८-३-६८ रात्रि के ९। बजे चन्द्र गुरु युति साधारण तेजी लाकर मन्दा लायेगी। इस मन्दी में गुड खांड शक्कर तैल तिलहन के खरीदने वाले लाभ उठायेंगे।

(७) ता० १४-३-६८ शाम को राहु मंगल की युति दुष्कांड फसल को हानि रुई वस्त्र सूत सोना चांदी तेज।

फाल्गुन मास का मौसम

इस मास का मौसम ठण्डा रहेगा। छोटे बालकों में बीमारी का प्रकोप हो। सर्दी का मौसम होली पर जाकर समाप्त हो। ता० १६-१७-१८-२६ फरवरी और ता० ११-१३-१४ मार्च में मौसम खराब रहेगा। कहीं कहीं साधारण वर्षा होगी और कई स्थानों में ओले के साथ वर्षा होने के कारण कृषि को हानि होगी। ता० १० मार्च से १९ मार्च तक दैवी प्रकोप।

फाल्गुन मास का राशिफल

मेष राशि वालों को इस मास अशान्ति अधिक रहेगी थोड़े व्यापार से थोड़ा लाभ हो सकता है अधिक व्यापार से अधिक हानि होगी। शत्रु और राज्य पक्ष से भय।

वृषि राशि वालों को इस मास लाल काली वस्तु और रसादि पदार्थों के व्यापार से लाभ होगा। किसी कार्य की सिद्धि होगी। कोई प्रसन्नता का समाचार मिलेगा।

मिथुन राशि वालों को इस मास राज्य पक्ष और व्यापार पक्ष से चिन्ता हानि भय मास का पहिला दूसरा सप्ताह साधारण लाभकारी। तीसरा चौथा में शत्रुओं की वृद्धि।

कर्क राशि वालों को इस मास मिलता हुआ लाभ हाथ से निकल जायेगा। किसी मित्र से सहायता मिलेगी कहीं तीर्थ यात्रा में जाने की अभिलाषा होगी।

सिंह राशि वालों को इस मास कोई अशुभ समाचार सुनने को मिलेगा शरीर को अचानक पीड़ा होगी। शत्रु प्रकोप व्यापार से मोटी हानि। व्यापार कम करना।

कन्या राशि वालों को इस मास स्त्री को कष्ट और यात्रा से हानि होगी व्यापार से साधारण लाभ मास का दूसरा तीसरा सप्ताह लाभ कारी।

तुला राशि वालों को इस मास रोग शत्रु से भय परिणाम शुभ कोई प्रसन्नता का समाचार मिलेगा अथवा किसी कार्य की सिद्धि होगी। रस व्यापार से लाभ।

वृश्चिक राशि वालों को इस मास सन्तान पक्ष से चिन्ता पुत्र को कष्ट मास का तीसरा चौथा सप्ताह लाभकारी पहिला दूसरा चिन्ताकारी हानिकारी।

धनु राशि वालों को इस मास लाभ थोड़ा चिन्ता हानि व्यय विशेष। ग्रह कलह से चित्त में अशान्ति अधिक रहेगी।

मकर राशि वालों को इस मास लाल काली पीली वस्तु के व्यापार से लाभ होगा किसी कार्य की सिद्धि से चित्त को प्रसन्नता रहेगी। मास का दूसरा चौथा सप्ताह लाभकारी

कुम्भ राशि वालों को इस मास द्रव्य की चिन्ता विशेष बनी रहेगी। किसी वस्तु की हानि का विशेष योग है। मास का तीसरा सप्ताह लाभकारी तथा कष्टकारी। पहिला दूसरा चिन्ताकारी हानिकारी रहेगी।

मीन राशि वालों को शारीरिक चिन्ता रहेगी। मास का पहिला दूसरा सप्ताह साधारण लाभ करायेगा। तीसरे चौथे सप्ताह में चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी।

फाल्गुन मास का वृतादि निर्णय

वदी ४ शनि १७ फ़रवरी—श्रीगणेश चतुर्थी वृतम्

वदी ११ शनि २४ फर०— विजय ११ वृ० सर्वेषणम्

वदी १२ रवि २५ फ़र०—प्रदोष वृतम्

वदी १३ चन्द्र २६ फर०—श्री महा शिव रात्रि वृतम्

वदी १४ मंगल २७ फर०—शिव चतुर्दशी वृतम्

वदी ३० बुध २८ फर०—खप्पर भरना अमावश

सुदी २ शुक्र १ मार्च—फुलहरा दौज

सुदी ८ गुरु ७ मार्च—होलाष्टक प्रारम्भ
सुदी ११ रवि १० मार्च—आमला ११ वृतम् स्मातानाम्
सुदी १२ चन्द्र ११ मार्च—आमला ११ वृतम् बैष्णवानाम्
सुदी १३ मंगल १२ मार्च—भोम प्रदोष बृतम्
सुदी १५ गुरु १४ मार्च—मीन संक्रान्ति पुण्य दिनम्
होलिका दीपनम् भद्रा दिन के १ बजे तक

चैत्र कृष्ण पक्ष फलम्

वदी १ शुक्र ता० १५ मार्च-शत० में शुक्र आज अवकाश है होली का पवित्र त्यौहार प्रेम से मनाइये जयहिंद जयभारत ।

वदी २ शनि ता० १६ मार्च—घी तैल वेजीटेबिल तेज । गुड खांड शक्कर तेज । रुई सूत वस्त्र कपास मन्दे । अलसी अरंडा सीगदाना बिनौला मन्दे । अरहर चना ग्वार मटरा मसूर मन्दे ।

वदी ३ रवि ता० १७ मार्च—आज अवकाश है । उ० भा० में सूर्य शत० में बुध ।

वदी ४ चन्द्र ता० १८ मार्च-शनि अस्त सीगदाना बिनौला तेज । गुड़ खांड शक्कर मन्दे । सोना चांदी धातुवाना तेज । घी तैल वेजीटेबिल तेज । अरहर मटरा चना मसूर मन्दे । आज मन्दी से तेजी ।

वदी ५ मंगल ता० १९ मार्च—अश्वि० मेष में मङ्गल रुई सूत वस्त्र कपास मन्दे । घी तैल वेजीटेबिल किराना तेज । अरहर चना मटरा मसूर तेज । गुड खांड शक्कर तेज । किराने की लाल वस्तु तेज होगी ।

वदी ६-७ बुध ता० २० मार्च—तिथि क्षय अलसी अरंडा तैल मूंगफली तैल अलसी मन्दे। गुड खांड शक्कर किराने की लाल पीली वस्तु मन्दी। अरहर चना मटरा मसूर मन्दे। रुई सूत वस्त्र कपास तेज।

वदी ८ गुरु ता० २१ मार्च—रुई सूत कपास तेज। गुड खांड शक्कर तेज। अरहर चना मटरा ग्वार मन्दे। अलसी सींगदाना बिनौला तेज। यहां से मोटी लाइन निकलेगी।

वदी ९ शुक्र ता० २२ मार्च—रेवती २ में शनि लाहा सरसों गुड़ खांड शक्कर तेज। अरहर चना गेहूं मटना ग्वार तेज। घी तैल वेजीटेबिल किराना तेज। अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला तेज।

वदी १० शनि ता० २३ मार्च—अलसी तिल तैल वेजीटेबिल लाहा सरसों गेहूं चना तेज। चांदी सोना धातुवाना मन्दे। रुई सूत कपास तेज। गुड़ खांड़ शक्कर चावल धान तेज होंगे।

वदी ११ रवि ता० २४ मार्च—आज अवकाश है।

वदी १२ चन्द्र ता० २५ मार्च—पंचक प्रारम्भ चांदी सोना पीतल जस्ता धातुवाना में मन्दी। गुड खांड शक्कर तेज। अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला मन्दे। रुई सूत वस्त्र कपास तेज।

वदी १३ मंगल ता० २६ मार्च—पू० भा० में शुक्र धृत तैल वेजीटेबिल किराना तेज। अलसी अरंडा बिनौला लाहा सरसों मन्दे। रुई सूत कपास में तेजी। गुड खांड शक्कर धान चावल तेज।

वदी १४ बुध ता० २७ मार्च—पू० भा० में बुध अरहर चना मटरा मसूर ग्वार में मन्दी । लाहा सरसों पीतल सोना चांदी धातुवाना जस्ता १ बजे से तेज घृत तैल वेजीटेबिल किराना में घटा बढी चलेगी ।

वदी ३० गुरु ता० २८ मार्च—मघा १ में गुरु अरहर चना मसूर ग्वार मन्दे । गुड खांड़ शक्कर तेज । रुई सूत वस्त्र कपास तेज । अलसी अरंडा सोगदाना बिनौला लाहा सरसों मन्दे ।

चैत्र कृष्ण पक्ष का सारांश

इस मास में राहू शनि सूर्य मीन राशि में चलेंगे । मङ्गल जी मीन को त्यागकर मेष में हो जायेंगे । सभी वायदा बाजार में उथल पुथल विशेष होगी अन्तरराष्ट्रीय वातावरण दूषित होगा । सोना चांदी धातुवाना में विशेष घटा बढी चलेगी । ता० १८ मार्च तक जिन वस्तुओं में मन्दी आयी हो उनको खरीदना ता० २१ से गुड़ खांड़ शक्कर लाहा सरसों तेज ।

चांदी सोना धातुवाना

ता० १६ से १८ मार्च तक तेज । ता० १९ से ११ तक मन्दे । ता० २२ से २५ तक तेज । ता० २६ से २८ तक चांदी मन्दी सोना तेज ।

नोट—सोना खरीदने के लिए १९ मार्च चांदी खरीदने के लिए २८ मार्च अच्छा रहेगा ।

रुई सूत वस्त्र कपास

ता० १६ से २० मार्च तक मन्दे । ता० २१ से २५ तक तेज ता० २६ से २८ तक मन्दी ।

नोट—इस पक्ष में रुई वायदे के अन्दर २०) की इक तरफा लाइन निकलेगी । हाजिर रुई मन्दी होगी । सूत कपास में तेजी आने लगेगी ।

गुड़ खांड़ शक्कर

ता० १६ से २० मार्च तक घटा बढी से मन्दे ता० २१ से २६ तक तेज । ता० २७ से २८ तक साधारण मन्दे होकर आगे फिर तेजी आयेगी ।

नोट—गुड़ खांड़ खरीदने के लिए ता० १९-२० २३ मार्च अच्छी रहेगी ।

अरहर चना मटरा मसूर

ता० १६ से १८ मार्च तक तेज । ता० १९ से २१ तक मन्दे । ता० २२से २४ तक तेज । ता० २५ से २८ तक मन्दे ।

नोट—बाजार तेजी के साधारण उछाले लेते हुए नीचे की तरफ जायेगा ।

लाहा सरसों तिल तोरीया

ता० १६ से १८ मार्च तक मन्दे । ता० १९ से २१ तक घटा बढी के साथ मन्दे । ता० २२ से २६ तक तेज । ता० २७ से २८ तक साधारण मन्दी ।

नोट—ता० १९-२१ मार्च खरीदने का अच्छा दिन है ।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

ता० १६ से १७ मार्च तक मन्दे। ता० १६ से २१ तक तेज। ता० २२ से २५ तक मन्दे। ता० २६ से २८ तक तेज।

नोट—इस पक्ष में घटाबढी तो विशेष होगी तेजी टिकाऊ मालूम नहीं देती ! तेजी के उछालों में बेचने से लाभ। यदि ता० २५ मार्च तक १०) १५) कुन्टल की मन्दी आ जाय तो ता० २६ मार्च को खरीदना भी अच्छा रहेगा।

पाट बारदाना सियन

ता० १६ से १६ मार्च तक तेज। ता० २० से २२ तक मंदे ता० २३ से २६ तक तेज। ता० २७ से २८ तक मन्दे।

नोट—इस मास घटबढ होते हुए बाजार मन्दा हो जायेगा। ता० २२–२७ मार्च खरीदने का अच्छा दिन है।

घी तैल किराना बेजीटेबिल

ता० १६ से २० मार्च तक मंदी ता० २१ से २६ तक तेज। ता० २७ से आगे मंदी।

नोट—इस पक्ष में तैल बेजीटेबिल और मूंगफली के तैल में धीरे २ तेजी आयेगी। किराने की लाल वस्तुओं में ता० १६ से तेजी प्रारम्भ होगी। धनियां जोरा खरीदने के लिए अभी १० दिन की प्रतीक्षा करना अगले पक्ष में खरीदना ठीक रहेगा।

चैत्र कृष्ण की शकुनावली

(१) ता० १६ मार्च से २० मार्च तक यदि जल बरसे तो आगे चातुर मास में वर्षा की कमी जान लेना।

(२) ता० १८ मार्च से २६ मार्च तक आकाश निर्मल रहे बादल वर्षा कुछ न हो तो आगे चातुर मास में अच्छी वर्षा जानना।

(३) ता० १९ मार्च में मंगलवार का होना आगे चलकर गुड़ गेहूँ घृत में तेजी लायेगा।

चैत्र कृष्ण में ग्रहों की युतियां

ता० १६-३-६८ रात्रि के १०। बजे चन्द्र मंगल की युति लाहा सरसों गुड खाँड सोना लाल मिर्च में तेजी। ता० २६-३-६८ रात्रि के १। बजे चन्द्र बुध की युति और इसी दिन रात्रि के ५ बजे चन्द्र शुक्र युति रुई चांदी श्वेत बस्तुओं में तेजी लायेगी।

चैत्र मास का विशेष योग

(१) ता० १८ मार्च को शनि का अस्त एक मास के अन्दर अलसी अरंडा लाहा सरसों में तेजी लायेगा।

(२) ता० १९ मार्च मेष का मंगल १॥ मास के अन्दर गुड खांड शक्कर सोना चांदी लाल पीली मिर्चों के भाव तेज हो जायेंगे।

(३) वदी पक्ष में तिथि का क्षय और आगे चैत्र शुक्ल पक्ष में तिथि की वृद्धि सभी वस्तुओं में मन्दी का अच्छा धमाका लाने का विचार कर रही है। हमारे विचार से चैत्र शुक्ला २ तक मन्दी समाप्त हो जायेगी।

चैत्र मास का मौसम

इस पक्ष का मौसम अच्छा नही रहेगा छोटे बालकों में

माता चेचक मोतीझरा आदि रोगों की वृद्धि होगी। कई स्थानों पर ओले के साथ वर्षा होने से सर्दी का प्रकोप एकदम बढ जायेगा। ता० १८, १९, २०, २२ मार्च में बादल वायु के साथ वर्षा होने का योग है।

चैत्र कृष्ण का राशिफल

मेष राशि वालों को शारीरिक चिन्ता लाभ कम व्यय विशेष।

वृष राशि वालों को मास का पहिला सप्ताह चिन्ताकारो दूसरा लाल काली वस्तु से लाभ करायेगा।

मिथुन राशि वालों को राज्य से भय व्यापार से लाभ किसी कार्य की सिद्धि होगी।

कर्क राशि वालों को चिन्ता युक्त लाभ होगा किसी से सहायता मिलेगी। नया काम करने की जी चाहेगा।

सिंह राशि वालों को यात्रा से लाभ हो। या किसी स्त्री स सहायता मिलेगी फिर भी चित्त में अशान्ति रहेगी।

कन्या राशि वालों को शारीरिक चिन्ता स्त्री को कष्ट। लाभ कम व्यय विशेष। चित्त में अशान्ति बनी रहेगी।

तुला राशि वालों को रोग शत्रु से भय व्यापार से स्वल्प लाभ स्त्री को कष्ट अथवा यात्रा से हानि।

वृश्चिक राशि वालों को सन्तान कष्ट रोग शत्रु से भय कोई मकान जायदाद या भूमि खरीदने का विचार हो।

धनु राशि वालों को सुख की हानि बुद्धि चलायमान बन्धूवर्ग से सहायता या प्रीती बढे लाभ साधारण।

मकर राशि वालों को बन्धू वर्ग से वैमनष्यता ग्रह कलह से चित्त की अशान्ति । लाल वस्तु के व्यापार से हानि।

कुम्भ राशि वालों को शरीर सुख श्रेष्ठ द्रव्य की चिन्ता भाई से कलह । व्यापार से साधारण लाभ।

मीन राशि वालों को शारीरिक और आर्थिक चिन्ता । सफेद और पीली वस्तु के व्यापार से लाभ ।

चैत्र कृष्ण का बृतादि

वदी १ शुक्र ता० १५ मार्च—धूल बन्दन प्रेम सम्मेलन

वदी ३ रवि ता० १७ मार्च—श्रीगणेश चतुर्थी वृतम्

वदी ८ गुरु ता० २१ मार्च—शीतला ८

वदी ११ रवि ता० २४ मार्च—पापमोचिनी ११ बृतम् सर्वेषाम्

वदी १३ मंगल ता० २६ मार्च—भौमः प्रदोष वारुणी पर्व

वदी ३० गुरु ता० २८ मार्च—अमावश पुण्य दिनम्

नोट—सबको मंगल कामना करते हुए अपने इष्टदेव को कोटि कोटि धन्यवाद देते हैं जिनकी असीम कृपा से सं० २४ का व्यापार भविष्य सकुशल समाप्त हुआ । अब आगे सं० २०२४ का सारांश लिखते हैं।

सं० २०२४ का सारांश

इस वर्ष आकाशी परिषद में प्रधान (राजा) का पद चन्द्रमा को मिला है जो कि सत्तारुढ़ होने के समय अस्त होते

हुए शनि के साथ वैठा हुआ है और उच्चस्थ गुरु की पूर्ण दृष्टि भी पड़ रही है जिसका फल इस वर्ष भी तेजी की प्रधानता होते हुए श्रावण माघ फाल्गुन इन तीन महीनों में अनाज गल्ला तिलहन गुड़ खांड़ तैल बिनौला वेजीटेबिल के अन्दर मन्दी का धमाका अवश्य आयेगा।

राजा चन्द्र सुख शान्ति और सस्ताई के सूचक हैं परन्तु अन्यग्रह योगो के कारण इनकी बात हर समय न चलने पायेगी इस वर्ष का मन्त्री गुरु है। जो कि चन्द्रमा की सम्मति में अपनी सम्मिति मिलाते रहेंगे। यानि समय समय पर मन्दी के धमाके देते हुए गरीब जनता की सुवृष्टि और सस्ताई से सांत्वना देते रहेंगे। इनके मत से भी राजा चन्द्रमा का मत मिलता है। मन्त्री महोदय भी वर्ष के अन्दर दो बार मन्दी का अच्छा धमाका लायेंगे। वर्ष का सस्येश रवि और धान्येश शनि के विचार से अनाज गल्ला तिलहन अलसी अरंडा लाहा सरसों खांड गुड शक्कर रुई वस्त्र कपास वारदाना बिनौला घृत तैल वेजीटेविल उर्द मूंग मौठ मसूर इत्यादि पदार्थों पर घटा बढ़ी करते हुए बैसाख वदी से श्रावण वदी तक और श्रावण सुदी १५ से पौष वदी तक तेजी का दौरदौरा रखेंगे। सं० २०२३ के अन्दर जिन वस्तुओं के जो भाव ऊंचे को बन चुके हैं। इनसे भी थोड़े थोड़े ऊंचे भाव इस वर्ष भी बन जायेंगे शायद ही दो चार वस्तु ऐसी रह जाये जिनके भाव ऊँचे न बन पायें। दो बार में तेजी भयानक अवश्य आयेगी जिसको कोई रोक न सकेगा। मेघों के मालिक गुरु महाराज कहीं कहीं सुवृष्टि करेंगे कहीं कहीं वर्षा की चाहना बनी रहेगी। रसों के स्वामी मंगल गुड खांड रसादि पदार्थों में तेजी बनाये

रखेंगे। साधारण मन्दी आती जाती रहेगी आश्चर्य नहीं सं० २०२३ से भी ऊँचे भाव सं० २०२४ में बन जाय नीरं शेष सूर्य से धातुवाना में एक वार अच्छी मन्दी का झटका आकर वर्ष के अन्त तक तेजी कायम रहेगी किराना की कई वस्तुओं में नये भाव आयेंगे विशेष कर जीरा सौंफ हल्दी में। फलेश बुध की कृपा से साग सब्जी फलों की अधिकता रहेगी धन का स्वामी सूर्य होने से वर्तमान मंहगाई धनका भक्षण करती चली जायेगी। दुर्गेश गुरु महाराज होने के कारण अपना राष्ट्र विपदाओं का सामना करते हुए सुरक्षित रहेगा। दिनांक २४ जनवरी से तुला राशि में मंगल जी पधार रहे हैं। जो कि १९ अप्रैल तक वक्री होते हुए इसी पर रहेंगे। यद्यपि मीन का शनि कर्क का गुरु और तुला का मंगल तीनों ग्रहों का एक साथ इन राशियों पर आना महान अशुभ है। यह योग अन्नादि पदार्थ रसादि पदार्थ तेल घी तिलहन वाने में विशेष तेजी लाया करता है किन्तु मंगल जी वक्रा वस्था को प्राप्त हैं अत: इस योग पहिले ही पर्याप्त तेजी आने के कारण परिपूर्ण योग बनने के समय इससे भी अधिक तेजी न आये तो कोई आश्चर्य न मानना यदि १९ अप्रैल तक जिन जिन वस्तुओं मेंमंदो आजायें उनको साहसके साथ खरीदने वाले अच्छा लाभ उठायेंगे ता०१९ अप्रैल सन ६७ से वक्री होते हुए कन्या राशि पर आयेंगे। इससे आगे दोहा—मीन शनिश्चर कर्क गुरु जो तुल मंगल होय। वाला भयानक योग मिट जायेगा। पुन: यही योग तुला राशि में मंगल आने के कारण फिर वही भयानक योग बन जानेगा जो कि ता० ३० अगस्त सन् १९६७ तक रहेगा इतने समय के बीच भयानक तेजी आने का ध्यान है। ता० ३०-३१ दिसम्बर कुछ

अमावश में शनिवार और सूर्यवार का होना सन् १९६८ में भी भयानक तेजी लायेगा। इस बात की साक्षी सं० २०२४ की होली पर आने वाला चतुर्ग्रही योग और पंच पापग्रही केन्द्र योग भी दे रहा है।

दोहा—मीन राशि पर राहु शनि सूर्य भौम ग्रह चार।
होली पर आकर बना योग बड़ा भयकार।।
आठ मास के बीच में तेजी होंय प्रचंड।
रोग युद्ध दुर्भिक्ष से जनता पावें दंड।।

इस वर्ष बारह संक्रान्तियों में से छः संक्रान्ति क्रूरवार की है। और छः सक्रान्ति शुभवार की है। जो कि समय समय पर महधता रूपी ज्वाला में शीतल जलकर डालकर शान्ति करती रहेंगी। इस वर्ष वृष मिथुन कर्क सिंह और वृश्चिक धनु संक्रान्ति के अन्दर अच्छी घटा बढी करते हुए तेजी की प्रधानता रहेगी। स० २०२३ के फाल्गुन मास में गुड खांड शक्कर के खरीद दारों को सं० २०२४ मार्गषिर मास तक उत्तम लाभ हो जायेगा। लाहा सरसों अलसी अरंडा के खरीददारों को नूतन सम्वत के उपरान्त चैत्र शुक्ला में माल खरीदने से भाद्रपद शुक्ला १५ अथवा मार्गषिर वदी अमावस्या तक लाभ हो जायेगा। गेहूं चना अरहर मसूर जौ मटरा मसूर बैशाख कृष्ण पक्ष में खरीदने से वृश्चिक संक्रान्ति तक उत्तम लाभ हो जायेगा। अष्टग्रही का अनिष्ट कारी फल समाप्त होकर मीन के शनि वाला कुयोग सं० २०२३ के बैशाख से प्रारम्भ होगया। दूसरा कुयोग ज्येष्ठ कृष्ण १ बुधवारी आरही है तीसरा कुयोग आषाढ शुक्ल पक्ष में बुध जी उदय हो रहे हैं। चौथा कुयोग श्रावण शुक्ल पक्ष में शुक्र जी अस्त हो रहे हैं। पांचवा कुयोग सं० २०२४ की

होली पर मीन राशि में चार पाप ग्रहों का बैठना और केन्द्र में पांचों पाप ग्रहों का एकत्र होना इन सब कुयोगों के देखते हुए संसार में भारी अनतिकता अत्याचार अनाचार व्यभिचार युद्ध भय अनावृष्टि अतिवृष्टि से कहीं न कहीं दुर्भिक्ष से भय जन संहार की जड़ जम रही है। पृथ्वी का भार कुछ हल्का होना चाहता है इन कुयोगों को देखने से यही प्रतीत होता है। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि अपना राष्ट्र सभी राष्ट्र वासी अपने प्रिय व्यापारी बन्धु सभी सुखी रहें। किमधिकम् विज्ञषु।

चांदी सोना धातुवाना

सं० २०२४ का सांराश लिखते समय दिल्ली राजधानी में चाँदी का भाव नई तोल से १ किलो पर ३६०) का था और शुद्ध स्वर्ण भाव प्रति १० ग्राम १५४) का था, सं० २०२४ के अन्दर चांदी का ऊंचे से ऊंचा भाव ३६५) के आसरे १ किलो पर जानना, शुद्ध स्वर्ण का ऊँचे से ऊँचा भाव प्रति १० ग्राम १७४) का जान लेना। इस वर्ष चांदी का नीचे से नीचा भाव ३५०) जान लेना। शुद्ध स्वर्ण का नीचे से नीचा भाव १४०) का जान लेना। जब कभी ऊंचे नीचे भावों से बाजार विपरीत चलने लगे तो जवाबी तार या जवाबी कार्ड द्वारा हमसे दुबारा पूछिये ता० १० अप्रैल से सुवर्ण में तेजी आने लगेगी ता० १८ अप्रैल से चांदी भी तेज होने लगेगी। ता० ३ अप्रैल तक तेजी होकर ता० ४ से ९ अप्रैल तक मन्दी के झटका में खरीदना। ता० १० अप्रैल से २२ अप्रैल तक घटा बढी से तेज होंगे। ता० २४ मई से २८ मई तक मन्दी में सुवर्ण खरीदना।

ता० ३१ मई पर चांदी खरीदना। ता० १२ जून तक लाभ होने की संभावना है। ता० १३ से २४ जून तक घटा बढो से मन्दी आयेगी। मन्दी में खरीदना ता० २६ जून से ४ जौलाई तक तेजी में बेच देना। ता० ५ जौलाई से ३१ जौ० तक २) ४) की घटा वढो के साथ वाजार मन्दे रहेंगे। ता० १ अगस्त से १५ अगस्त तक घटा बढी से तेजी आयेगा। ता० १६ अगस्त से २९ अगस्त तक सोने में तेजो आयेगी। चांदी मजबूत या साधारण मन्दी में बड़ी रहेगी। ता० ३० अगस्त से १३ सितम्बर तक सोना में साधारण तेजो तथा चाँदी में अच्छी तेजी आयेगी। ता० १४ सितम्बर से २५ सितम्बर तक चांदी मन्दी तथा सुवर्ण तेज होगा। ता० २६ सितम्बर से २५ अक्टूबर तक चाँदी सुवर्ण दोनों तेज होंगे। ता० २६ से १७ नवम्बर तक घटा बढी से साधारण मन्दी आयेगी। ता१८ से २७ नवम्बर तक तेजो का साधारण उछाला लेकर ता० २८ नवम्वर से १६ दिसम्बर तक मन्दी का अच्छा धमाका आयेगा। ता० १८ दिसम्बर से ३० दिसम्बर तक साधारण तेजी मन्दी निकलेगी। ता० १ जनवरी से १० जनवरी तक चांदी में अच्छी तेजी सुवर्ण में साधारण तेजी रहेगी। ता० ११ जनवरी से २५ जनवरी तक सुवर्ण में तेजी, चांदी में साधारण तेजी रहेगी। ता० २६ जनवरी से ८ फरवरी तक मन्दी का झटका आकर ९ फरवरी से २८ फर० तक घटा बढी के साथ सोना, चांदी तेज होंगे। ता० २९ फर० से २१ मार्च तक घटा बढो से मन्दो आयेगी। ता० २२ मार्च से सोना चांदी में अचानक अच्छो तेजो आने लगेगो।

नोट—इस वर्ष हाजिर सुवर्ण के भावों में चैत्र से मार्गसिर मास तक तेज मन्दा होते हुए २०) की घटा बढ़ा में बाजार

दोनों तरफ चलता रहेगा। इसी प्रकार हाजिर चांदी में २५) ३०) की दुतरफा घटा बढी चलते हुए मार्गसिर मास तक अंतिम रुख तेजी का रहेगा। पौष मास से वर्ष के अन्त तक सुवर्ण में अचानक अच्छी तेजी आयेगी। मन्दी के झटका में खरीदते रहना।

रुई सूत वस्त्र कपास

सारांश लिखते समय बम्बई में वायदा रुई का भाव बन्द था इस लिए रुई हाजिर पंजाब और रुई हाजिर बंगाल के भावों का आश्रय लेकर रुई कपास का सारांश लिखा गया है। सारांश लिखते समय रुई हाजिर गंगा नगर मन्डी का ८८) का भाव था। रुई हाजिर बंगाल का यह ७२) भाव था। ता० १० अप्रैल से ३१ मई तक ६) ७) मन तेज। ता० १ जून से २६ जून तक ३) ४) मन की मन्दी। ता० २७ जून से १० अगस्त तक ३) ४) मन तेज। ता० ११ अगस्त से २९ अगस्त तक ३) ४) की घटाबढी होते हुए रुख नरम रहेगा। ता० ३० अगस्त से ४ सितम्बर तक मन्दी में रुई खरीद लेना। ता० ५ सितम्बर से १३ अक्टूबर तक ४) ५) रु० मन तेज। ता० १४ अक्टूबर से २० अक्टूबर तक मन्दी का झटका आयेगा इसमें रुई कपास खरीदना। ता० २१ अक्टूबर से १० नवम्बर तक २) ३) की तेजी आकर ता० ११ से २३ नवम्बर तक मन्दी का झटका आयेगा। ता० २४ से २ नवम्बर से २४ दिसम्बर तक ५) ७) मन तेज। ता० २५ से ३१ दिसम्बर तक मन्दी का झटका

आयेगा। ता० १ जनवरी से आठ दिन में तेजी का उछाला लेकर ता० ९ जनबरी से २५ जनवरी तक मन्दी का धमाका आयेगा। ता० २६ से २९ जनवरी तक रुई खरीद लेना। ता० ३० जनवरी से शनः शनैः तेजी आने लगेगी। ता० २७ फरवरी तक ४) ५) की तेजी आकर ता० २८ से ता० २८ मार्च तक ७) ८) मन की मन्दा आने योग है।

नोट—हाजिर रुई में १ मई से १ जून तक, १ सितम्वर से २५ सितम्बर तक, १ नवम्बर से १५ दिसम्बर तक ५) ७) १० रुके की तेजी अवश्य आयेगी। इन तेजी के उछाले में रुई बेच-कर अवश्य लाभ उठाना चाहिए। रुई बंगाल नीचे में ६५) ६६) ऊँचे में ८५ ८६) के भाव बनने का अनुमान पाया जाता है। रुई गंगा नगर नीचे में ८४) ऊँचे में १०२) की आसरे बनना पाया जाता है।

गुड़ खांड़ शक्कर

सारांश लिखते समय हापुड़ मन्डी में गुड़ पंसेरा बढीया के भाव ३०) के आसरे थे। इस वर्ष गुड़ का ऊँचे से ऊँचा भाव ३९, ४०) के आसरे बनना पायाजाता है और नीचेसेनीचा भाव २६) २५) मन के आसरे बनना पाया है। और खांड खन्डसारी बरेली नं० १ का भाव सारांश लिखते समय ५४) ५५) मन के आसरे भाव था। और दड़ा नं० २ की खांड का भाव ४७) ४८) के आसरे था। इसका नीचे से नीचा भाव ४९) ४३) के आसरे बनना पाया जाता है। और ऊंचे से ऊँचा भाव ३० नवम्बर तक ६३) ६४) के आसरे बन जायेगा। ता० १० अप्रैल से २७

मई तक घटबढ होते हुए तेजी आयेगी। ता० २८ से ३१ मई तक गुड खांड में मन्दी का धमाका आने पर खरीदना चाहिए। ता० १ जून से शनैः शनैः पुनः तेजी चलेगी ता० १२ जून से तेजी की गति बढ़ने लगेगी। यह तेजी घटबढ होते हुए ता०१८ सितम्बर तक कायम रहेगा। ता० १९ सितम्बर से २५ सितम्बर तक मन्दी का झटका आयेगा। ता० २५ सितम्बर की शाम से घटबढ होते हुए ता० १५ नवम्बर तक अच्छी तेजी आजायेगी और गुड खांड के ऊँचे से ऊँचे भाव बन जांयेगे। ता० १५ नवम्बर की शाम से ता० ४ दिसम्बर तक मन्दी का धमाका आयेगा। अच्छी मन्दी आने पर खरीदना अच्छा है यदि ता० ४ के भावों से भी नीचे भाव आगे आने लगें तो समझ लेना कि अभी मन्दी समाप्त नहीं हुई। ता० ५ दिसम्बर से २१ दिसम्बर तक कभी तेजी कभी मन्दी होते हुए घटाबढी का बाजार रहेगा ता० २२ दिसम्बर से गुड में तेजी आने लगेगी लेकिन खांड में तेजी ता० ६ जनवरी से प्रारम्भ हो जायेगी। गुड खाँड की यह तेजो १५ जनवरी तक होकर ता० १६ से २९ जनवरी तक मन्दी का झटका आयेगा। इसमें खरीद लेना। ता०३० जनवरी से १४ फरवरी तक तेजी आकर ता० १५ फरवरी से २१ फरवरी तक मन्दी में खरीदना ता० २२ से २७ तक तेजी में बेचना। ता०२७ फरवरी से १ मार्च तक मन्दी का झटका आयेगा। ता० २ मार्च से १२ मार्च तक तेजी। ता० १३ से २० मार्च तक मन्दी। ता० २१ से २८ मार्च तक तेजी रहेगी।

नोट—सं० २०२४ के अन्दर खांड खँडसारी और गुड़ शक्कर के अन्दर १२) से १५) मन की तेजी आने का योग है। इस साल भी गुड खांड में सवाये अथवा डयौढे दाम हो जांय तो कोई आश्चर्य की बात नहीं क्योंकि मीन का शनि कर्क का गुरू तुल का मंगल वाला योग भयानक तेजी लाया करता है। गुड खांड वालों ने अपने अपने भाग्यानुसार इस वर्ष भी लाभ उठाया और आगे भी लाभ होने की आशा है। किन्तु आँख मीचकर प्रत्येक ऊँचे भावों में खरीदने वालों को पहिले जोखम उठानी पड़ेगी सं० २०२३ को पौष वदी ८ माघ वदी १३ और फागुन वदी १३ गुड खांड खरीदने के लिए अच्छे रहेंगे। अथवा इनसे पहले ही बाजार में ५) ४) की गिरावट हो जाय तो पहिले ही खरीद लेना चाहिए।

अरहर चना मटरा मसूर

सारांश लिखते समय राजधानी देहली में मटरा का भाव ११२) के करीब चने का भाव १०८) के करीब मसूर का भाव ९०) कुन्टल अरहर का भाव ८९) कुन्टल का था। सम्वत् २०२४ के अन्दर ता० २८ अप्रैल तक अनाज गल्ला मटरा मसूर अरहर चना में २०) २५) कुन्टल की मन्दी आकर ता० १५ नवम्बर तक वापिस २०) २८) कुन्टल की तेजी आ जायेगी किसी वस्तु में कुछ कम किसी में कुछ ज्यादा तेजी आ सकती है। चैत्र वैसाख मास में मन्दी तो अवश्य आयेगी लेकिन इतनी

मन्दी मालुम नहीं देती जैसी कि सम्वत् २०२३ में भाव बने थे। तेजी के लिए अभी ग्रह योग सम्वत् २०२५ तक प्रबल बने रहेंगे। सम्वत् २०२३ के ऊँचे से ऊँचे भाव वालों को सम्वत् २०२४ के मघशिर मास तक लाभ हो जायेगा। कदाचित दैव योग से लाभ नहीं हुआ तो सम्वत् २०२३ के भावों के आस पास भाव बन जायेंगे। फिर संवत् २०२४ की अपेक्षा संवत् २०२५ में जाकर ऊँचे भाव वालों को मुनाफा मिलेगा। ता० १० अप्रैल से २८ अप्रैल तक मन्दी में माल खरीदना। ता० २९ से ६ मई तक तेज। ता० ८ से ११ मई तक मन्दी आये तो माल खरीदना। ता० १२ से २२ मई तक तेज। ता० २३ से २५ मई तक मन्दी में माल फिर खरीदना। ता० २६ से ६ जून तक तेज। ता० ७ से १२ तक साधारण मन्दी आकर ता० १३ से २६ जून तक तेज। ता० २७ से ४ जुलाई तक मन्दी का झटका आयेगा। ता० ५ जुलाई से १६ जुलाई तक तेज। ता० १७ से १९ तक मन्दी आये फिर माल खरीदना। यहां से तेजी की अच्छी लाइन निकलेगी। ता० २० जुलाई से ७ अगस्त तक घटा बढी से तेजी। ता० ८ अगस्त से १८ अगस्त तक या तो कुछ मन्दी आयेगी या भाव सामान स्थिर पड़े रहेंगे। ता० १९ अगस्त से सभी प्रकार के अनाज एवं धान्यों में तेजी की तीव्र गति बढने लगेगी। ता० २८ से ४ सितम्बर तक सोमवती अमावश के कारण मन्दी आ जाय तो फिर खरीद लेना। ता० ५ सितम्बर से १४ सितम्बर तक तेजी आकर सिंह के गुरू के कारण ता० १५

सितम्बर से २५ सितम्बर तक मन्दी का झटका आयेगा। मन्दी आ जाय तो माल खरीद लेना। ता० २६ सितम्बर से ता० १८ अक्टूबर तक घटावढी के साथ तेजी आयेगी ता० १९ अक्टूबर से ३१ अक्टूबर तक मन्दी का अच्छा झटका आ जाय तो खरीद लेना ता० ३ नवम्बर से ता० १३ नवम्बर तक घटा-बढी से तेजी आयेगी। ता० २४ नवम्बर से २ दिसम्बर तक मन्दी का झटका आकर ता० ४ दिसम्बर तक घटावडी से तेजी। ता० २२ दिसम्बर से ३० दिसम्बर तक मन्दी का झटका आयेगा। ता० १ जनवरी से १३ जनवरी तक घटाबढी से तेजी होकर ता० १५ जनवरी से २० जनवरी तक मन्दी में माल खरीदना। ता० २२ से २-४ दिन के अन्दर तेजी का उछाला आकर ता० ३० जनवरी तक मन्दी। ता० ३१ से ६ फरवरी तक तेजी का उछाला आयेगा। तेजी में बेचना ता० ७ फरवरी से १४ फरवरी तक मन्दी आकर ता० १५ फरवरी से फिर तेजी का उछाला आयेगा। इस तेजी में बेचना। ता० २८ फरवरी तक घटा बढो के साथ मन्दी आयेगी। ता० २९ फरवरी से ६ मार्च तक तेजी आने पर फिर बेचना। ता० ७ फरवरी से २० मार्च तक मन्दी। ता० २१ से २८ फरवरी तक घटा-बढी से मन्दी चलती रहेगी। यहाँ की मन्दी में माल खरीदने वाले लाभ उठायेंगे।

नोट—वैशाखी फसल पर अनाज गल्ला संग्रह करने के लिए ता० १८, २९ अप्रैल और ता० १०, २३ मई अच्छी

रहेंगी। यहां का खरीदा हुआ गल्ला भाद्रपद सुदी १५ तक लाभ दे जाएगा। फिर कुछ मन्दी आकर पौष वदी में जाकर तेजी समाप्त होगी। अरहर वालों ने इस साल कोई लाभ नहीं उठाया। ग्रह योग देखते हुए आशा है कि सं० २०२४ में अरहर वाले अच्छा लाभ उठायेंगे। २०) २५) कुन्टल की मन्दे भावों से सभी धान्यों में तेजी आएगी। इस वर्ष मटरा के भावों में दूने भाव हो गए। आगामी वर्ष में दूने का कोई योग नहीं। चनों में तेजी का योग भाद्रपद मास तक चलेगा। आगे उतनी तेजी दिखलायी नहीं देती।

लाहा सरसों तिल तोरिया

सारांश लिखते समय हाथरस मन्डी में लाहा का भाव १६१) कुन्टल था और राजस्थान में लोटनी सरसों का भाव १७६) कुन्टल के आसरे का था। और तिल सफेद २००) और तिल काले १७६) कुन्टल के आसरे भाव थे। सं० २०२४ में सरसों लोटनी का नीचे से नीचा भाव १५६) और हाथरस में लाहा का नीचा भाव १३५) १३६) कुन्टल जान लेना। और ऊँचे से ऊँचा भाव लाहा १६६) सरसों लोटनी १८२) के आसरे भाव बनना पाया जाता है। जब तक राहु मेष पर केतु तुला पर चलेगा तब तक तिलहन के भावों में तेजी बनाये रखेगा। मन्दी के धमाके आते रहेंगे। ऐसे ही समय में साहस के साथ खरीदने वालों को लाभ होगा। ता० १० अप्रैल से

२१ अप्रैल तक तेज। ता० २२ से २६ अप्रैल तक मन्दे। ता० २७ से २८ अप्रैल तक घटा बढी से साधारण मन्दी। ता २९ की शाम से चलती हुई तेजी २२ मई तक होकर ता० २३ से २७ तक मन्दी में फिर खरीदना। ता० २८ से १५ जून तक तेज। ता० १६-१७ जून की मन्दी में फिर खरीदना। ता० १८ जून से १० जुलाई तक तेज। ता० ११ से १५ जुलाई तक मन्दी का झटका आयेगा। ता० (१७ जुलाई और ७ अगस्त और ८ अगस्त से तेजी की तीव्र गति हो जायेगी इन तारीखों का खरीदा हुआ माल ता० १६ सितम्बर तक अच्छा लाभ दे जायेगा। ता०)१८ सितम्बर से २४ सितम्बर तक मन्दी का झटका आयेगा। इस मन्दी में खरीदना। ता० २५ सितम्बर से २७ अक्टबर तक १०) १२) कुन्टल की तेजी आने का योग बनता है। ता० २८ अक्टूबर से १५ नवम्बर तक ५) ४) कुन्टल की मन्दी आने पर फिर खरीदना। ता० १६ नवम्बर से २८ नवम्बर तक तेज। ता० २९ से २ दिसम्बर तक मन्दे। ता० ४ से १२ दिसम्बर तक तेज। ता० १३ से ३१ दिसम्बर तक घटा बढा के साथ मन्दे रहेंगे। ता० १ जनवरी से १० जनवरी तक तेज। ता० ११ से १६ जनवरी तक मन्दे। ता० १७ से २५ तक तेज। ता० २५ से ३१ जनवरी तक मन्दे। ता० १ फरवरी से ८ फरवरी तक तेज। ता० ६ फरवरी से २२ फरवरी तक घटा बढी से मन्दे ता।० २३ फरवरी से २ मार्च तक तेज। ता० ४ से ९ माच तक मन्दे। ता० १० से १६ मार्च

तक तेज। ता० १८ मार्च से २८ मार्च तक घटा बढी से मन्दे।

नोट—इस वर्ष भी लाहा सरसों तिल तोरीया के भावों में घटाबढ़ी पर्याप्त होगी। अप्रैल सन् १९६७ के नीचे भावों से जनवरी सन् १९६८ तक २८) से ३२) कुन्टल की तेजी आने का योग बनता है। लाहा सरसों खरीदने के लिए ता० ११, १५, २७ अप्रैल और ११ मई १२ जून १८ जुलाई ७, १८ अगस्त खरीदने का अच्छा दिन हैं। यहां का खरीदा हुआ माल दिसम्बर तक लाभ दे जायेगा। बीच बीच में ४) ६) की मन्दी के धमाके आते रहेंगे। उस मन्दी में खरीदने वाले ही लाभ उठाते रहेंगे।

अलसी अरंडा सींगदाना बिनौला

सारांश लिखते समय बम्बई में अलसी वायदा अप्रैल का भाव १६३) कुन्टल और कानपुर अलसी वायदा मई का भाव १६१) कुन्टल और ग्वालियर में अलसी वायदा मई का भाव १६०॥) के आसरे था। सं० २०२४ के अन्दर अलसी का नीचे से नीचा भाव बम्बई में १४०) के आसरे कानपुर में १३८) के आसरे और ग्वालियर में १३६) के आसरे भाव बनना पाया जाता है। नीचे के भाव अप्रैल की समाप्ति तक बन जाने चाहिए। अगर यहां नहीं बने तो सन् १९६८ के मार्च मास तक बन जायेंगे। इस वर्ष ऊंचे से ऊंचे भाव बम्बई में १७१) के आसरे कानपुर में १६९) के आसरे तथा ग्वालियर में १६६) के आसरे आ सकते हैं।

ता० १० अप्रैल से १९ अप्रैल तक घटाबढ़ी से मन्दे ता० २० अप्रैल से ता० ३ मई तक तेज ता० ४ से ११ मई तक मन्दी में खरीदना ता० १२ से २३ मई तक तेज ता० २४ से ३१ मई तक दोतरफा घटाबढी से भाव मजबूत होंगे। ता० १ जून से १२ जून तक मन्दी का झटका आयेगा। इसमें खरीदना, ता० १२ की शाम से १६ जौलाई तक घटाबढ़ी से तेजी रहेगी। ता० १७ से २४ जौलाई तक मन्दे में खरीदना ता० २५ जौलाई से धीरे २ तेजी बढ़ेगी और १८ अगस्त से ३१ अगस्त तक अच्छी तेजी ता० १ सितम्बर से ४ सितम्बर तक मन्दी का झटका आयेगा इसमें खरीदना। ता० ५ सितम्बर से १४ सितम्बर तक तेजी में माल बेचना। ता० १५ सितम्बर से २ अक्टूबर तक बिका हुआ माल खरीद लेना। ता० ३ से २० अक्टूबर तक अच्छी तेजी ता० २१ से २ नवम्बर तक घटावढी से मंदी आयेगी। मंदी आ जाय तो खरीद लेना। ता० ३ नवम्बर से ११ नवम्बर तक तेजी में बेचना। ता० १३ नवम्बर से २६ नवम्बर तक घटावढी से मंदी रहेगी। ता० ३ दिसम्बर से २१ दिसम्बर तक तेजी आयेगी। ता० २२ दिसम्बर से ३१ दिसम्बर तक मंदी में फिर खरीदना। ता० १ जनवरी सन् १९६८ से ६ फरवरी तक घटाबढी से अच्छी तेजी। ता० ७ फरवरी से २५ फरवरी तक मंदी का अच्छा धमाका आयेगा। ता० २६ फरवरी से ९ मार्च तक घटाबढी से भाव मुलायम बने रहेंगे। ता० १० मार्च से मौसम खराब होने के कारण कुछ तेजी का उछाला आ जायेगा। ता० १८ मार्च तक फिर मंदा आयेगा। ता० १९ मार्च से २८ मार्च तक भारी घटाबढी निकलेगी।

नोट - अरंडा वायदा अप्रैल नीचे में ११६) ११७) बिनौला हाजिर नीचे में ६८) ६९) कुन्टल और ऊंचे में अरंडा १४२) १४३) बिनौला ८७) ८८) कुन्टल के भाव अगले सम्वत् में जान लेना। मूंगफली हाजिर का वर्तमान भाव ४७) से ५५) तक का है। ऊंचे में ५७) से ६७) तक के भाव आ सकते हैं जनवरी सन् १९६८ से लेकर जौलाई सन् १९६९ तक अलसी के अन्दर ४०) ५०) कुन्टल की मोटी मन्दी आयेगी। इसे आप नोट कर लेना। मनुष्य का कोई भरोसा नहीं। आज है कल नहीं इस वर्ष भी तिलहन दाने में ३०) ३५) कुन्टल की इक-तरफा तेजी आयेगी। मंदे के नीचे भावों से माल खरीदने के लिए सरसों के सारांश मे जो तारीखें लिखी हैं, उन्हीं को जान लेना।

पाट बारदाना हैसियन

सारांश लिखते समय बिटविल बारदाने का कलकत्ता में १७७) का भाव था। और हैसीयन टाट का भाव ६७) के आसरे था। सं० २०२४ के अन्दर बिटविल का नीचे से नीचा भाव १६७) जान लेना। और टाट हैसियन का नीचे से नीचा भाव ५८) ५९) का जान लेना। इस वर्ष बिटविल बारदाने का ऊंचे से ऊंचा भाव १९२) के जान लेना। टाट हैसियन के ऊंचे से ऊंचे भाव ८६) के जान लेना।

ता० १० अप्रैल से धीरे-धीरे तेजी शुरू होने लगेगी। ता० २० जून तक ५) ७) की तेजी आ जायेगी। ता० २३ जून से ३ जुलाई तक मन्दी का झटका आयेगा ता० ४ जुलाई से १९ जुलाई तक ३) के करीब तेजी आकर ता० २० जुलाई से ६ अगस्त तक घटाबढी से मन्दा रहेगा ता० ७ अगस्त से २६ अगस्त तक तेज होंगे। ता० २८ अगस्त से ७ सितम्बर तक

मंदे ता० ८ से १८ सितम्बर तक तेज ता० १९ से ३ अक्टूबर तक मंदे ता० ४ से १६ अक्टूबर तक तेज ता० १७ से २० तक मंदी में खरीदना २१ से २५ तक तेजी आकर ता० २६ से ३१ अक्टूबर तक मंदी आयेगी। ता० १ नवम्बर से ९ नवम्बर तक तेजी होकर ता० १० नवम्बर से २३ नवम्बर तक मन्दे ता० २४ नवम्बर से १२ दिसम्बर तक तेज ता० १३ दिसम्बर से ३१ दिसम्बर तक मन्दे ता० १ जनवरी से ७ फरवरी तक घटाबढी के साथ तेजी अच्छी आयेगी। ता० ८ फरवरी से १६ फरवरी तक मन्दी में खरीद लेना ता० १७ फरवरी से २८ फरवरी तक तेज २९ फरवरी से १२ मार्च तक मन्दी ता० १३ मार्च से २८ मार्च तक तेज।

नोट—इस वर्ष भी विटब्रिल बारदाना हैसियन के अन्दर २०) २५) की दुतरफा घटाबढी चलती रहेगी। अधिकतर बारदाने के अन्दर जुलाई मास तक अच्छी तेजी आकर अगस्त से सितम्बर तक एक मन्दी का अच्छा धमाका आयेगा। इसमें माल खरीदने वाले अन्तिम वर्ष तक अच्छा लाभ उठायेंगे।

घी तेल वेजीटेविल किराना

सारांश लिखते समय हाथरस मंडी में देशी घी का भाव ९) ९० नये पैसे प्रति किलो का भाव था। सं० २०२४ के अन्दर नीचे में देशी घी ९) ३० पै० से नीचा मालूम नहीं देता। ऊंचे के लिए दीपावली तक ११) ४० पै० के भाव बन जाने चाहिए।

तेलों का सारांश लिखते समय राजधानी देहली में तेल

मूंगफली ४३०) कुन्टल तेल सरसों ४१२) आसरे तेल तिली ४१५) के आसरे तेल अंडी ३७३) के आसरे तेल अलसी ४०३) के आसरे तेल महुआ ४५४) के आसरे तेल गोला ५०७) के आसरे भाव थे। सं० २०२४ में अप्रैल मास तक ३०) ३५) कुन्टल की मन्दी आकर मई मास के प्रारम्भ से दिसम्बर मास तक फिर उतनी तेजी आ सकती है। जोकि भाव ऊंचे में सं० २०२३ में बने थे उन भावों से किसी तेल में २) ४) अधिक और किसी २ में १०) ५) कम के भाव सं० २०२४ में आ सकते हैं। मई के आरंभ में तेल खरीदने वालों को दिसम्बर मास तक अच्छा लाभ हो जायगा। इस वर्ष किराने की कई एक वस्तुओं में मंदी भी अच्छी आयेगी। तथा तेजी भी अच्छी आयेगी। अप्रैल के प्रारम्भ में जोरा, सौंफ धनियां खरीद कर अन्तिम जौलाई तक बेच देने चाहिए। यहां तक २०) २२) कुन्टल की तेजी आ सकती है। फिर बाजार में खटबढ़ होते हुए सितम्बर मास तक ८) १०) की मन्दी आजायगी। अक्टूबर मास से जनवरी मास तक फिर घटाबढी के साथ १०) १२) की तेजी आयेगी। जीरा की फसल पक कर आने के समय दैवो उत्पात से मौसम की खराबी से पाक कम उतरेगा। जिससे सं० २०२५ में आगे धारणा तेजी की रहेगी। लाल पीली मिर्च के खरीदने वालों को अप्रैल के चौथे सप्ताह में माल खरीद कर १५ सितम्बर तक माल बेच देना चाहिए मिर्चों की भड़साल करने से इस वर्ष लाभ तो अवश्य होगा। लेकिन सं० २०२३ जैसा नहीं होगा। हल्दी सांगली के वायदा

का भाव किसी समाचार पत्र में देखने को नहीं मिला। इसी कारण हल्दी पर लेख नहीं लिख पाये।

टाटा आर्डनरी हिन्द मोटर आयरन शेयर्स

सारांश लिखते समय टाटा आर्डनरी के भाव १४७) इंडियन आइरन २९-५० हिन्द मोटर १५-९० के भाव थे।

सं० २०२४ के अन्दर टाटा स्टील के नीचे से नीचे भाव १३८) १३९) और ऊंचे से ऊंचे भाव १५५) १५६) जान लेना इंडियन आइरन के नीचे से नीचे भाव २४-५० अथवा २४) ऊंचे से ऊंचा भाव ३२) ३२) ५० का जान लेना। हिन्द मोटर का नीचे से नीचा भाव १४-२५ का जान लेना तथा ऊंचे से ऊंचा भाव १८) या १८) ५० का भाव जान लेना अब हम साल भर के मुख्य मुख्य चांस शेयरों के लिखते हैं। ता० २५ अप्रैल से ९ मई तक इंडियन आयरन शेयर्स तेज होंगे। ता० १ जून से १७ जून तक हिन्द मोटर में तेजी आयेगी ता० ८ जोलाई से ५ अगस्त तक टाटा स्टील आर्डनरी तेज होंगे ता० ५ सितम्बर से ३ अक्टूबर तक इंडियन आइरन में तेजी बनी रहेगी। ता० २० नवम्बर से १६ दिसम्बर तक टाटा स्टील तेज होंगे। ता० १ फरवरी से १५ फरवरी तक आइरन शेयर्स तेज ता० २० फरवरी से २० मार्च तक कपड़ा मिल शेयरों में मंदी आयेगी।

अलसी अरंडा गुड़ बिनौला सरसों की सामूहिक तेजी की तारीखें

ता० १७, २१, २५, २९ अप्रैल और ता० २, १३, १८, २२,

२६, २९ मई और ता० २, ६, १५, १८, २१, २८ जून और ता० ११, १४, १७, २०, २४, २९ जुलाई और ता० ४, ७, ९, १८, १९, २१, ३० अगस्त ता० २, ७, ९, १४, २१, २३, २५ सितम्बर और ता० ६, ९, १३, १७ २१, २८ अक्टूबर और ता० ३, ५, १२, १८, २३ नवम्बर और ता० ८, १६, १९, २६, २९ दिसम्बर और ता० १, ३, १३. १८, २१, ३१, जनवरी और ता० २, १३, १७ २०, २६ फरवरी ता० ११, १६, २३, २५ मार्च की तेजी लगाना अच्छा रहेगा।

सामूहिक मन्दी की तारीखें

ता० १२, १३. २२, २५, २६, २८ अप्रैल और ता० ४, १२, २३, ३० मई और ता० ८, १०, १६, २३, २४ जून और ता० ४, ५, १३, १८, १९, २६, २७, ३०, ३१ जुलाई और ता० ८, ११, १४, १५, २१, २२ अगस्त और ता० १, २, ४, ८, ९, ११, १६, १८, २७, २८ सितम्बर और ता० २, १०, २३, २४, २८ अक्टूबर और ता० १, ४, १४, १५, १८, २०, २३, २९ नवम्बर और ता० ४, ११, १४ १५, २१, २२, ३० दिसम्बर ता० ५, ६, ८, १३, १५, २३, २४, २५, २७ जनवरी और ता० ५, ९, १६, १९, २३, २४ फरवरी ता० १, २, ५, ६, १२, १३, १९, २०, २५, २६ मार्च की मन्दी लगाने से लाभ रहेगा।

सामूहिक वस्तुओं की विशेष घटाबढ़ी की तारीखें

ता० ११, १८, १९, २७ अप्रैल ता० ८, १०, ११, १२, १५, १६, २४, २५ मई ता० ६, १४, १६, २०, २६, २८ जून ता० ११,

१३, १६, २०, २५, ३० जुलाई ता० ३, ४, ६, ७, ९, १०, ११, १३, १६, १८, २०, २६ अगस्त ता० २, ६, ८, १२, १३, १५, १६, १८, २०, ३० सितम्बर ता० ७, ११, २५, २६ अक्टूबर ता० २, ७, ९, ११, १२, १६, १७ नवम्बर ता० १, ८, १०, १६, २१, २४, २६, ३१ दिसम्बर ता० ५, ६, १६, २४ जनवरी ता० ८, ९, १५, १६, २४, २५ फरवरी ता० ११, १२, १६, १८ मार्च के दिन वायदा वस्तुओं में विशेष घटाबढी रहेगो।

मोटी तेजी मन्दी निकलने की तारीखें

ता० १ मई से, ११ मई से, २५ मई से, २९ मई से ता० ७ जून से, ता० २२ जून से, ता० ५ जुलाई से, ता० १९ जुलाई से, ता० १९ अगस्त से, ता० २८ अगस्त से, ता० २५ सितम्बर से, ता० ९ अक्टूबर से, ता० १२ अक्टूबर से, ता० ६ नवम्बर से, ता० १८ नवम्बर से, ता० ६ दिसम्बर से, ता० १६ दिसम्बर से, ता० ३० दिसम्बर से, ता० २९ जनवरी से, ता० ८ फरवरी से, ता० ६ मार्च से, ता० २१ मार्च से, मोटो तेजी मन्दी निकलेगी साप्ताहिक तेजी मंदी नजराना लगाने से लाभ होगा।

निर्माता—विद्यार्थी गिरिधर गोपाल दीक्षित बेदपाठी

"भारती प्रवीण" हाथरस।

वार्षिक राशि फलम्

(चू चे चो ला ली लू ले लो अ)

मेष राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ता० ४ जुलाई तक लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ ! शत्रु पक्ष से चिन्ता। चिन्ता और व्यय की विशेषता रहेगी। ता० ५ जुलाई से ३१ जुलाई तक लाल वस्तु के व्यापार से हानि। स्त्री को कष्ट। लाभ साधारण चिन्ताकारी समय निकलेगा। ता० ३१ अगस्त से ता० १४ अक्टूबर तक चिन्ता हानि रहेगी। वायदे का व्यापार कम करना या न करना अच्छा रहेगा। ता० १५ अक्टू० से २३ नवम्बर तक लाभ साधारण होगा चिन्ता घटेगी कहीं से सहायता प्राप्त होगी। ता० २४ नवम्बर से ८ फरवरी तक लाल पीली काली वस्तु के व्यापार से लाभ किसी कार्य की सिद्धि। ता० ९ फरवरी से २८ मार्च तक चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी। वायदे का व्यापार कम करना या न करना अच्छा रहेगा।

नोट—मेष राशि वालों को ता० २२ जनवरी और ८ फर० से मोटा व्यापार नहीं करना। गोचर में १२ शनि जन्म का राहु चौथा गुरु का उपाय करते रहना।

(इ उ ए ओ ब वि वू वे वो)

वृष राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ३० जून तक बुद्धि चलायमान सन्तान कष्ट लाभ साधारण। ता० १ जुलाई से ३१ जुलाई तक समय लाभकारी कार्य की सिद्धि। ता० १

सितम्बर से १२ अक्टूबर तक स्त्री पक्ष से चिन्ता लाभ साधारण होगा। ता० १४ अक्टूबर से २३ नवम्बर तक चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी कोई अशुभ समाचार सुनाई देगा। ता० २४ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक मिलती हुई नफा हाथ से निकल जायेगी लाभ थोड़ा होगा। ता० १ जनवरी से १९ मार्च तक गल्ला तिलहन रस व्यापार से लाभ किसी कार्य की सिद्धि ता० १९ मार्च की शाम से समय चिन्ताकारी आयेगा। वायदा व्यापार कम करना या न करना अच्छा रहेगा।

नोट—वृष राशि के लिए गोचर में १२ वां राहु चिन्ता हानि परेशानी करते हुए लाभ में बाधक है। ता० २२ जनवरी तक इसकी शान्ति का उपाय करते रहने से सुखशान्ति मिलेगी।

(क कि कु घ ङ छ के को ह)

मिथुन राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ४ जुलाई तक गृह कलह से चित्त दुखी लाभ होने में बाधा। ता० ५ जुलाई से २८ अगस्त तक चिन्ता घटेगी और लाभ होने लगेगा। सन्तान पक्ष से चिन्ता होगी। ता० २९ अगस्त से १३ अक्टूबर तक धान्य तिलहन रस व्यापार से लाभ। किसी लाभ की सिद्धि ता० १४ अक्टूबर से २३ नवम्बर तक स्त्री को कष्ट यात्रा से हानि लाभ साधारण। ता० २३ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी बायदे का काम कम करना। कोई अशुभ समाचार सुनाई देगा ता० १ जनवरी

से ८ फरवरी तक चिन्ता घटेगी थोड़ा-थोड़ा लाभ होने लगेगा। ता० ९ फरवरी से २८ मार्च तक समय लाभकारी किसी से सहायता। किसी कार्य की सिद्धि होगी।

नोट—मिथुन राशि वालों को यह वर्ष लाभकारी रहेगा ता० २१ जनवरी से चौथा केतु मन को संताप घर में कलह से चित्त को अशान्ति बढ़ेगी केतु की शान्ति के उपाय से सुख शान्ति मिलेगी।

(ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

कर्क राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ३ जुलाई तक लाल पीली काली वस्तु से लाभ किसी कार्य की सिद्धि। ता० ४ जुलाई से ता० ३० अगस्त तक चिन्ता हानि परेशानी किसी से कलह वायदे का काम कम करना या न करना अच्छा है ता० १ सितम्बर से १३ अक्टूबर तक सन्तान पक्ष से चिन्ता चित चलायमान होने से लाभ भी साधारण होगा। ता० १४ अक्टूबर से ता० २३ नवम्बर तक किसी कार्य की सिद्धि। गल्ला गुड़ तिलहन से लाभ ता० २४ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक यात्रा से हानि स्त्री पक्ष से चिन्ता लाभ साधारण होगा। ता० १ जनवरी से समय विपरीत व्यापार से हानि चिन्ता में वृद्धि। ता० ९ फरवरी से १५ मार्च तक कभी लाभ कभी हानि होते हुए लाभ साधारण होगा। ता० १६ मार्च से आगे का समय गुड़ खांड़ तिलहन के व्यापार से लाभदायक रहेगा।

नोट—यह वर्ष लाभ के लिए मध्यम रहेगा। ग्रह कलह और शत्रु कोप २० जनवरी सन् १९६८ से शांत होने लगेंगे। केतु की शांति का उपाय करने से शांति मिलेगी।

(मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

सिह राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ३ जुलाई तक कभी लाभ कभी हानि होते हुए लाभ साधारण रहेगा। आर्थिक चिन्ता लगी रहेगी। ता० ४ जुलाई से २६ अगस्त तक लाभ होगा किही कार्य को सिद्धि कहीं से सहायता ता० २७ अगस्त से १३ अक्टूबर तक चिन्ता हानि परेशानी बढेगी किसी से कलह होगा। ता० १४ अक्टूबर से २२ नवम्बर तक लाल काली सफेद वस्तु से लाभ होगा शत्रु परास्त किसी कार्य में सफलता। ता० २२ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक लाभ साधारण लाभ से हानि स्त्री को कष्ट। ता० १ जनवरी से ८ फरवरी तक चिन्ता हानि परेशानी कोई काम सिद्ध होगा। ता० ९ फरवरी से २८ मार्च तक कभी लाभ कभी हानि होते हुए ब्यापार से हानि ही रहेगी अशान्ति अधिक रहेगी।

नोट—गोचर में अष्टम शनि चल रहा है २० जनवरी से राहु भी अष्टम हो जायेगा। ता० ८ फरवरी सन् ६८ से मंगल भी अष्टम हो जायेगा। इस समय को सावधानी से निकालिये।

(टो प पि पू ष ड़ ठ पे पो)

कन्या राशि वालों को १० अप्रैल से ३१ अगस्त तक का समय कभी लाभ कभी हानि होते हुए लाभ साधारण ही रहेगा। ता० १ सितम्बर से १३ अक्टूबर तक अच्छा लाभ किसी कार्य की सिद्धि होगी। ता० १४ अक्टूबर से २३ नवम्बर

तक चिन्ता हानि परेशानी ग्रह कलह से चित को सन्ताप ता० २४ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक लाभ कम चिन्ता अधिक सन्तान कष्ट। ता० १ जनवरी से ८ फरवरी तक लाल काली वस्तु से लाभ किसी कार्य की सिद्धि। ता० ६ फरवरी से १८ मार्च तक कभी लाभ कभी हानि स्त्री को कष्ट यात्रा में चोरी ता० २० मार्च से समय लाभकारी आयेगा तिलहन और रस व्यापार से लाभ होगा।

नोट—२० जनवरी सन् १९६८ तक मेष का अष्टम राहु लाभ होने में वाधा डालता रहेगा। चित्त को बेचैनी रहेगी तब तक राहु की शांति का उपाय करने से सुख शांति मिलेगी।

(रा री रू रे रो ता ती तू ते)

तुला राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ३ जुलाई तक लाभ कम हानि विशेष व्यय की अधिकता रहेगी। ता० ५ जुलाई से २६ अगस्त तक शारीरिक चिन्ता लाभ साधारण होगा। ता० ३० अगस्त से १२ अक्टूबर तक अच्छा लाभ होगा। किसी कार्य में सफलता मिलेगी। ता० १४ अक्टूबर से २३ नवम्बर तक वन्धू विरोध लाल वस्तु से लाभ काली वस्तु से हानि ता० २३ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक ग्रह कलह चिन्ता हानि परेशानी बढेगी बायदा व्यापार कम करना। १ जनवरी से ८ फरवरी तक सन्तान कष्ट चित्त चलायमान लाभ साधारण

ता० ६ फरवरी से १० मार्च तक लाभ श्रेष्ठ किसी कार्य की सिद्धि होगी। ता० २० मार्च से २८ मार्च तक लाभ साधारण मात्रा से हानि।

नोट—वर्ष का परिणाम लाभकारी रहेगा सन् ६८ की २२ जनवरी से १२ वाँ केतु लाभ में बाधा करेगा। इसकी शांति का उपाय करने से सुख शांति मिलेगी।

(तो न नी नू ने नो य यि यू)

वृश्चिक राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ४ जुलाई तक लाल काली वस्तु रस व्यापार से लाभ। ता० ५ जुलाई से ३१ अगस्त तक चिन्ता हानि परेशानी वायदा व्यापार कम करना मोटे व्यापार से मोटी हानि होगी। ता० १ सितम्बर से २३ नवम्बर तक कभी लाभ कभी हानि होते हुए द्रव्य का लाभ साधारण। शारीरिक और आर्थिक चिन्ता बनी रहेगी। ता० २४ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक गुड़ खांड़ तिलहन के व्यापार से लाभ वन्धु वर्ग से द्वेष ता० १ जनवरी से ६ फरवरी तक चिन्ता हानि कलह लाभ होना कठिन ता० ६ फरवरी से १ मार्च तक कभी लाभ कभी हानि होते हुए लाभ साधारण ही रहेगा। सन्तान कष्ट। ता० १६ मार्च से २८ मार्च तक समय श्रेष्ठ लाभ होगा।

नोट—इस राशि के लिए १२ वां केतु कलहकारी और व्ययकारी सन् १६६८ की जनवरी तक चलेगा इसकी शांति का उपाय करने से सुख शांति मिलेगी।

(ये यो भ भो भू ध फ ढ़ मे)

धनु राशि वालों को ता० १० अप्रैल से २६ अगस्त तक अनाज तिलहन गुड खांड वेजीटेविल के व्यापार से लाभ किसी कार्य की सिद्धि। ता० ३० अगस्त से १३ अक्टूबर तक चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी लाभ होना कठिन। ता० १४ अक्टूवर से ३१ दिसम्बर तक कभी लाभ कभी हानि होते हुए समय साधारण व्यतीत होगा। ता० १ जनवरी से ८ फरवरी तक लाल काली वस्तु के व्यापार से लाभ किसी कार्य की सिद्धि। ता० ९ फरवरी से १८ मार्च तक चिन्ता हानि कलह चित्त को अशान्ति रहेगी। ता० २० मार्च से समय लाभ कारी आयेगा।

नोट—मीन का शनि लाभ होने में बाधा करता है। शनि की शांति का उपाय करते रहें। आगे फरवरी और मार्च सन् १९६८ का समय व्यापार कम करते हुए सावधानी से निकालें। ईश्वर का भजन विशेष करें।

(भो ज जी जू जे जो ख खी खू खे खो ग गी)

मकर राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ४ जुलाई तक कभी लाभ कभी हानि से समय साधारण निकलेगा। नफा मिले तो छोड़ो मत। ता० ५ जौलाई से १३ अक्टूबर तक अनाज तिलहन रस कस व्यापार से लाभ किसी कार्य की सिद्ध। ता० १ ता० १४ अक्टूबर से २४ नवम्बर तक चिन्ता हानि परेशानी भय की अधिकता। ता० २५ नवम्बर से ८ फरवरी तक कभी लाभ कभी हानि से समय साधारण। शारीरिक चिन्ता बनी रहेगी। ता० ९ फरवरी से २८ मार्च तक समय

लाभकारी कार्य में सफलता मिलेगी। बन्धुओं में आदर होगा।

नोट—१४ सितम्बर से अष्टम गुरु और २२ जनवरी सन ६८ तक चौथा राहु द्रव्य लाभ में बाधक है इनकी शान्ति का उपाय करने से सुख शान्ति मिलेगी।

(गु गे गो स सी सु से सो द)

कुंभ राशि वालों को ता० १० अप्रैल से ४ जुलाई तक चिन्ता हानि परेशानी लाभ होना कठिन। ता० ५ जुलाई से २९ अगस्त तक कभी लाभ कभी हानि से समय साधारण। ता० ३० अगस्त से २३ नवम्बर तक कई प्रकार से लाभ होगा। चित को प्रसन्नता होगी। किसी कार्य की सिद्धि होगी। ता० २४ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक चिन्ता हानि परेशानी लाभ कम व्यय विशेष। ता० १ जनवरी से १९ मार्च तक शारीरिक और आर्थिक चिन्ता होगी। कभी लाभ कभी हानी हो जायेगी रस व्यापार से लाभ होने की आशा है।

नोट—वर्ष का परिणाम मध्यम लाभकारी रहेगा शनि की शान्त का उपाय करते रहें सन १९६८ की जनवरी से अष्टम केतु शरीर को कष्ट देगा इसकी भी शान्त करते रहना।

(दी दू था झा ञा दे दो चा चि)

मीन राशि वालों को १० अप्रैल से २९ अगस्त तक समय मोटा लाभ नहीं होने देगा। लाभ थोड़ा होगा हानि विशेष होगी अतः व्यापार कम करना। चिन्ता विशेष। ता० ३० अगस्त से १३ अक्टूबर तक चिन्ता घटेगी थोड़ा थोड़ा लाभ

होने लगेगा। ता० १४ अक्टूबर से ३० दिसम्बर तक अच्छा लाभ होना पाया जाता है। कार्य की सिद्धि होगी। मित्रों से प्रीति। ता० ३१ दिसम्बर से ८ फरवरी तक चिन्ता हानि परेशानी बढ़ेगी लाभ कम व्यय की अधिकता रहेगी समय की शान्ति से निकालना। ता० ९ फरवरी से २८ मार्च तक का समय कभी लाभ कभी हानि से साधारण लाभ कारी रहेगा।

नोट—इस वर्ष शनि जन्म का नेष्ट है आगे माघ मास से होली तक मीन राशि पर चार पापग्रह चलेंगे इस समय को शान्ति और सन्तोष के साथ ईश्वर की आराधना करते हुए निकालना चाहिए।

खरीदने बेचने के नक्षत्र

श्लोक–क्रियर्क्षे विक्रियो नेष्टो बिक्रियेक्षे क्रियोपिनः।

पौष्णांबुपावनी बातः श्रवश्चित्रा क्रिये शुभा १।

भावार्थ—माल बेचने के लिए भरणी श्लेषा ज्येष्ठा कतिका विशाखा पूर्वा फाल्गुनी पूवाषाढा पूर्वा भाद्रपद ये ८ नक्षत्र बेचने के लिए उत्तम है। जब कभी तेजी होते होते भाव ठहर जाय उस समय इन नक्षत्रों का वेचा माल अवश्य लाभ देता है। इसी प्रकार रेवती अश्विनी चित्रा शतभिषा श्रवण व स्वांति ये ६ नक्षत्र ख़रीदने के लिए उत्तम कहैं। जब बाजार गिरते २ मन्दे भाव पर ठहर जावे तब इन नक्षत्रों में खरीदा माल अवश्य लाभ देता है।

व्यापार करने का शुभ मुहूर्त

श्लोक–मृग पुष्याश्विनी मैत्रै रेवत्यां चकरत्रये ।

चन्द्रे वृहस्पतौ शुके व्यापार शुभदः स्मृत; ॥१॥

भावार्थ—मृगसिर पुष्य अश्विनी अनुराधा रेवती हस्त चित्रा स्वाँति इन नक्षत्रों में चन्द्रवार गुरुवार व शुक्रवार इन वारों में शुभ लग्न शुभ लाभ और अमृत की चौघड़ियाओं में कोई भी व्यापार करना शुभ लाभकारी रहेगा ।

वही वसना डालने का मुहूर्त

श्लोक–रिक्ता भौम घटाब्विनाच विपणी मित्र ध्रु वैक्षिप्रभैः

लग्ने चन्द्रसिते व्ययाष्टरहितैः पापैःशुभैः द्वायखे ।

भावार्थ—चतुर्थी नवमी चतुर्दशी ये रिक्ता तिथि नहीं हो । मंगलवार को छोड़कर अन्य सब वार श्रेष्ठ हैं । कुम्भ लग्न को त्यागकर वह लग्न श्रेष्ट हैं जिनमें चन्द्रमा व शुक्र बैठे हों । यदि दोनों न हों तो इनमें से एक अवश्य होना चाहिए । पाप ग्रह शनि मंगल राहू सूर्य केतु ये अष्ठम व व्यय स्थान में न हों शुभ ग्रह चन्द्र बुध गुरु शुक्र इनमें से द्वितीय स्थान व दशम स्थान लाभ स्थान में हों । शुभ लाभ अमृत की चौघड़िया में वही वसना डालने वालों की अच्छी समद्धि होती है ! व्यापार की जड़ जमती है । लाभ भी उत्तम होता है । ऐसे शुभ मुहुर्त शुभ घड़ी में वही वसना डालना व पूजन करना शुभ माना गया है

ग्रहों का महत्व

ग्रहाः राज्यं करिष्यन्ति ग्रहाः राज्यं हरन्ति च ।
ग्रहै र्व्याप्तमिद सर्व त्रैलोक्यं सचराचरम् ॥

भावार्थ—ग्रह क्या है ? उस अनन्त कोटि ब्रह्माण्ड नायक सर्व शक्तिमान जगदीश्वर का साकार तेज पिंड स्वरूप वही ग्रह है इनका काम है कि आकाश में रहते हुए अपनी आकर्शित शक्ति से पृथ्वी को ग्रहण किये रहना और पृथ्वी पर रहने वाले समस्त प्राणियों एवं पदार्थों से इनका घनिष्ट सम्बन्ध है तभी तो लाखों करोड़ों मीलों की दूरी पर रहते हुए भी पृथ्वी पर बसने वाले और होने वाले सभी वस्तु मात्र पर इनका प्रभाव पड़ता रहता हैं खमध्य में अपनी २ कक्षा नक्षत्र राशि में घूमते हुए समस्त संसार के प्राणियां को शुभ अशुभ फल देते रहते हैं। कहावत है कि ग्रह करता है वह शत्रु भी नहीं करता।

ग्रह बिनु घात भेद बिनु चोरी । बहुत न होय तो थोरीर

ग्रहों का असर हुए बिना रहता नहीं कोई मानों या न मानो प्रमादो या नास्तिक लोग नहीं भी मानते किन्तु मत मानो फल तो हुए बिना रहेगा नहीं ऐसा सनातनी ऋषि महर्षियोंका अटल सिद्धान्त है। इसे कोई भी नहीं मेंट सकता जिन ग्रहों के द्वारा हमको अपना अशुभ फल प्रतीत हुआ है उस अशुभ फल को दूर करने के लिए उन्हीं ग्रहोंकी शान्ति का उपाय मन्त्र जपदान हवन रत्न धारण इत्यादि उपायों से करना चाहिए अवश्य शान्ति

मिलेगी । अब हम नव ग्रहों की शान्ति के लिए पौराणिक मंत्र लिखते हैं। जिनका श्रद्धा भक्ति से पूर्ण विश्वास युक्त जप करने से आस्तिक लोगों को अवश्य ही सुख शांति प्राप्ति होगी।

सूर्य तन्त्र (ॐ घृणि: सूर्यायनमः) कलिकाल में २८ सहस्त्रजप

चंद्र मंत्र (ॐ सों सोमायनमः)चतुर्गुण ४४ सहस्त्र जप

मंगल मंत्र(ॐ अं अंगारकायनमः)चतुर्गुण ४० सहस्त्र जप

बुध मंत्र (ॐबुं बुधायनमः)चतुर्गुण ५६ सहस्त्र जय

गुरु मंत्र (ॐ वृं वृहस्पतये नमः) चतुर्गुण ७६ सहस्त्र जप

शुक्र मंत्र (ॐ शुं शुक्रायनमः) चतुर्गुण ६४ सहस्त्र जप

शनि मंत्र (ॐ शँशनिश्चरायनमः) चतुर्गुण ९२ सहस्त्रजप

राहू मत्र (ॐरां राहवेनमः) चतुर्गुण ७२ सहस्त्र जप

केतु मंत्र (ॐ कें केतवेनमः)चतुर्गुण ६८ सहस्त्र जप

ग्रहों की शान्ति के लिए नवरत्न धारण विधि

मेष लग्न और मेष राशि वालों को अंगूठी में मूंगा धारण करना चाहिए।

वृष राशि और वृष लग्न वालों को हीरा रत्न अभाव में सफेद पुखराज धारण करना चाहिए।

मिथुन राशि और मिथुन लग्न वालों को पुष्पराज (पन्ना) धारण करना चाहिये।

कर्क राशि और कर्क लग्न वालों को मुक्ता (मोती)अभाव में रौप्य धारण करना चाहिये।

सिंह राशि और सिंह लग्न वालों को माणिक्य रत्न अथवा विद्रुम धारण करना चाहिये।

कन्या राशि और कन्या लग्न वालों को पन्ना या सुवर्ण करना चाहिये।

तुला राशि तुला लग्न वालों को हीरा रत्न अभाव में श्वेत पुखराज या चांदी धारण करना चाहिये।

वृश्चिक राशि और वृश्चिक लग्न वालों को प्रवाल (मूंगा) धारण करना चाहिये।

धन राशि और धनु लग्न वालों को पीली पुखराज धारण करनी चाहिये।

मकर कुम्भ राशि या मकर कुम्भ लग्न वालों को नीलम को धारण करना चाहिये।

मीन राशि और मीन राशि लग्न वालों को पुखराज धारण करना चाहिये।

ग्रहों की प्रसन्नता के लिये रत्न धारण विधि:

सूर्य की प्रसन्नता एवं शान्ति के लिए रविवारे पुष्प या हस्त नक्षत्र और लाभ या अमृत की चौघड़ियों में माणिक्य की अंगूठी धारण करनी चाहिए।

चन्द्रमा की शांति के लिये सोमवारे पुष्प या रोहिणी नक्षत्र और लाभ या अमृत की चोघड़ियों में मुक्ता (मोती) की अँगूठी पहननी चाहिये।

मङ्गल की शांति के लिए मङ्गलवारे पुष्प या अश्विनी नक्षत्र और लाभ या अमृत चौघड़ियों में प्रवाल (मूंगा) की अँगूठी धारण करनी चाहिये।

बुध की शांति के लिये बुधवारे पुष्प नक्षत्र और लाभ या अमृत की चौघड़ियों में पन्ना की अँगूठी धारण करनी चाहिए।

गुरु की शांति के लिए गुरुवारे पुष्प नक्षत्र और लाभ या अमृत की चौघड़ियों में पीले पुखराज की अँगूठी धारण करनी चाहिये।

शुक्र की शाँति के लिए शुक्रवारे पुष्प नक्षत्र में लाभ या अमृव की चौघड़ियों में हीरा या सफेद पुखराज की अँगूठी धारण करनी चाहिये।

शनि की शांति के लिए शनिवारे पुष्प नक्षत्र और लाभ की चौघड़ियों में नीलम की अँगूठी धारण करनी चाहिए।

राहू की शांति के लिये बुधवारे अथवा शनिवारे पुष्प नक्षत्र लाभ या अमृत की चौघड़ियों में लाज.वर्त या गोमेद की अँगूठी धारण करनी चाहिये।

केतु की शांति के लिए बुधवारे पुष्प नक्षत्र लाभ या अमृत की चौघड़ियों में लाजावर्त या वैदूर्य की अँगूठी धारण करनी चाहिये।

नोट—नं० १ धारण करने के योग्य रत्न कम से कम पक्की तोल ३। रत्ती होना चाहिए तोल में अधिक हो तो अधिक उत्तम।

नोट—नं० २ धारण करने से पहिले रत्न जटित अँगूठी को ऽ।— कच्चे दूध में धो लेना चाहिए फिर दूध से निकालकर (ओ३म् सिद्धयै नमः,)इस मन्त्र को २१ बार उस अँगूठी

पर पढ़कर चन्दन चूरा अगरबत्ती इत्यादि सुगन्धित धूप लगाकर ठीक समय से अमृत या लाभ की चौघड़ियों के अन्दर ही धारण कर लेना चाहिए धोने से बचा हुआ दूध किसी कुत्ते को पिला देना चाहिए।

अवश्य ध्यान रखिये

जब बार २ प्रयत्न करने पर भी सौदे में हानि ही रहे तो यह समझकर कि हमारा सितारा इस समय साथ नहीं देता कुछ समय के लिए व्यापार बन्द कर चुपचाप सन्तोष से बैठ जाइये क्योंकि यह प्रसिद्ध बात है कि सट्टा तो सितारे का साथी है।

दोहा—तुलसी चुप हो बैठिए देख दिनों का फेर।
जब नीके दिन आय हैं बनत न लागे देर॥

कुदशा से पीड़ित सितारे के कमजोर व्यारियों को जब यह विदित होने लगे कि हमारा कोई चाँस नहीं लगता माल खरीदने पर मन्दी आती है और माल बेचते हैं तो तेजी चलती है तो समझ लेना चाहिए कि हमारा सितारा ठीक नहीं कुछ दिन के लिये शांति एवं संतोष के साथ अपने इष्ट देव का भजन करते हुए धैर्य से अच्छे समय की प्रतीक्षा करें। समय बदलने पर मनुष्य के बनने में कुछ देर नहीं लगती।

व्यापारियों को सूचना

इस व्यापार भविष्य के अन्दर सभी वस्तुओं की तेजी मन्दी ज्योतिष के ग्रह योगानुसार तथा अपने ३७ वर्ष के अनुभव द्वारा

अब की बार अधिक परिश्रम करके खूब सोच समझकर लिखी गई है। इनका भली भांति पूरा २ मिलना न मिलना दैवाधीन ही जानना क्योंकि (भूत भव्य भवत्प्रभु) भूत भविष्य वर्तमान कालों के सर्वज्ञज्ञाता तो भगवान ही हैं। मनुष्य तो अल्पज्ञ है मनुष्य धर्म से कहीं भूल भी हो सकती है इसअिए इस व्यापार के करने वाले इस पुस्तक का आधार लेकर और देश काल राजनैतिक वातावरण को देखते हुए सतर्कता से व्यापार करें इस पुस्तक के आधार पर लाभ हानि के भोक्ता स्वयं व्यापारी होगे हमारा मुख्य उद्देश्य इस पस्तक के द्वारा समस्त भारतवर्ष में हिन्दी देवनागरी राष्ट्र भाषा का प्रचार करना एवं इस पुस्तक द्वारा व्यापारियों को व्यापार करने में सहायता पहुँचाना है। सदैव प्रत्येक मनुष्य अपने २ भाग्यानुसार ही हानि लाभ उठाया करते हैं। इसलिए इस व्यापार के विशेषज्ञ लोग कहते हैं सट्टा तो सितारे का साथी है अच्छे समय का किया हुआ व्यापार ही अच्छा लाभ दे सकता है इसलिए खोटी दशा में खोटे सितारे वालों को भूलकर भी मोटा व्यापार नहीं करना चाहिए व्यापार करते समय ज्योतिष का आधार लेकर उस समय व्यापार वक्र यानी (व्यापार का रुख प्रसङ्ग) को देखते हुए व्यापार करना चाहिए। अत्यन्त मन्दे भावों में खरीदकर काम करने वालों को नफा खाने में शीघ्रता नहीं करनी चाहिए नफा के सौदे को बढ़ाने वाले और नुकसान के सौदे को न रखने वाले ही व्यापारी मोटा लाभ उठा सकते हैं जब कभी इस पुस्तक की लिखी बात विपरीत चलती मालुम दे उस समय व्यापारी

इसका आश्रम छोड़कर बाजार के रुख प्रसङ्ग पर चलकर अपने व्यापार को संभाले और नुकसान को न बढने दें आशा है कि पाठक व्यापारी वन्धु व्यापार करते समय इन सब बातों का अवश्य ध्यान रखेंगे।

❀ व्यापार मुक्तावली ❀

१—बहुत बार अनुभव करने से पता चला है कि (वायदे) व्यापार के अन्दर जहां जिस वस्तु का सट्टा जोरदार चल रहा हो उसकी तेजी या मन्दी के भाव प्राय. सोमवार या मङ्गल को अथवा शुक्रवार या शनिवार को ही ऊंचे से ऊंचे या नीचे से नीचे भाव बना करते हैं।

२—मान लो कि सोमवार को अचानक तेजी आये तो मङ्गल के दोपहर तक तेजी रहेगी।

३—मंगल को बाजार में तेजी आ जाय तो बुधवार के १२ बजे तक तेजी होकर मन्दी आ जाया करती है इसी तरह—

४—गुरुवार में तेजी रहे तो शुक्रवार के दोपहर बाद मन्दी अवश्य आयेगी फिर शनिवार में भी तेजी आ जाया करती है।

५—शुक्रवार की भी तेजी मन्दी टिकाऊ नहीं होती यदि शुक्रवार मन्दी में रहे तो शनिवार में तेजी यदि शुक्रवार में तेजी ही रहे तो शनिवार में मन्दे जाता है।

६—शनिवार से उठी हुई तेजी या मन्दी मंगल के १२ बजे तक समाप्त हुआ करती है यदि आगे चले तो शनिवार में ही जाकर समाप्त होती है।

७—शनिवार के दिन ऊंचे से ऊंचा भाव और नीचे से

नीचा भाव जो हुआ हो उसे ध्यान में रखना सोमवार के दिन ऊंचे से ऊंचा या नीचे से नीचा एक भाव अवश्य आयेगा जब व्यापार वक्र तेजी वाला होता है तो शनिवार से सोमवार में ऊंचे भाव आया करते हैं यदि वक्र मन्दी वालों का हो तो नीचे के भाव बना करते हैं।

८—निरन्तर व्यापार में अनुभव करने से विदित हुआ है कि सोमवार में एकदम मन्दी आये और मंगल भी मन्दी में रहे तो बुधवार के दोपहर तक मन्दी होकर एक दम गुरुवार तक तेजी आया करती है।

९—मंगल तेजी में जाय और बुधवार में भी तेजी चल पड़े तो एक बार गुरुवार में थोड़ी तेजी आकर पीछे मन्दी आ जाया करती है।

१०—गुरुवार को मन्दी खतम होकर यदि तेजी चल पड़े तो अच्छी तेजी आया करती है।

११—किसी समय ऐसा भी बाजार चलते देखा गया है कि सोमवार से तेजी उठे तो बुधवार के दोपहर तक समाप्त हो जाती है।

१२—मंगलवार की उठी हुई तेजी या मन्दी गुरुवार के १ बजे तक समाप्त हो जाती है।

१३—बुधवार की चली हुई तेजी मन्दी शुक्रवार के १२ बजे तक प्राय: समाप्त हो जाती है।

१४—(बहुत कम) किसी समय सोमवार की चली हुई तेजी मन्दी गुरुवार तक और मंगल की चली शुक्रवार तक शनिवार की चली हुई मंगल तक शुक्रवार की चली हुई तेजी मन्दी सोमवार तक समाप्त हो जाती है।

१५—किसी २ समय जिस बार से तेजी या मन्दी उठती है उसी बार में जाकर प्राय; समाप्त होती है।

१६—सदैव बाजार के वक्रानुसार ही अपना सौदा करना चाहिए बाजार में प्रतिदिन या तीसरे चौथे दिन तक उस वस्तु के नये भाव आते चले जांय उसी से अनुमान लगाते रहें कि यह बाजार तेजी का है या मन्दी का तेजी के नये २ भाव आते रहें तो तेजी का मन्दे के नये भाव से मन्दी का बाजार जानना।

१७—तेजी के वक्र में मन्दीकारक ग्रहों का फल थोड़ा और थोड़े समय के लिये हुआ करता है।

१८—इसी प्रकार मन्दी के वक्र में तेजीकारक ग्रहों का फल थोड़ा और थोड़े समय के लिए हुआ करता है।

१९—तेजी के ग्रहों में मन्दी आने लगे तो मन्दी का बाजार समझना चाहिए तेजी से निकल जाना चाहिए।

२०—जब मन्दी के ग्रहों में तेजी आने लगे वो तेजी वालों का बाजार है मन्दी से निकल जाना चाहिए।

२१—सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि हमारे भाग्य में सट्टे के व्यापार से लाभ है या हानि यदि लाभ हो तो व्यापार करो नहीं है तो व्यापार के पीछे मत पड़ो हजारों व्यापारी इसी तरह इससे बरवाद हो गये। सट्टे का व्यापार भी एक विलक्षण रत्न है जो हर एक मनुष्य की राशि पर नहीं लगता।

२२—अपनी सामर्थ्य और सम्पत्ति के अनुसार ही व्यापार करना चाहिए जो मनुष्य यह सोचकर मोटा व्यापार कर बैठते हैं कि हम तो एक ही चांस में लक्षाधीश बनेंगे उनमें से कोई बिरला ही एक लक्षाधीश भले ही बन जाय बाकी अधिकतर व्यापारी मोटे व्यापार की मोटी चपेट से अपनी प्रतिष्ठा भी खो बैठते हैं हमेशा के लिए फिर किसी काम के नहीं रहते।

२३ सामान्य घटबढ़ के समय नजराना खाने वाले लाभ उठाया करते हैं।

२४—बाजार में घटबढ अधिक चलने के समय तेजी मन्दी नजराना लगाने वाले अच्छा लाभ उठाते हैं।

२५—प्राय: अश्विनी नक्षत्र और रोहिणी मृगशिर स्वांति मूल पूर्वाषाढा और श्रवण नक्षत्र से तेजी या मन्दे की लाइन निकला करती हैं। आप भी अनुभव करें परिक्षित है।

२६—सदैव बाजार के वक्रानुसार ही तेजी मन्दी के ग्रह योगों को देखते हुए अपना व्यापार करना चाहिये।

२७—तेजी के वक्र में खरीदकर काम करने वाले और मंदी के वक्र में बेचकर काम करने वाले ही उत्तम लाभ उठाते हैं।

२८—प्राय: अनावृष्टि दुर्भिक्ष युद्ध और उस वस्तु की कमी के समय तेजी वाले अच्छा लाभ उठाते हैं।

२९—सुवृष्टि शांति और सुभिक्ष के समय और उस वस्तु के अधिक स्टाक के समय प्राय: मन्दी वाले लाभ उठाया करते है।

इधर भी ध्यान दीजिये

१—पत्र व्यवहार हमारे पास हिन्दी में साफ २ लिखा हुआ और भेजने वालों का पूरा पता हिन्दी या अंग्रेजी में साफ २ पोस्ट आफिस का नाम सहित आना चाहिये। हमारे कार्यालय में उर्दू नहीं जानते इसलिये कृपा कर पत्र हिन्दी में ही आना चाहिये।

२—पत्र का उत्तर पाने के लिये व्यापारी भाइयों को जवाबी कार्ड भेजना जरूरी है वरना उत्तर पाने से वे वंचित रहेंगे।

३—पुस्तक मंगाने वालों को पुस्तक का मूल्य डाक खर्च सहित भेजना चाहिये। जो मनीआर्डर द्वारा केवल पुस्तक का मूल्य ही भेजेंगे उनको पुस्तक डाक खर्च आने पर ही भेजी जायगी।

मंगल कामना

कालेवर्षतु पर्जन्यो पृथ्वी सस्य शालिनी ।
देशोऽयं क्षोभ रहितो ब्राह्मणा: सन्तुनिर्भया: ॥१॥
सर्वेऽपि सुखिन: सन्तु सर्वे सन्तुनिरामया: ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तुमाकश्चिद् दुख भाग्भवेत् ॥२॥
मङ्गलं भगवान विष्णु: मङ्गल गरुड़ ध्वज: ।
मंगलं पुण्डरीकाक्षो मंगलायतनं हरि: ॥३॥
अस्माकं मङ्गलं भूयात् युस्माकं मङ्गलं सदा ।
उभयोर्मंगलं दद्यात् विश्वनाथो महेश्वर: ॥४॥
श्रीकृष्ण: कुशलं करोति भवतांधाताप्रजानां ।
सुखं,निर्विघ्नं गणनायकं प्रतिदिनंभानु:प्रतापोदयम्।
शम्भु स्तेधनधान्यकीर्ति मतुलां दुर्गारिनाशंतवगंगाते
खलुपाप हा प्रतिदिनं लक्षमी सदा तिष्ठतु ॥५॥
तदेव,लग्नं सुदिनं तदेव, तारावलं चन्द्रवलं तदेव ।
विद्यावलं दैववलं तदेव,लक्षमी पतेतेंघ्रियुगंस्मरामः।

वै० ज्यो पं० हीरालाल दीक्षित; हाथरस ।

ता० १-१-६७

व्यापारियों को सूचना

हमारी नवीन व्यापार भविष्य पुस्तक सदैव जनवरी मास में छपकर तैयार हुआ करती है परन्तु व्यापारी लोग अक्टूबर मास से ही अपने आर्डर भेज कर साथ ही अपने २ पत्र में ये शब्द और दिया करते हैं कि वी० पी० द्वारा शीघ्र से शीघ्र पुस्तक भेजने की कृपा करें। अब विचारिये जब तक पुस्तक बन कर और छपकर तैयार न हो जाय जब तक आप को पुस्तक कैसे भेजी जा सकती है। और हम इस बात की आगाही हर साल अपनी पुस्तक में लिख देते हैं कि हमारी नवीन पुस्तक जनवरी मास में छपकर तैयार होती है जिसका आर्डर १५ दिसम्बर से भेजना चाहिये आशा है कि व्यापारी लोग इस बात का ध्यान हमेशा रक्खेंगे।

विनीत

अध्यक्ष—श्री व्यापार भविष्य कार्यालय

हाथरस

मुद्रक—गजराजसिंह शर्मा गोपाल प्रेस, हाथरस।